राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 330

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, गुरुवार, 8 मई, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

आतंकवाद पर जीरो टालरेंस की नीति अपनाए दुनिया

>> 7

25 मिनट में 9 ठिकाने ध्वस्त, 70 आतंकी ढेर

पहलगाम हमले के जवाब में भारत की 24 मिसाइलों से थर्राया पाकिस्तान

कहा– पाकिस्तान ने जवाबी हमले की हिमाकत की तो करेंगे और कार्रवाई

जैश सरगना मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य भी मारे गए

संजय मिश्र ● जागरण

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले की जवाबी कार्रवाई में भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया है। भारतीय बेटियों की मांग के सिंदूर को उनके ही सामने उजाड़ने वाले आतंकी हमले के जवाब में इस आपरेशन को नाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया। इसके तहत पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में करीब 100 किलोमीटर अंदर और गुलाम जम्मू-कश्मीर में मिसाइलों से हमला करते हुए नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। भारतीय सेना और वायुसेना ने इस जबर्दस्त एवं सटीक संयुक्त आपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालयों पर धावा बोलकर उन्हें ध्वस्त कर दिया, जिन्हें पाकिस्तान के सबसे बड़े आतंकी सरगना हाफिज सईद और मसूद अजहर का अभेद्य किला माना जाता था। सरकार ने इस आपरेशन के दौरान मरने वाले आतंकियों की संख्या नहीं बताई है, लेकिन मीडिया रिपोर्टों में उनकी संख्या 70 से अधिक बताई गई है। मरने वालों में जैश के सरगना मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने रात में इस पूरे आपरेशन की लगातार निगरानी की और उनके निर्देश पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने समन्वय की कमान संभाली। प्रधानमंत्री ने बाद में कैबिनेट बैठक में सफल आपरेशन के लिए सैन्य बलों की सराहना की और बुधवार को राष्ट्रपति भवन जाकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को इस सफल आपरेशन की जानकारी दी।

आपरेशन सिंदूर के तहत मंगलवार-बुधवार रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच भारतीय सेनाओं ने 25 मिनट के भीतर लक्ष्यों को सटीक भेदने वाली 24 अति आधुनिक विशिष्ट तकनीक वाली मिसाइलें पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में दागते हुए अपना अभियान पूरा किया। इस सैन्य आपरेशन में इस्तेमाल किए गए हथियारों तथा मिसाइलों का ब्योरा आधिकारिक तौर पर साझा नहीं किया गया है, मगर बताया जाता है कि स्कैल्प डीप-स्ट्राइक क्रूज मिसाइलें, हैमर स्मार्ट हथियार प्रणाली, निर्देशित बम किट और एक्सकैलिबर गोला-बारूद दागने वाले एम-777 हाविट्जर जैसे हथियार इसमें शामिल थे। अचानक एवं हतप्रभ करने वाली भारत की सैन्य कार्रवाई में दर्जनों आतंकियों और उनके करीबियों के मारे जाने की पुष्टि खुद पाकिस्तान ने की है। भारत की यह सैन्य कार्रवाई उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक तथा पुलवामा हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक की तुलना में सामरिक रूप से कहीं ज्यादा इसलिए बड़ी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को साफ संदेश दिया गया है कि आतंकवाद का उसका घिनौना खेल अब भारत किसी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा।

एनएसए डोभाल ने की कई देशों से बात

आपरेशन सिंदूर के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और सऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों के अपने समकक्षों से बात की। वहीं, पाकिस्तान ने इस्लामाबाद में भारतीय उच्चायोग के प्रभारी को समन किया और भारतीय कार्रवाई के प्रति विरोध प्रकट किया। पाकिस्तान ने दावा किया कि भारत की कार्रवाई में कई नागरिकों की मौत हुई है।

आतंकी संगठनों को पंगु बनाना था लक्ष्य

भारत की सैन्य कार्रवाई को सही ठहराते हुए कर्नल कुरैशी ने कहा कि तीन दशक से पाकिस्तान ने अपने यहां आतंकी बुनियादी ढांचे का नेटवर्क निर्मित किया है जिसमें भर्ती केंद्र, वैचारिक प्रशिक्षण केंद्र, प्रशिक्षण शिविर और आपरेशनल लांच पैड शामिल हैं। यह आतंकी ढांचा भारत में हमलों को अंजाम देता रहा है। इसे निशाना बनाने का मकसद आतंकी संगठनों की क्षमता को पंगु बनाना है।

निशाना बने आतंकी ठिकाने

- जैश-ए-मोहम्मद : बहावलपुर में मरकज सुभान अल्लाह, तेहरा कलां में सरजाल, कोटली में मरकज अब्बास और मुजफ्फराबाद में सैयदना बिलाल।
- लश्कर-ए-तैयबा : मुरिदके में मरकज तैयबा, बरनाला में मरकज अहले हदीस और मुजफ्फराबाद में श्वावई नाला।
- हिजबुल मुजाहिदीन : कोटली में मकाज राहील शाहिद और सियालकोट में मेहमूना जोया।
- जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय किए ध्वस्त
- किसी भी सैन्य या असैन्य प्रतिष्ठान को नहीं बनाया गया निशाना
- पीएम ने की रात में आपरेशन की निगरानी, डोभाल ने किया समन्वय

पाकिस्तान में मंगलवार को आतंकी कैंपों पर मिसाइल हमले के बाद बुधवार को इस बारे में प्रेस वार्ता करते कर्नल सोफिया कुरैशी, विदेश सचिव विक्रम मिसरी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह। पेट्र

पाकिस्तान के मुरिदके में भारतीय सेना के मंगलवार रात को मिसाइल हमले में ध्वस्त भवन। यहां आतंकियों का ट्रेनिंग कैंप चलाया जाता था। एपी (विशेष सामग्री पेज-2 से 7 तक)

दो महिला सैन्य अफसरों ने दिया सैन्य कार्रवाई का ब्योरा

पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई को अंजाम देने के बाद बुधवार सुबह 10.30 बजे भारतीय सेना की दो महिला अफसरों थलसेना की कर्नल सोफिया कुरैशी तथा वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ प्रेस कान्फ्रेंस में आपरेशन सिंदूर का पूरा ब्योरा साझा किया। कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, आपरेशन सिंदूर में रात 1.05 बजे से 1.30 बजे के बीच लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद के मुख्यालयों समेत भारत में आंतक फैलाने में शामिल अन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कहा, इस आपेरशन के लिए सटीक क्षमता और विशिष्ट प्रौद्योगिकी के युद्धक हथियारों का सावधानीपूर्वक चयन किया गया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्रवाई पूरी तरह निर्धारित लक्ष्य पर ही हो। सभी नौ लक्ष्यों में विशिष्ट इमारत या इमारतों का समूह शामिल था और इन्हें पूरी ध्वस्त या निष्प्रभावी कर दिया गया। किसी भी सैन्य या असैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया। भारत ने प्रतिक्रिया में काफी संयम दिखाया है। बौखलाए पाकिस्तान की भारत को दी गई युद्ध की धमकी का किसी तरह उल्लेख किए बिना विंग कमांडर सिंह ने कहा कि अगर वर्तमान स्थिति को बढ़ाने की कोई कोशिश हुई तो भारतीय सेनाएं ऐसे किसी दुस्साहस का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं पर दिया अंजाम

पाकिस्तान तथा गुलाम जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमले का ब्योरा देते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी ने कुछ वीडियो तथा सैटेलाइट तस्वीरें साझा कीं और कहा कि आपरेशन सिंदूर के लिए लक्ष्य विश्वसनीय खुफिया सूचनाओं और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में इन ठिकानों की भूमिका को देखते हुए निर्धारित किए गए थे। नागरिक बुनियादी ढांचे और किसी भी नागरिक की जान को नुकसान से बचाने के लिए इन ठिकानों का चयन काफी मेहनत से किया गया।

लश्कर-ए-तैयबा के हैंडल से खुलती है पोल

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले की जांच में पाकिस्तान में और वहां से भेजे गए आतंकियों के कम्युनिकेशन नोट्स सामने आए हैं। लश्कर-ए-तैयबा के ज्ञात इंटरनेट मीडिया हैंडल द्वारा उनकी पुनः पोस्टिंग खुद ही सब कुछ बयां करते हैं। पहलगाम हमले की विशेषताएं भारत में सीमापार से आतंक फैलाने के पाकिस्तान के लंबे ट्रैक रिकार्ड से भी मेल खाती हैं और पाकिस्तान दुनियाभर के आतंकियों के लिए एक पनाहगाह के रूप में कुख्यात है।

चार लक्ष्य पाकिस्तान व पांच गुलाम जम्मू-कश्मीर के

पाकिस्तान के भीतर जिन चार आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया उनमें सियालकोट का सरजल कैंप अंतरराष्ट्रीय सीमा से छह किमी दूर तो सियालकोट का ही मेहमूना जोया कैंप 11 किमी दूर है। जबकि मुरिदके का मरकज तैयबा 25 किमी दूर है और यह हाफिज सईद के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय था। यहां पर मुंबई आतंकी हमले के दोषी अजमल कसाब व डेविड कोलमैन हेडली को ट्रेनिंग दी गई थी। जबकि अंतरराष्ट्रीय सीमा से 100 किमी दूर पाकिस्तान के भीतर बहावलपुर का मरकज सुभान अल्लाह आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद का मुख्यालय था जहां इसका सरगना मसूद अजहर अक्सर वहां आता-जाता रहा है। गुलाम जम्मू-कश्मीर के जिन पांच आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया गया उनमें मुजफ्फराबाद का श्वावई नाला कैंप नियंत्रण रेखा से 30 किमी दूर है। यहां पर पहलगाम व जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों पर हाल में हुए हमलों से जुड़े लश्कर-ए-तैयबा का प्रशिक्षण शिविर है। मुजफ्फराबाद के ही सैयदना बिलाल कैंप को भी ध्वस्त किया गया है। गुलाम जम्मू-कश्मीर में तीसरा लक्ष्य कोटली का गुलपुर कैंप रहा जो नियंत्रण रेखा से 30 किमी दूर है और पुंछ-राजौरी में नौ जून, 2024 को तीर्थयात्रियों पर हमले के आतंकियों को यहीं प्रशिक्षित किया गया था। कर्नल कुरैशी ने कहा, मुंबई हमले का मास्टरमाइंड जकीउर रहमान लखवी अक्सर गुलपुर कैंप में आकर आतंकियों का ब्रेनवाश करता रहा है।

संपादकीय

आतंक के प्रतिकार की प्रतिबद्धता: एक साथ नौ आतंकी ठिकानों को निशाना

बनाकर भारत ने यह कड़ा संदेश दिया कि आतंक से जूझने में वह कोई भी जोखिम उठाने को तैयार है। **श्रीराम चौलिया** का आलेख।

अपने ही गड्ढे में गिरी पाकिस्तानी सेना: पाकिस्तानी पंजाब के अंदर भी भारत की सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान सेना के मुंह पर कालिख पोतने जैसी है। **दिव्य कुमार सोती** का विश्लेषण। ● पेज-8

धूम धड़ाका

आज का मैच (आइपीएल)

पंजाब किंग्स *vs* दिल्ली कैपिटल्स

शाम 7:30 बजे स्थान: धर्मशाला

प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स/जियोहाटस्टार

'हमारी ओर देख रहा था देश, यह हमला होना ही था'

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद शोक और पीड़ा से गुजर रहे देशवासियों को आपरेशन सिंदूर से जो संतोष मिला है, वही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में भी महसूस हुआ। आतंकी ठिकानों पर हुई अकल्पनीय जवाबी कार्रवाई के बाद पीएम मोदी ने कैबिनेट की बैठक में आपरेशन की जानकारी मंत्री परिषद के साथ साझा करते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। सेना के शौर्य पर गर्व जताते हुए कहा, 'सारा देश हमारी ओर देख रहा था, भारत की ओर से यह हमला होना ही था।'

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या कर दी थी। इससे देश में गम और गुस्से का गुबार उठ रहा था तो प्रधानमंत्री मोदी ने भी अपने इरादे स्पष्ट कर दिए थे कि दोषियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। आतंकी वारदात के तुरंत बाद अपना सऊदी अरब दौरा बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे पीएम ने उच्च स्तरीय रणनीतिक बैठकें शुरू कर दी थीं। पंचायतीराज दिवस पर बिहार के मधुबनी में एक सार्वजनिक सभा से देश के साथ ही दुनिया को संदेश दिया था कि अब आतंकियों की बची-खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है।

सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की देर रात हुई इस कार्रवाई के बाद बुधवार सुबह पीएम ने कैबिनेट बैठक में बताया कि आपरेशन बिल्कुल योजना के अनुसार ही किया गया और इसमें किसी भी तरह की कोई गलती नहीं हुई। सेना ने पहले से की गई विस्तृत तैयारियों का सख्ती से पालन करते हुए अत्यंत सटीकता के साथ मिशन को अंजाम दिया है। सेना ने बेहतरीन काम किया है। हमें अपनी सेना पर गर्व है। इस पर बैठक में शामिल मंत्रियों ने मेज थपथपाकर प्रधानमंत्री का समर्थन किया और सेना के शौर्य की सराहना की।

कैबिनेट बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- देश के लिए गर्व का पल, हमें अपनी सेना पर गर्व

नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

युद्ध भड़कने की आशंका में अमेरिका ने तेज की मध्यस्थता की कोशिश

जयप्रकाश रंजन ● जागरण

नई दिल्ली: भारत की तरफ से पाकिस्तान में स्थित आतंकयों के नौ ठिकानों पर किए गए हमले के बाद दक्षिण एशिया में युद्ध भड़कने की आशंका के बीच अमेरिका की तरफ से दोनों पड़ोसी देशों के बीच मध्यस्थता की कोशिश तेज कर दी गई है। एक तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीघ्र ही युद्ध समाप्त होने की संभावना जताई है, तो दूसरी तरफ विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत और पाकिस्तान के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों से अलग-अलग बात की है। उन्होंने दोनों देशों से संयम बरतने का आग्रह किया है।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने एक्स पर लिखा, मैं भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा स्थिति पर करीबी नजर रखे हुए हूं। तनाव जल्द खत्म होना चाहिए। अमेरिका में भारतीय दूतावास की तरफ से बताया गया है कि आपरेशन सिंदूर के बाद एनएसए अजीत डोभाल ने अमेरिका के एनएसए और विदेश मंत्री से अलग-अलग बात कर उन्हें जानकारी दी है।

मार्को रूबियो। फाइल

मार्को रूबियो बोले, भारत-पाक के बीच स्थिति पर नजर रखे हुए हूं

ट्रंप ने कहा-मैं उम्मीद करता हूं कि जल्दी ही यह स्थिति समाप्त होगी पेज>>7

विमर्श

आतंकी शिविरों पर प्रहार की रणनीति: 'आपरेशन सिंदूर' के रूप में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए अभियान ने दिखा दिया कि भारत अब आतंकवाद को अधिक समय तक बरदाश्त नहीं करेगा। **नरेंद्र शर्मा** का आलेख।

लव आतंक का रूप ले रहा लव जिहाद: मध्य प्रदेश में एक नए आतंकवाद ने जन्म ले लिया है और वह है लव लिहाद के नाम पर हिंदू लड़कियों को फंसाना, उनके साथ दुष्कर्म करना और फिर वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करना। **धनंजय प्रताप सिंह** की डायरी। ● पेज-9

भारत की ओर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब: शाह पेज>>3

पाकिस्तान की निकली हेकड़ी, तनाव खत्म करने को तैयार पेज>>4

गर्व का पल

दिल्ली के चावड़ी बाजार में निकाली तिरंगा यात्रा, जामा मस्जिद पर बांटी मिठाई, जम्मू-कश्मीर में सुबह ही तिरंगा लेकर सड़क पर निकल पड़े लोग

पहलगाम का बदला लेने पर देशभर में मना जश्न

जागरण टीम, नई दिल्ली

आतंकियों के आकाओं के खिलाफ भारतीय सैन्य बल की कार्रवाई से देश में जश्न का माहौल है। लखनऊ में लोगों ने शोभायात्रा निकाली तो जम्मू में खुशी के मारे लोग हाथों में तिरंगा झंडा लेकर निकल पड़े।

राष्ट्रीय राजधानी में जश्न का माहौल रहा। सुबह ही लोगों ने जामा मस्जिद के पास पहुंचकर मिठाइयां बांटकर भारतीय सेना के पराक्रम पर जश्न मनाया। चावड़ी बाजार में तिरंगा यात्रा निकाली गई। जम्मू में लोगों ने भारतीय सेना के जयघोष करते हुए एक-दूसरे का मुंह मीठा करवाकर आपरेशन सिंदूर की सफलता की खुशियां मनाईं। रैलियां निकालीं और इस सफल आपरेशन के लिए भारतीय सेना और केंद्र को बधाई दी।

मध्य प्रदेश में भी कहीं मिठाइयां बांटी गईं तो कहीं जमकर आतिशबाजी हुई। इंदौर के प्रसिद्ध 56 दुकान परिसर में सुबह पहुंचे एनसीसी कैडेट्स व कालेज के छात्रों के साथ करीब 500 लोगों को सुबह नौ से 10 बजे के बीच निश्शुल्क पोहा-जलेबी खिलाई और चाय पिलाई गई। छिंदवाड़ा में अनाज व्यापारी संघ के पदाधिकारियों ने आतिशबाजी की। बालाघाट के शहीद भगत सिंह जिला अस्पताल के डाक्टरों और स्टाफ ने पुलिस के जवानों व सेना में भर्ती के लिए मेडिकल जांच करवाने पहुंच रहे युवाओं के साथ मिलकर एयर स्ट्राइक का जश्न मनाया है। स्टाफ ने एक-एक दिन का वेतन आर्मी फंड में जमा करने की घोषणा भी की।

****

आपरेशन सिंदूर को लेकर बुधवार को देशभर में उल्लास छाया दिखा। प्रयागराज में आतिशबाजी के साथ खुशी मनाते लोग। प्रेट्र

चारधाम में भी लगे भारत माता के जयकारे

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा पर आए श्रद्धालुओं ने भी भारतीय सेना के इस आपरेशन की सराहना करते हुए खुशी में मिठाइयां बांटी। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ व बदरीनाथ में श्रद्धालुओं ने भारतीय सेना और भारत माता की जय के नारों के बीच दर्शन किए। प्रथम गांव माणा में भी लोगों ने सेना के समर्थन में नारेबाजी की।

सुरक्षा तैयारियां परखने को देशभर में हुई माक ड्रिल

नई दिल्ली, प्रेट्र : हवाई हमलों, आग लगने और अन्य आपात स्थितियों में बचाव की तैयारियों को परखने के लिए बुधवार को देशभर में माक ड्रिल आयोजित की गई। यह ड्रिल भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर किए गए आपरेशन सिंदूर के कुछ घंटे बाद हुई।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कई स्थानों पर पीसीआर वैन और दमकल गाड़ियां तैनात की गईं, जबकि सुरक्षा कर्मियों और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भारी तैनाती की गई। सायरन की आवाज के बीच सुरक्षित स्थानों की ओर भागते हुए लोग, स्ट्रेचर पर घायलों को ले जाते हुए लोग जैसे दृश्य दिल्ली में उन 55 स्थानों पर देखे गए, जहां अधिकारियों द्वारा सुरक्षा अभ्यास किया गया।

झारखंड के पांच जिलों में सायरन बजने के बाद माक ड्रिल की शुरुआत हुई। एक अधिकारी ने बताया कि तीन घंटे का यह अभ्यास रांची, जमशेदपुर, बोकारो, गोड्डा और साहिबगंज में नागरिक सुरक्षा संगठनों के समन्वय से किया गया। हरियाणा के सभी 11 जिलों में माक ड्रिल की गई। प्रदेश के गुरुग्राम, पंचकूला, अंबाला और रोहतक में व्यस्त शापिंग माल, बाजारों और अन्य प्रतिष्ठानों में अभ्यास किया गया।

महाराष्ट्र के मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल और दक्षिण मुंबई के क्रास मैदान में माक ड्रिल की गई। बता दें कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल पर 26 नवंबर, 2008 को आतंकियों ने हमला किया था।

- दिल्ली में कई स्थानों पर पीसीआर वैन और दमकल गाड़ियां तैनात की गईं
- झारखंड के पांच और हरियाणा के सभी 11 जिलों में अभ्यास किया गया

नई दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में माक ड्रिल के दौरान सुरक्षाकर्मी व अन्य। चंद्र प्रकाश मिश्र >>

100 किलोमीटर अंदर घुसा भारत, थर्राया आतंकिस्तान

देश पहलगाम आतंकी हमले के बदले का इंतजार 15 दिन से कर रहा था। इंतजार बेचैनी में बदल रहा था। लेकिन, देश की सेनाओं पर हर भारतीय को भरोसा था। पाकिस्तान की सारी तैयारियां और उसके एयर डिफेंस सिस्टम को नकारा बनाते हुए सेनाओं ने मंगलवार की रात सिर्फ 25 मिनट में आपरेशन सिंदूर को अंजाम देकर हर भारतीय को गर्व का अहसास कराया। भारत ने 1971 के बाद पहली बार पाकिस्तान के पंजाब में 100 किलोमीटर अंदर घुस कर हमला किया है। इस हमले में नौ आतंकी ठिकाने नेस्तानाबूद हो गए और 70 से आतंकी और उनके सरगना मारे गए हैं। पाकिस्तान के पंजाब में आतंकी ठिकानों पर हमला पड़ोसी देश के लिए बहुत बड़ा संदेश है क्योंकि पाकिस्तान की राजनीति और सेना में पंजाब के लोगों का प्रभुत्व है। पंजाब आतंक के लिए सबसे उपजाऊ जमीन है। भारत का संदेश साफ है कि सुधर जाओ, वरना अगली बार रावलपिंडी में पाकिस्तान सेना का मुख्यालय और दूसरे सैन्य ठिकाने भी हमले की जद में होंगे।

इसलिए खास है आपरेशन सिंदूर

- भारत ने पहली बार जैश ए मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा के मुख्यालय पर हमला किया है। दोनों आतंकी संगठन भारत में कई आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार रहे हैं। ने
- खुफिया एजेंसियों ने पाकिस्तान में 21 आतंकी ठिकानों की सूची दी थी। इसमें से नौ ठिकानों को चुना गया।
- आपरेशन सिंदूर में भारत में पहले हो चुके आतंकी हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकी संगठनों को भी निशाना बनाया गया है। पहले के हमलों में ऐसा नहीं किया गया था।
- पहली बार एक साथ नौ आतंकी ठिकानों को निशाना गया है। आतंकवाद के खिलाफ यह भारत के सबसे घातक हमला था। आतंकी ठिकानों पर लगातार 25 मिनट तक हमले किए गए।
- हमले में भारतीय सेनाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ।

36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदे थे 2015 में भारत ने फ्रांस से

₹59,000 करोड़ थी रक्षा सौदे की कुल कीमत

26 राफेल एम खरीदने के लिए रक्षा सौदों को अंतिम रूप दिया है हाल में भारत और फ्रांस ने

क्यों चुना गया राफेल : भारतीय वायुसेना के बेड़े में राफेल सबसे अत्याधुनिक विमान है। विमान की खास खूबियों की वजह से पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए इसे चुना गया।

राफेल- स्कैल्प की खतरनाक जोड़ी

वायुसेना ने सभी राफेल लड़ाकू विमानों को स्कैल्प मिसाइलों से लैस किया है। ध्वनि की गति से भी तेज राफेल की रफ्तार और स्कैल्प मिसाइल की मारक क्षमता की वजह से इन दोनों की जोड़ी बेहद खतरनाक बन जाती है। इस जोड़ी ने आपरेशन सिंदूर को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

कई भूमिकाएं निभाने में सक्षम

राफेल लड़ाकू विमान कई तरह की भूमिकाएं निभाने में सक्षम है। जैसे हवा से हवा में युद्ध, हवाई समर्थन, बमबारी आदि। इसीलिए राफेल विमानों को वैश्विक स्तर पर सबसे सक्षम लड़ाकू विमानों में से एक माना जाता है।

परमाणु हमला करने में भी है सक्षम

राफेल चौथी पीढ़ी का फाइटर जेट है। इसकी ताकत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ये परमाणु हथियारों को ले जाने में सक्षम है। राफेल 9,500 किलोग्राम भार उठाने में सक्षम है। यह अधिकतम 24,500 किलोग्राम वजन के साथ उड़ान भर सकता है। इसकी रेंज 3,700 किमी है।

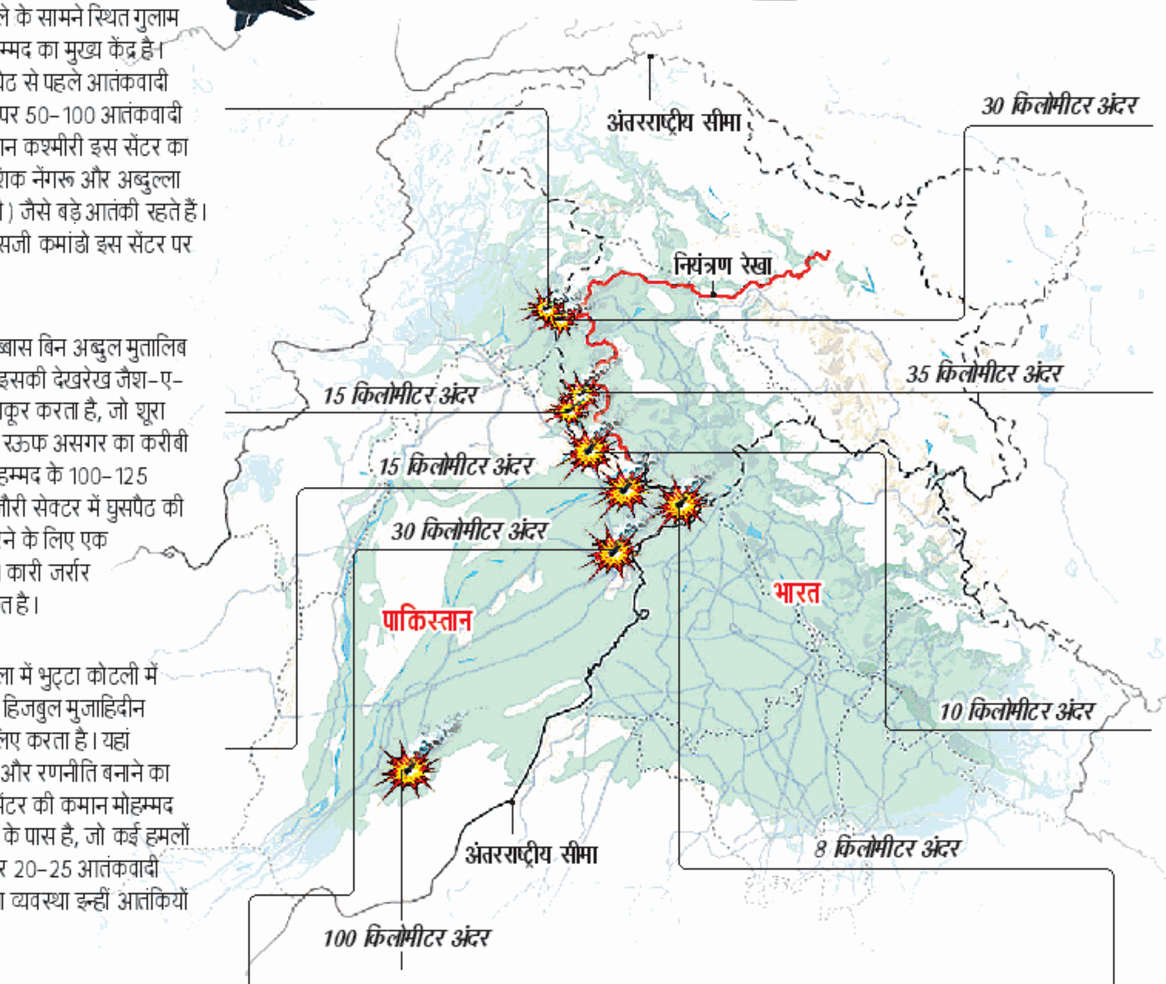

मरकज सैयदना बिलाल | मुजफ्फराबाद

मुजफ्फराबाद में लाल किले के सामने स्थित गुलाम कश्मीर में जैश- ए- मोहम्मद का मुख्य केंद्र है। यहां जम्मू कश्मीर में घुसपैठ से पहले आतंकवादी रुकते हैं। इसमें आमतौर पर 50-100 आतंकवादी रहते हैं। मुफ्ती असगर खान कश्मीरी इस सेंटर का नेतृत्व करता है। यहां आशिक नेंगरू और अब्दुल्ला जेहादी (अब्दुल्ला कश्मीरी) जैसे बड़े आतंकी रहते हैं। पाकिस्तानी सेना के एसएसजी कमांडो इस सेंटर पर प्रशिक्षण देते हैं।

मरकज अब्बास | कोटली

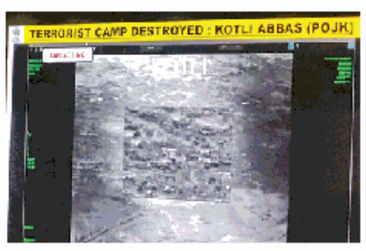

इसे मरकज सैदना हजरत अब्बास बिन अब्दुल मुतालिब के नाम से भी जाना जाता है। इसकी देखरेख जैश-ए-मोहम्मद का हाफिज अब्दुल शकूर करता है, जो शूरा का सदस्य और मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर का करीबी सहयोगी है। यहां जैश-ए-मोहम्मद के 100-125 आतंकी रहते हैं। यह पुंछ-राजौरी सेक्टर में घुसपैठ की योजना बनाने और घुसपैठ करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। कारी जर्रार भारत की एनआइए द्वारा वांछित है।

महमूना जोया सेंटर | सियालकोट

सियालकोट जिले के हेडमारला में भुट्टा कोटली में स्थित इस सेंटर का इस्तेमाल हिजबुल मुजाहिदीन जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ के लिए करता है। यहां आतंकियों को हथियार चलाने और रणनीति बनाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इस सेंटर की कमान मोहम्मद इरफान खान (इरफान टांडा) के पास है, जो कई हमलों से शामिल रहा है। यहां अक्सर 20-25 आतंकवादी मौजूद रहते हैं। यहां की सुरक्षा व्यवस्था इन्हीं आतंकियों के हाथ में रहती है।

मरकज तैयबा | मुरीदके

2000 में नांगल सहदान, मुरीदके (शेखुपुरा, पंजाब) में स्थापित। मरकज तैयबा लश्कर-ए-तैयबा का मुख्य प्रशिक्षण केंद्र है। यहां आतंकियों को हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके साथ ही उनको कट्टर बनाने के लिए धार्मिक भाषण दिए जाते हैं। यहां सालाना करीब एक हजार छात्रों की भर्ती की जाती है। ओसामा बिन लादेन ने यहां एक मस्जिद और गेस्ट हाउस के निर्माण में आर्थिक मदद की थी। यहां 26/11 के मुंबई हमलावरों को प्रशिक्षित किया गया था। इसमें अजमल कसाब भी शामिल था।

मरकज सुभान अल्लाह | बहावलपुर

2015 से संचालित, यह जैश-ए-मोहम्मद का प्रशिक्षण और विचारधारा का मुख्य केंद्र है। यह जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय के रूप में कार्य करता है। 14 फरवरी, 2019 के पुलवामा हमले सहित कई आतंकी वारदातों में इसकी अहम भूमिका रही है। यहां जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख मौलाना मसूद अजहर, मुफ्ती अब्दुल रऊफ असगर और मौलाना अम्मार परिवार के साथ रहता है। मसूद अजहर ने यहां कई भारत विरोधी भाषण दिए हैं, जिसमें युवाओं से इस्लामिक जिहाद में शामिल होने का आह्वान किया गया।

शवाई नाला कैंप | मुजफ्फराबाद

इसे बैत-उल-मुजाहिदीन के नाम से भी जाना जाता है। मुजफ्फराबाद-नीलम रोड पर चेलाबंदी ब्रिज के पास स्थित यह लश्कर कैंप वर्ष 2000 की शुरुआत से सक्रिय है। यहां रंगरूटों को धार्मिक शिक्षा, शारीरिक प्रशिक्षण, जीपीएस का उपयोग और हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जाता है। 26/11 के हमलावरों ने यहीं प्रशिक्षण लिया था। यहां एक साथ 200-250 आतंकवादी रहते हैं। उत्तरी कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है।

गुलपुर कैंप | कोटली

जम्मू-कश्मीर के राजौरी-पुंछ में आतंकी हमलों के लिए इस कैंप का इस्तेमाल किया जाता है। यह लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा है। पिछले साल बस पर हमला कर तीर्थ यात्रियों की हत्या करने वाले आतंकी इसी कैंप से जुड़े थे। माना जाता है कि गुलपुर का इस्तेमाल 2023 और 2024 में जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ में आपरेशन के लिए लांचपैड के रूप में बार-बार किया गया है। इस जगह का इस्तेमाल आतंकी भारतीय सुरक्षा बलों के काफिले और नागरिक ठिकानों पर हमले करने के लिए करते थे।

बरनाला कैंप, भीमबर | बरनाला

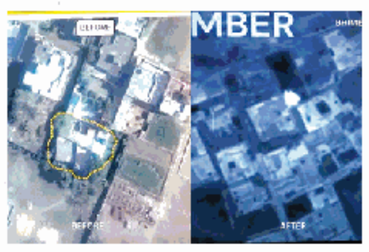

बरनाला के बाहरी इलाके में कोटे जामेल रोड पर स्थित इस लश्कर सेंटर का उपयोग पुंछ-राजौरी-रियासी क्षेत्र में आतंकियों और हथियारों की घुसपैठ के लिए किया जाता है। इसमें 100-150 आतंकी रहते हैं। यह आतंकी आपरेशन के लिए एक स्टेज के रूप में कार्य करता है। जब आतंकियों को लगता है कि हालात उनके अनुकूल हैं तब वह घुसपैठ करते हैं। कासिम गुज्जर (महरौर), कासिम खंडा और अनस जरार जैसे लश्कर के आतंकी यहीं से काम करते हैं।

सरजाल/तेहरा कलां | नरोवाल

नरोवाल जिले (पंजाब, पाकिस्तान) के शकरगढ़ तहसील में स्थित यह जैश-ए-मोहम्मद का लांचिंग पैड है, जो एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से संचालित होता है। जम्मू-कश्मीर में सांबा सेक्टर के पास अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगभग छह किमी दूर स्थित इस जगह का इस्तेमाल सुरंग निर्माण, ड्रोन संचालन, हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए किया जाता है। मोहम्मद अदनान अली और काशिफ जान जैसे जैश-ए-मोहम्मद के वरिष्ठ नेता अक्सर यहां आते हैं।

स्कैल्प, हैमर और ड्रोन ने तबाह कीं आतंक की फैक्ट्रियां

मिसाइल की खूबियां : इसे स्टार्म शैडो के नाम से भी जाना जाता है। यह लंबी दूरी की, हवा से लांच की जाने वाली क्रूज मिसाइल है।

गाइडेंस सिस्टम : जीपीएस, आइएनएस, आइआइआर

ये विमान करते हैं इस्तेमाल : मिराज 2,000, राफेल, एसयू 24, टारनाडो, टाइफून, ग्रिफेन

550 किलोमीटर आपरेशनल रेंज | **323** मीटर प्रति सेकेंड अधिकतम स्पीड

480 मिमी ऊंचाई | **5.1** मीटर लंबाई | **630** मिमी चौड़ाई | **1,300** किलोग्राम वजन | **3** मीटर विंगस्पैन | **450** किलोग्राम वारहेड का वजन

हवा से जमीन पर मार करती है स्कैल्प : स्कैल्प यानी एससीएलपी वास्तव में फ्रांसीसी मिसाइल सिस्टम डे क्रोइसर आटोनम लांग पोर्ट का संक्षिप्त नाम है। इसे फ्रांस और ब्रिटेन ने मिलकर बनाया है। यह एक लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल है, जिसे हवा से लांच किया जाता है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि पांच सौ किलोमीटर की अपनी अधिकतम सीमा में यह दुश्मन के किसी असेट को पूरी सटीकता से निशाना बना सकती है। अगर किसी महत्वपूर्ण टारगेट की लोकेशन पूरी तरह स्पष्ट हो तो इससे सौ प्रतिशत नतीजे की उम्मीद की जा सकती है। इन मिसाइलों का इस्तेमाल यूके और फ्रांस सीरिया (2018) और लीबिया (2011) में कर चुके हैं। गुलाम कश्मीर से आगे जाकर पाकिस्तान की जमीन पर टारगेट को हिट करने में इन मिसाइलों की प्रमुख भूमिका रही।

खुद लक्ष्य तय कर सकता है आत्मघाती ड्रोन

भारत ने जो तीसरा हथियार इस्तेमाल किया, वह लोइटरिंग म्युनिशन के रूप में एक ऐसा ड्रोन है जो किसी लक्ष्य के रूप में तब तक हवा में टंगा रहता है या चक्कर लगाता रहता है, जब तक हमला करने के लिए सही मौका न मिले। खास बात यह है कि यह एक तरह का आत्मघाती ड्रोन होता है जो हमला करने के साथ ही खुद भी नष्ट हो जाता है। इसे या तो बाहर से कंट्रोल किया जाता है या यह खुद ही लक्ष्य का चयन करने में सक्षम होता है। आपरेशन सिंदूर में इसे बाहर से नियंत्रित किया गया। भारत ने यह ड्रोन इजरायल से खरीदा था, लेकिन बाद में उसने इसका भारतीय वैरिएंट खुद ही बना लिया।

बालाकोट में कहर बनकर टूटा था स्पाइस

- भारतीय वायुसेना के मिराज 2000 जेट विमानों ने 2019 में जैश-ए-मोहम्मद के बालाकोट आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर को नष्ट करने के मिशन के दौरान स्पाइस-2000 बमों का इस्तेमाल किया था
- स्पाइस एक जीपीएस गाइडेंस किट है जिसका उपयोग हवा से गिराए जाने वाले अनगाइडेड बमों को सटीक-हमला करने वाले बमों में परिवर्तित करने के लिए किया जाता है।
- स्पाइस 2000 स्मार्ट, सटीकता के साथ हमला करने वाला कम लागत का हथियार बताया जाता है
- वर्तमान में इस बम का इस्तेमाल इजरायली वायुसेना के अलावा भारतीय वायुसेना और ग्रीक वायुसेना भी कर रही है।

इसलिए खास : यह मिसाइल बंकर और दुश्मन के रणनीतिक ठिकानों को नष्ट करने के लिए खास तौर पर उपयोगी है। इसे खास तौर पर इसीलिए बनाया गया है।

ये विमान करते हैं इस्तेमाल : राफेल, मिराज 2,000 डी, मिराज एफ1, एफ 16, तेजस, मिग 29, एसयू 25, एसयू 27

250 किलोग्राम वारहेड | **3.1** मीटर लंबाई | **70** किलोमीटर आपरेशनल रेंज | **340** किलोग्राम वजन | **2020** में भारत ने चीन से तनाव के बीच खरीदी थी हैमर

बंकर की काल है हैमर : हैमर यानी एचएएमएसआर बम भी सेल्फ गाइडेड बम हैं। फ्रांस के सफरान इलेक्ट्रानिक्स एंड डिफेंस द्वारा विकसित किए गए ये बम वास्तव में परंपरागत बम ही हैं, लेकिन फर्क यह है कि ये जीपीसी, आइएनएस जैसे नेवीगेशन और इन्फ्रारेड या सेमी एक्टिव लेजर गाइडेंस से लैस हैं। यानी ये उसी जगह को निशाना बनाएंगे जिनके लिए इन्हें दागा गया है। इनकी सटीकता का स्तर भी सौ प्रतिशत है। यानी अगर लक्ष्य पूरी तरह परिभाषित है, लोकेशन सुनिश्चित तो इनके चूकने का सवाल ही नहीं है। इनकी रेंज 15-70 किलोमीटर हैं। इन्हें भी राफेल विमान से लांच किया गया। अफगानिस्तान, मालदीव और पश्चिम एशिया के सैन्य आपरेशनों में फ्रांस ने अपने एयर आपरेशन में इस्तेमाल किया है। रक्षा सूत्रों के अनुसार हैमर बम का इस्तेमाल मध्यम दूरी के लक्ष्यों को तबाह करने के लिए किया गया। ये ऐसे टारगेट थे, जिनमें आसपास क्षति होने की आशंका काफी थी, लेकिन भारतीय वायुसेना ने यह सुनिश्चित किया कि सटीक हमले में केवल उन्हीं ठिकानों को ध्वस्त किया जाए जो निशाने पर हैं। आपरेशन सिंदूर के तहत गुलाम कश्मीर में हुई सैन्य कार्रवाई में ये बम इस्तेमाल किए गए हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसका माड्यूलर डिजाइन है, जिसमें जीपीएस, इन्फ्रारेड इमेजिंग और लेजर टारगेटिंग जैसे गाइडेंस सिस्टम शामिल हैं। हैमर और स्कैल्प ने मिलकर भारतीय वायुसेना को पाकिस्तानी क्षेत्र के अंदर गहरा, सटीक हमला करने में सक्षम बनाया।

एयर डिफेंस सिस्टम में मजबूत है भारत

अगर पाकिस्तान हमला करता है तो भारत के एयर डिफेंस सिस्टम आकाश और एस-400 बहुत काम आएंगे। पाकिस्तान के पास चीन में बना एचक्यू-9बीई एयर डिफेंस सिस्टम है लेकिन यह उतना प्रभावी नहीं है।

भारत		पाकिस्तान	
सिस्टम	रेंज	सिस्टम	रेंज
एस-400	400 किलोमीटर	एचक्यू- 9 बीई	100-200 किलोमीटर
आकाश	30-70 किलोमीटर	एलआइ-80	40-70 किलोमीटर
बराक-8	70-100 किलोमीटर	एफएम-90	15 किलोमीटर
स्पाइडर	15-35 किलोमीटर	क्रोटेल	कमांडगाइडेड
क्यूआरएसएम	25-30 किलोमीटर	एनएसएसएमएस	25-50

5,000 किलीमीटर दूर से आने वाली मिसालों को रोकने में सक्षम है भारत का एंटी बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम

भारत के पास बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। पाकिस्तान के पास यह सिस्टम नहीं है। बड़े हमले रोकने में यह सिस्टम काम आएगा।

1947 से हर बार भारत से मुंह की खा चुका है पाकिस्तान

भारत और पाकिस्तान के रिश्ते आजादी के बाद से तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के बीच चार बार युद्ध हो चुका है। पाकिस्तान की आतंकी नीति अक्सर तनाव बढ़ा देती है।

1947 में कबायलियों का हमला

जम्मू -कश्मीर के भारतीय संघ में विलय के बाद अक्टूबर में पाकिस्तान समर्थित कबायलियों ने यहां आक्रमण कर दिया था। जवाब में इस क्षेत्र की रक्षा के लिए भारत ने अपनी सेना भेजी। यह संघर्ष जनवरी, 1949 तक जारी रहा।

1965 का आपरेशन जिब्राल्टर

जिब्राल्टर आपरेशन के तहत जब हजारों पाकिस्तानी सैनिक स्थानीय विद्रोहियों के वेश में नियंत्रण रेखा के पार भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करने लगे तब पांच अगस्त, 1965 को सशस्त्र संघर्ष शुरू हुआ।

1971 का युद्ध

1971 का भारत-पाक युद्ध पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) पर पाकिस्तानी सेना के दमन और उसकी स्वतंत्रता की मांग के कारण शुरू हुआ था। 16 दिसंबर को पाकिस्तान ने आत्मसमर्पण किया।

2016 भारतीय सेना के बेस पर हमला

18 सितंबर, 2016 को जम्मू-कश्मीर के उड़ी में भारतीय सेना के बेस पर हुए आतंकवादी हमले के बाद, जिसमें 19 सैनिक मारे गए, भारत ने 28-29 सितंबर को नियंत्रण रेखा के पार सर्जिकल स्ट्राइक की।

1999 का कारगिल युद्ध

पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों के जम्मू-कश्मीर के कारगिल सेक्टर में चोटियों पर कब्जे के बाद 1999 का कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच शुरू हुआ था। मई से जुलाई तक लड़े गए इस युद्ध में भारतीय वायुसेना ने आपरेशन विजय शुरू कर क्षेत्र को पुन: प्राप्त कर लिया था।

2019 पुलवामा हमला

26 फरवरी, 2019 को भारतीय वायुसेना ने पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हवाई हमला किया था।

****

पीएम ने दी राष्ट्रपति को जानकारी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपरेशन सिंदूर को लेकर बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट की। प्रेट्र

हमने सिर्फ उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा : राजनाथ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- 'आपरेशन सिंदूर' पर बोले रक्षा मंत्री, अद्भुत शौर्य और पराक्रम से भारतीय सेना ने रचा इतिहास
- भारत ने अपनी सरजमीं पर हुए हमले का जवाब देने के लिए राइट टु रिस्पांड का किया इस्तेमाल

भारतीय सेना के जवानों के सम्मान में भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारतीय सेना ने हम सभी का मस्तक ऊंचा कर दिया। 'आपरेशन सिंदूर' के तहत आतंकी ठिकानों पर की गई कार्रवाई पर भारत के सोच को स्पष्ट करते हुए रक्षा मंत्री ने रामचरितमानस की चौपाई का सहारा लिया। कहा- हमने हनुमानजी के उस आदर्श का पालन किया, जो उन्होंने अशोक वाटिका उजाड़ते समय किया- 'जिन्ह मोहि मारा, ते मैं मारे।' हमने केवल उन्हीं को मारा, जिन्होंने हमारे मासूमों को मारा।

बुधवार को सीमा सड़क संगठन के स्थापना दिवस समारोह में राजनाथ सिंह ने कहा, कल रात भारतीय सेना ने अद्भुत शौर्य व पराक्रम का परिचय देते हुए एक नया इतिहास रच दिया। सेना ने सटीकता, सतर्कता व संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की है। हमने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें ठीक समय पर तय योजना के अनुसार ध्वस्त किया है। किसी भी

राजनाथ सिंह। एएनआइ

नागरिक ठिकाने को प्रभावित न होने देने की संवेदनशीलता भी दिखाई है।

रक्षा मंत्री ने जवानों व अधिकारियों के साथ ही सेना को संपूर्ण संबल प्रदान करने के लिए पीएम मोदी को भी साधुवाद दिया। कहा, भारत ने हमले का जवाब देने के लिए राइट टु रिस्पांड का प्रयोग किया है। कार्रवाई सोच-समझकर सधे हुए तरीके से की गई है। आतंकियों के हौसले पस्त करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई महज उनके कैंप और इन्फ्रास्ट्रक्चर तक ही सीमित रखी गई है।

आपरेशन सिंदूर की सफलता पर आज सर्वदलीय बैठक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- सभी दलों को पाकिस्तान के खिलाफ भारत के सैन्य अभियान की दी जाएगी जानकारी
- रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे बैठक की अध्यक्षता, सीमा सुरक्षा से जुड़े मामलों पर भी होगा विमर्श

आपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद केंद्र सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इस बैठक में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के सैन्य अभियान की जानकारी सभी दलों को दी जाएगी। सीमा सुरक्षा से जुड़े मामलों पर भी विमर्श होगा। सरकार का उद्देश्य ऐसे संवेदनशील मामलों पर सबको साथ लेकर चलने का है। पाकिस्तान स्थित आतंकी सेंटरों को ध्वस्त करने के बाद सभी दलों ने सेना के इस अभियान का समर्थन किया है।

बैठक में भाग लेने के लिए सभी राजनीतिक दलों के प्रमुखों को बुलाया गया है। बैठक की अध्यक्षता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह करेंगे, जबकि गृहमंत्री अमित शाह एवं संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू समेत अन्य मंत्री भी मौजूद रहेंगे। विपक्ष की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भी मौजूद रहने की सूचना है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि पक्ष-विपक्ष के सभी दल के प्रमुख नेता बैठक में हिस्सा लेंगे।

संसद परिसर स्थित समिति कक्ष में पूर्वाह्न 11 बजे से प्रस्तावित इस सर्वदलीय बैठक के बारे में किरेन रिजीजू ने अपने एक्स प्लेटफार्म पर जानकारी साझा की है। उन्होंने पोस्ट किया, केंद्र सरकार ने आठ मई को नई दिल्ली में सभी दलों की बैठक बुलाई है ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा की जा सके। इससे पहले 22 अप्रैल को जब पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमला हुआ था तो केंद्र सरकार ने अगले ही दिन सर्वदलीय बैठक बुलाकर सभी प्रमुख नेताओं को देश की सुरक्षा एवं अगले कदम की जानकारी दी थी।

और भी हमले की तैयारी में थे आतंकी : भारत

आपरेशन सिंदूर के बाद विदेश सचिव बोले, नपी-तुली, गैर-उकसावे वाली और जिम्मेदारीपूर्ण रही कार्रवाई

पहलगाम हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तरफ से जारी बयान को भी भारत ने बनाया आधार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाली व पर्यटन पर प्रतिकूल असर डालना था पहलगाम हमले का मकसद

पाकिस्तान पोषित आतंकी पहलगाम के बाद भारत के कुछ दूसरे शहरों में भी हमलों की तैयारी में थे। इस बारे में ठोस खुफिया सूचना भारत के पास थी और यह एक बड़ी वजह रही कि भारतीय सेना ने मंगलवार आधी रात के बाद आपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। यह जानकारी विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने आपरेशन सिंदूर के बाद बुधवार सुबह बुलाई प्रेस वार्ता में दी। भारत ने इस आपरेशन के लिए 25 अप्रैल, 2025 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की तरफ से जारी बयान को आधार बनाया। विदेश सचिव ने अपने बयान के जरिये एक बार फिर पाकिस्तान के आतंकी चेहरे को विस्तार से दुनिया के सामने रखा है।

पहलगाम हमले की बर्बरता और उसके पीछे पाकिस्तानी साजिश की पोल खोलते हुए मिसरी ने कहा, 'पहलगाम में मौजूद लोगों को करीब से और उनके परिवारों के सामने सिर पर गोली मारी गई। हत्या के इस तरीके से परिवार के सदस्यों को जानबूझकर आघात पहुंचाया गया और उन्हें यह नसीहत भी दी गई कि वे वापस जाकर उनका संदेश पहुंचा दें।'

मिसरी ने कहा कि इसका उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाली को बाधित करना और वहां बढ़ रहे पर्यटन पर प्रतिकूल असर डालना था। इसका उद्देश्य राज्य के विकास और प्रगति को नुकसान पहुंचाकर इसे पिछड़ा बनाए रखने और पाकिस्तान से लगातार होने वाले सीमापार आतंकवाद के लिए उपजाऊ जमीन बनाने में सहायता करना था। हमले का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर और शेष राष्ट्र दोनों में सांप्रदायिक दंगे भड़काने से भी प्रेरित था।

मिसरी ने कहा, 'भारत ने आपरेशन सिंदूर के जरिये सीमापार हमलों का जवाब देने, उनका प्रतिरोध करने व रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। यह नपी-तुली, आनुपातिक और जिम्मेदारीपूर्ण कार्रवाई है। यह आतंक के इन्फ्रास्ट्रक्चर को समाप्त करने और भारत में भेजे जाने वाले संभावित आतंकियों को अक्षम बनाने के लिए की गई। हमारी खुफिया निगरानी ने यह संकेत दिया था कि भारत के विरुद्ध आगे भी हमले हो सकते हैं, अतः इनसे और उनसे निपटना बेहद आवश्यक समझा गया।' इस स्थिति में मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी देर रात आतंकियों के ठिकानों पर हमले किए गए।

नई दिल्ली में बुधवार को आपरेशन सिंदूर के बारे में मीडिया को जानकारी देते विदेश सचिव विक्रम मिसरी। एएनआइ

कार्रवाई के बजाय उलटे आरोप लगा रहा था पाक

पहलगाम हमले के बाद देश के भीतर गुस्से, पाकिस्तान की तरफ से इस घटना में किसी तरह का हाथ होने से साफ तौर पर इन्कार करने और उलटा भारत पर ही आरोप लगाने का भी जिक्र विदेश सचिव ने अपने बयान किया। उन्होंने कहा, 'एक पखवाड़ा बीत जाने के बावजूद पाकिस्तान ने अपने भौगोलिक क्षेत्र में छिपे आतंकियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की। उलटा वह दूसरों पर आरोप लगाने और उक्त घटना से इन्कार करता रहा। आपको यह भी स्मरण होगा कि 25 अप्रैल, 2025 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहलगाम आतंकी हमले पर एक प्रेस वक्तव्य जारी किया था, जिसमें आतंकवाद के इस निंदनीय कार्य के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के दायरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया था।'

अंतरराष्ट्रीय मंचों को गुमराह करता है

मिसरी ने कहा कि पाकिस्तान दुनियाभर में आतंकियों के लिए एक शरणस्थल के रूप में पहचान बना चुका है। यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकी सजा पाने से बचे रहते हैं। पाकिस्तान इस मुद्दे पर विश्व और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों को जानबूझकर गुमराह करने के लिए भी जाना जाता है। आतंकी साजिद मीर का मामला, जिसमें पाकिस्तान ने उसे मृत घोषित कर दिया था और लेकिन जब अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा तो कहा गया कि वह जीवित है, इसका सबसे स्पष्ट उदाहरण है। वह मुखौटा संगठनों की आड़ में आतंकियों का बचाव करता है।

पाकिस्तान ने टीआरएफ को आतंकी सूची से हटाने का बनाया था दबाव

पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकी संगठन 'द रेसिसटेंस फोर्स' (टीआरएफ) को संयुक्त राष्ट्र की तरफ से आंतकी घोषित संगठन लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटे के तौर पर चिह्नित करते हुए विदेश सचिव ने कहा, 'भारत ने मई और नवंबर, 2024 में आतंकी गतिविधियों की निगरानी करने वाली संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष समिति को टीआरएफ के बारे में जानकारी दी थी। इसमें बताया था कि यह पाकिस्तान पोषित आतंकी संगठनों के मुखौटे के तौर पर काम कर रहा है। इससे पहले भारत ने दिसंबर, 2023 में भी संयुक्त राष्ट्र को बताया था कि कैसे लश्कर और जैश जैसे आतंकी संगठन टीआरएफ जैसे छोटे आतंकी संगठनों के जरिये अपना काम कर रहे हैं। यह इस बात से भी साबित होता है कि पाकिस्तान ने अप्रैल, 2025 में संयुक्त राष्ट्र की सूची से टीआरएफ को हटाने के लिए दबाव बनाया था। पाकिस्तान पहले से आतंकी संगठनों को पनाह देने वाले देश के तौर पर चिह्नित है। दूसरी तरफ पाकिस्तान विश्व बिरादरी और वैश्विक संगठनों को इस बारे में गुमराह करता है।' बता दें कि आतंकी संगठनों का बचाव करने पर वैश्विक मंच पर उसे कई बार फजीहत झेलनी पड़ी है।

सामरिक शक्ति, इच्छाशक्ति, रणनीति और प्रतिशोध

त्वरित टिप्पणी
आशुतोष झा

- आतंकियों ने पर्यटकों को मारने के बाद उनकी पत्नियों से कहा था- जाओ मोदी से कह देना
- भारतीय परंपरा में सिंदूर सुहाग के साथ-साथ शक्ति का भी पर्याय; विपक्ष के लिए भी संदेश

नई दिल्ली : हर सैन्य आपरेशन का एक नाम तो होता ही है, लेकिन आपरेशन सिंदूर का संदेश कुछ खास है। एक पखवाड़ा पहले पहलगाम में पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने जिस वीभत्सता के साथ धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या की थी और उनकी पत्नियों का सिंदूर उजाड़ा था, उसी सिंदूर ने आतंकियों के आकाओं को लाल कर दिया। वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से दिए गए इस नाम ने शुरुआत में ही आपरेशन से जुड़े तीनों सेना के वीर जवानों को यह स्पष्ट संदेश दे दिया था कि आक्रमण इतना सटीक और भीषण होना चाहिए कि फिर कोई भारत में किसी के सिंदूर पर हमला करने से पहले सौ बार सोचे। भारत में तो ऐतिहासिक रूप से भी सदियों तक धर्म के नाम पर सिंदूर पर हमला होता रहा था। भारतीय सेना ने आपरेशन सिंदूर का जो इमेज जारी किया उसे चित्रित भी इसी तरह किया गया है, जिससे यह परिलक्षित हो कि सिंदूर को अपमानित करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना में कई ऐसी युवतियां विधवा हो गईं जो नवविवाहिता थीं। वैसे बुधवार की सुबह कार्रवाई की ब्रीफिंग में भी दो महिला अफसरों को उतारकर यह संदेश भी दे दिया कि यहां की बहनें खुद भी सक्षम हैं।

युद्ध की शुरुआत होती है तो दोनों ओर कुछ न कुछ नुकसान तो होना तय है, लेकिन मात्र 25 मिनट में पाकिस्तान के अंदर बैठे आतंकियों को जिस तरह उनके गढ़ में ही दफनाया गया, वह केवल प्रतिशोध और सामरिक शक्ति नहीं बल्कि कुशल रणनीति और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही संभव था। उम्मीद जताई जा रही है भारत के संकल्प को देखते हुए पाकिस्तान भी इस युद्ध को ज्यादा खींचना नहीं चाहेगा। भारत ने पाकिस्तान के पास इसके लिए बहुत विकल्प छोड़ा भी नहीं है क्योंकि भारत की ओर से स्पष्ट किया गया है कि कोई भी हमला पाकिस्तान की सेना पर नहीं किया गया है। फिर भी पाकिस्तान जिद दिखाता है तो भारत ने हर तैयारी कर रखी है।

पिछले एक पखवाड़े से देश के अंदर एक तरफ जहां प्रतिशोध की ज्वाला भड़क रही थी, वहीं धीरे-धीरे यह चर्चा भी होने लगी थी कि पाकिस्तान को भी तैयारी का पूरा मौका मिल जाने के बाद क्या अब कोई कार्रवाई संभव होगी। यही कारण है कि शुरुआत में ही सरकार के हर फैसले के साथ होने का दावा करने वाले विपक्षी दलों की ओर से इसे हवा दिया जाने लगा था। बार-बार पूछा जाने लगा था कि कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है, राफेल रूपी खिलौने मे नींबू और मिर्च बांधकर उपहास किया जाने लगा था। अगर सचमुच सरकार के फैसले के साथ थे तो फिर सवाल क्यों? कार्रवाई का इंतजार क्यों नहीं? इससे इन्कार नहीं किया जा सकता है कि और देर होती तो सरकार पर आतंक के सामने घुटने टेकने का आरोप लगाया जाता। वस्तुतः घरेलू स्तर पर राजनीति शुरू हो गई थी और इसका फायदा पाकिस्तान उठाने लगा था। ऐसे में यह रणनीति ही थी कि भारत ने ऐसे वक्त पर हमलाकर चौंका दिया जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेश यह था कि अभी तैयारी चल ही रही है। वस्तुतः एक दिन बाद माक ड्रिल और वायुसेना के युद्धाभ्यास की जानकारी दी गई थी। यह रणनीति का एक अहम बिंदु था। उड़ी के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद एअर स्ट्राइक और इस बार मिसाइल स्ट्राइक...वह भी न सिर्फ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में (यह पाकिस्तान का अभिन्न हिस्सा नहीं है। पाकिस्तान के लिए यह आजाद कश्मीर है) बल्कि पाकिस्तान के अंदर भी। पाकिस्तान इससे भी सकते में है, क्योंकि उसने ऐसा सोचा नहीं था।

भारतीय जवानों में यह बल है कि उसे जो काम दिया जाए वह पूरा होता है। लेकिन, इतिहास बताया है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की बहुत अरसे तक कमी रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस पैमाने को पार किया है। इस बार भी वही हुआ। सरकार ने जवानों को तब आगे बढ़ने को कहा जब विश्व नजरें गड़ाए बैठा था। तैयारी के क्रम में जब वैश्विक शक्तियों को विश्वास में लिया जा रहा था और हर तरफ से यह मिल भी रहा था तो भारत ने यह भी निश्चय किया कि पड़ोसी चीन से बात करने की जरूरत नहीं। तब भी नहीं जब चीन ने पाकिस्तान के समर्थन में खड़े होने का एलान कर दिया। तब भी नहीं जब ओआइसी ने परोक्ष रूप से पाकिस्तान का पक्ष ले लिया। यह इच्छाशक्ति ही थी कि भारत ने तय किया कि हम प्रतिशोध लेंगे और इस संदेश के साथ कि हिंदू धर्म पूछकर गोली मारने वाले आतंकी समझ लें कि यह बर्दाश्त नहीं होगा। जिहाद भारत में नहीं चल सकता है। भारतीय सभ्यता और परंपरा में सिंदूर ताकत है। धर्म के नाम पर इस सिंदूर पर सदियों से हमला होता रहा है। इसे अपमानित किया जाता रहा है। लेकिन अब और नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी ने रद की यूरोप की यात्रा

नई दिल्ली, आइएएनएस : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीन देशों की अपनी निर्धारित यूरोप यात्रा रद कर दी है। वह 13 से 17 मई तक क्रोएशिया, नार्वे और नीदरलैंड्स की यात्रा पर जाने वाले थे। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पीएम मोदी ने यह फैसला पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में बढ़ते तनाव के बीच लिया है। प्रधानमंत्री 15-16 मई को ओस्लो में तीसरे भारत-नार्डिक शिखर सम्मेलन में भी भाग लेने वाले थे। अब इस दौरे को रद कर दिया गया है और संबंधित सरकारों को इसकी सूचना दे दी गई है। यह जानकारी पाकिस्तान में आतंकी शिविरों को ध्वस्त किए जाने के कुछ घंटों बाद दी गई है। पिछले महीने पहलगाम आतंकी हमले के बाद मोदी अपनी सऊदी अरब यात्रा बीच में ही छोड़ कर स्वदेश लौट आए थे। पीएम मोदी ने रूस यात्रा भी रद कर दी है। पीएम मोदी को नौ मई को रूस के विजय दिवस समारोह में भाग लेना था।

भारत की ओर आंख उठाने वालों को मुंहतोड़ जवाब : शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- गृह मंत्री ने पाकिस्तान और नेपाल सीमा से सटे राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ की बैठक
- इंटरनेट मीडिया पर दुष्प्रचार करने वालों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करने को कहा
- संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा को और भी दुरस्त करने की जरूरत बताई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'आपरेशन सिंदूर' को भारत की सीमा, सेना और नागरिकों की ओर आंख उठाने वालों को भारत का करारा जवाब बताया है। पाकिस्तान और नेपाल सीमा से सटे राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शाह ने इंटरनेट मीडिया पर अवांछनीय तत्वों द्वारा देश विरोधी दुष्प्रचार पर कड़ी नजर रखने और उनके खिलाफ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, गुजरात और बंगाल के मुख्यमंत्रियों व जम्मू-कश्मीर व लद्दाख के उपराज्यपालों के साथ गृह मंत्रालय, खुफिया ब्यूरो, बीएसएफ और सीआइएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में उपस्थित सभी मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों ने 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और तीनों सेनाओं का अभिनंदन किया। बैठक में शाह ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले का 'आपरेशन सिंदूर' के माध्यम से दिया गया जवाब पूरी दुनिया के लिए मजबूत संदेश है। इसके साथ ही यह पूरी दुनिया के लिए मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति का परिचायक भी है। ऐसे समय में उन्होंने पूरे देश में प्रदर्शित एकजुटता को हौसला बढ़ाने वाला बताया।

अमित शाह ने मुख्यमंत्रियों को अस्पताल, अग्निशमन जैसी अत्यावश्यक सेवाओं का सुचारु संचालन और आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि इस समय किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, होमगार्ड्स, एनसीसी को अलर्ट रखने की जरूरत है। शाह ने कहा कि संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा को और भी दुरस्त करने के साथ ही संचार प्रणाली को निर्बाध बनाना जरूरी है।

नई दिल्ली में बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान और नेपाल सीमा से सटे राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक की। प्रेट्र

अर्धसैनिक बलों के छुट्टी गए जवानों को वापस बुलाने के निर्देश

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को सभी अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे छुट्टी पर गए अपने कर्मियों को वापस बुलाएं। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में किए गए आतंकी हमलों के मद्देनजर ये कदम उठाया गया है। शाह जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ भी नियमित संपर्क में हैं। दोनों से यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाए।

कूटनीति

भारत ने विदेशी सरकारों को बताया, संयमित था हमला, तनाव बढ़ाने की मंशा नहीं, विदेश मंत्रालय ने सुरक्षा परिषद के सभी सदस्यों के राजदूतों को बुलाकर दी जानकारी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल ने पांचों स्थायी सदस्यों के एनएसए से की बात

अब पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देख कर भारत उठाएगा अगला कदम

जयप्रकाश रंजन ● जागरण

नई दिल्ली : आपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देने के कुछ ही घंटों बाद भारत की कूटनीति तेज हो गई। पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पांचों स्थायी सदस्यों (अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन और फ्रांस) के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों से टेलीफोन पर बात कर भारत का पक्ष रखा। शाम को चार बजे विदेश मंत्रालय के साउथ ब्लाक स्थित कार्यालय में सुरक्षा परिषद के पांचों स्थायी सदस्यों और नौ अस्थायी सदस्यों के राजदूतों को बुलाकर आपरेशन सिंदूर के पीछे की वजहों की विस्तार से जानकारी दी गई। विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए डोभाल ने कई देशों में स्थित अपने समकक्षों से बात की। भारत का रुख साफ है कि हमने सीमा पार आतंकवाद पर जीरो-टालरेंस की नीति के तहत आत्मरक्षा में यह जवाबी कार्रवाई की है पर अब हमारी मंशा तनाव को आगे बढ़ाने की नहीं है। हालांकि, अगर पाकिस्तान कुछ करता है, तो भारत जवाब देने को भी पूरी तरह से तैयार है। यह बात भारत ने चीन को खास तौर पर बताई है।

बुधवार को जैसे-जैसे दुनियाभर में भारत की तरफ से पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान के भीतर हमला करने की सूचना पहुंची, अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आने लगीं। सबसे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें भारत की कार्रवाई की सूचना मिली है। उम्मीद है कि जल्द ही दोनों देशों के बीच शांति स्थापित होगी। कुछ ही देर बाद एनएसए डोभाल ने अमेरिका के विदेश मंत्री व कार्यवाहक एनएसए मार्को रूबियो से बात की। रूबियो ने भी कहा, मेरी नजर पूरे हालात पर है। मैं भारत व पाक से आग्रह करता हूं कि वे संवाद जारी रखें और तनाव को खत्म करें। आस्ट्रेलिया, फ्रांस, यूएई, सऊदी अरब, ब्रिटेन, रूस जैसे तमाम देशों ने सैन्य तनाव पर चिंता जताई। उन्होंने दोनों देशों से कहा, वे अब कोई ऐसा कदम नहीं उठाएं, जिससे हालात और खराब हो।

नई दिल्ली में बुधवार को विदेश मंत्रालय की ब्रीफिंग के बाद बाहर निकलते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य। एएनआइ

डोभाल ने चीन के विदेश मंत्री व एनएसए वांग यी से कहा, भारत की इच्छा मामले को बिगाड़ने की नहीं है। अगर पाकिस्तान मामला बिगाड़ता है, तो भारत जवाब देने को भी तैयार है। चीन एकमात्र ऐसा देश है, जिसके राष्ट्रपति के साथ भारत का कोई संवाद नहीं हुआ है। 22 अप्रैल की घटना के बाद पीएम मोदी ने सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से चार के राष्ट्र प्रमुखों से और विदेश मंत्री ने 10 अस्थायी सदस्यों में से नौ के विदेश मंत्रियों से बात की है। आपरेशन सिंदूर पर चीन की भी प्रतिक्रिया आई है, जिसमें वह पाकिस्तान की तरफ ही झुका हुआ दिख रहा है। चीन ने भारत की सैन्य कार्रवाई पर दुख प्रकट किया है और दोनों देशों को संयम दिखाते हुए हालात को और खराब नहीं करने की सलाह दी है। चीन ने अपने नागरिकों को भारत व पाकिस्तान की यात्रा करने से मना किया है। उधर, पाकिस्तान को तुर्किये ने भी पूरा समर्थन दिया है। तुर्किये ने भारत के हमले की निंदा की है और भारत के हमले को उकसावे की घटना बताया है।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

मिट्टी में मिल गया लश्कर के सरगना का जिहादी किला

नवीन नवाज ● जागरण

- परिवार संग बच तो गया हाफिज, पर समझ गया कि अब वह कहीं सुरक्षित नहीं
- कश्मीर में जिहाद के एलान के लिए 28 मई को लाहौर में करने वाला था रैली
- मुरीदके में आपरेशन सिंदूर की कार्रवाई आतंकियों के लिए कयामत भरी रात रही

श्रीनगर : लश्कर-ए-तैयबा के सरगना और जमात-उल-दावा के संस्थापक हाफिज सईद के लिए मंगलवार की रात कयामत भरी रही। लाहौर से करीब 33 किलोमीटर दूर स्थित उसका अपना किला मरकज उल दावा मुरीदके अब मिट्टी में मिल गया है। हाफिज सईद अपने परिवार संग बच तो गया है, लेकिन उसके कई प्रमुख कमांडर मारे गए हैं। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों की नजर से बचने के लिए पाकिस्तानी सेना के सेफ हाउस में छिपे हाफिज को पता चल गया है कि वह अब कहीं भी सुरक्षित नहीं है। बता दें कि हाफिज 28 मई को कश्मीर में जिहाद के एक बड़े षड्यंत्र का एलान करने के लिए लाहौर में रैली करने की योजना बना रहा था।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत स्थित मुरिदके में भारतीय सेना के मिसाइल हमले में ध्वस्त मदरसा। एपी

वर्ष 1990 में अफगानिस्तान के कुन्नार में लश्कर का गठन करने वाले हाफिज के संगठन के आतंकियों ने पहली बार 1993 में पुंछ में घुसपैठ की थी। लश्कर के आतंकी महाज-ए-इंकलाबी इस्लाम नामक संगठन के आतंकियों के साथ आए थे, लेकिन इस समूह ने जम्मू-कश्मीर में अपनी गतिविधियों में तेजी 1999 के दौरान लाई। इसके आतंकियों ने पहला आत्मघाती हमला बांडीपोरा में सुरक्षाबलों के शिविर पर किया था। अजमल कसाब समेत मुंबई हमले में लिप्त उसके अन्य साथी रिचर्ड हेडली और तहुव्वर राणा भी लश्कर के मुरीदके मुख्यालय से ही निकले हैं।

तहुव्वर को गत माह अमेरिका से लाया गया है जबकि रिचर्ड हेडली अभी अमेरिका की जेल में बंद हैं। नाडीमर्ग नरसंहार और छत्तीसिंहपोरा नरसंहार भी लश्कर की कारस्तानी है। लाल किले पर हमला भी उसी के आतंकियों ने किया था। लश्कर के आतंकी गुजरात में अक्षरधाम मंदिर और अयोध्या में भी हमला के दौरान सुरक्षाबलों के हाथों मारे जा चुके हैं।

सऊदी अरब से मिली रकम से खड़ा हुआ लश्कर का मुख्यालय

अधिकारियों के मुताबिक, मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालय को तैयार करने में सऊदी अरब से मिले धन का भरपूर इस्तेमाल हुआ है। इस परिसर में एक मदरसा (सेमिनरी), एक अस्पताल, एक बाजार, आवासीय क्वार्टर, एक मछली फार्म और कृषि क्षेत्र हैं। इसमें महिलाओं के लिए इस्लामिक तालीम का भी प्रबंध है। हाफिज सईद की बीबी और बेटी इसका जिम्मा संभालती हैं। लश्कर-ए-तैएबा कथित तौर पर पाकिस्तान में 20 इस्लामी संस्थानों, 150 माध्यमिक विद्यालयों, एक एम्बुलेंस सेवा, मोबाइल क्लीनिक, रक्त बैंकों और कई मदरसों का संचालन करता है। उसकी मासिक पत्रिका अल-दावा की एक लाख प्रतियां बिकती हैं। इसका उर्दू साप्ताहिक गजवा भी है। यह वायस आफ इस्लाम नामक एक अंग्रेजी मासिक और अरबी में अल- रबात के साथ जिहाद टाइम्स उर्दू साप्ताहिक भी प्रकाशित करता है।

लश्कर-ए-तैयबा में अफगानिस्तान के भी आतंकी

कश्मीर स्थित एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि 1999 के बाद से कश्मीर में सबसे ज्यादा आतंकी वारदातों को लश्कर ने ही अंजाम दिया है। इसके कैडर में पाकिस्तानी, अफगानिस्तानी, गुलाम जम्मू-कश्मीर और कश्मीर के भी बड़ी संख्या में आतंकी है।

10 मिलियन डालर का इनामी है हाफिज

हाफिज सईद पर अमेरिका ने 10 मिलियन डालर का इनाम घोषित कर रखा है। रावलपिंडी में लश्कर की गतिविधियों का जिम्मा मौलाना अबू हमजा संभालता है। वह लश्कर की प्रमुख पत्रिका गजवा का संपादक है। वह आतंकी समूह तहरीक ए हुरमत ए रसूल द्वारा

संचालित एक छद्म समूह का भी प्रमुख है। लश्कर के संस्थापक सदस्यों में से एक हमजा वर्तमान में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी प्रशिक्षण शिविरों का नेतृत्व कर रहा है। लश्कर कमांडर जकी उर रहमान लखवी भी मौजूदा समय में रावलपिंडी में है। हाफिज सईद का बेटा तल्हा कथित तौर पर गुलाम जम्मू-कश्मीर की राजधानी मुजफ्फराबाद में अपने बेस कैंप में लश्कर की गतिविधियों को देखता है। बताया जाता है कि सईद का दामाद खालिद वलीद लाहौर में लश्कर के कार्यालय का जिम्मा संभालता है। वह गुलाम जम्मू-कश्मीर में दो आतंकी शिविरों का भी संचालक हैं। अधिकारियों ने बताया कि याहिया मुजाहिद लश्कर का प्रवक्ता है, जबकि मौलाना अब्दुल वाहिद और अब्दुल्ला मुंतजर अंतरराष्ट्रीय मीडिया के प्रवक्ता और संगठन की वेबसाइट के संपादक है।

आपरेशन सिंदूर में पहली बार कामाकाजी ड्रोन का भी इस्तेमाल

विवेक सिंह, जागरण ● श्रीनगर : आपरेशन सिंदूर के साथ पाकिस्तान की शह पर जारी आतंक के नाश के लिए नए युग का आगाज हो गया है। भारतीय सेना ने गुलाम जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर सटीक प्रहार करने के लिए कामाकाजी ड्रोन (लाइटरिंग म्यूनीशन) का भी इस्तेमाल किया। रक्षा विशेषज्ञों की मानें तो इसका प्रहार इतना सटीक था कि सीमा पार बने नौ आतंकी ठिकानों में से इसका एक भी वार नहीं चूका। इसके इस्तेमाल के साथ भारत अमेरिका व इजरायल जैसे देशों की श्रेणी में आ गया है।

आमतौर पर प्रदेश में सेना व वायुसेना ड्रोन का इस्तेमाल दुश्मन की निगरानी करने, छिपने के ठिकानों का पता लगाने के लिए करती है। यह पहली बार है जब आतंकियों के खिलाफ अभियान के दौरान विस्फोटक सामग्री से लैस कामाकाजी ड्रोन का इस्तेमाल हुआ। हमले से पहले यह ड्रोन तब तक मंडराता रहता है, जब तक लक्ष्य को तलाश न ले। इसे ड्रोन की तरह कंट्रोल करने की जरूरत नहीं है।

शहबाज का स्यापा, 80 भारतीय विमानों ने किया हमला

संसद में पांच विमानों को गिराने का दावा लेकिन सुबूत नहीं, कहा, हमारे पास भारतीय हमले की खुफिया जानकारी थी

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि भारत ने 80 लड़ाकू विमानों से हमला किया लेकिन हमले की आशंका से सतर्क पाकिस्तानी सेना ने तत्काल जवाब दिया। शरीफ ने पाकिस्तानी सेना के जवाब पर संतोष और प्रसन्नता जाहिर की है।

भारत और पाकिस्तान में भीषण तनाव के बीच बुधवार को संसद सत्र को संबोधित करते हुए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने दावा किया है कि भारत के हमले के दौरान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने पांच भारतीय बिमानों को मार गिराया। लेकिन अपने दावे के समर्थन में वह न कोई साक्ष्य प्रस्तुत कर पाए और न ही वे स्थान बता पाए जहां पर भारतीय विमानों का मलबा गिरा हो। शरीफ ने पाकिस्तानी वायुसेना और उसके प्रमुख की हमले का तत्काल जवाब देने के लिए तारीफ की। कहा, भारत की हमले की योजना की खुफिया जानकारी मिल जाने से वे पहले से तैयार थे और उन्होंने समय गंवाए बगैर जवाबी कार्रवाई की। इस कार्रवाई में भारत के दो राफेल विमानों समेत पांच लड़ाकू बिमान और दो ड्रोन मार गिराए गए। राफेल बिमानों के संबंध में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने यह भी दावा किया कि उसके सिस्टम को पाकिस्तानी विशेषज्ञों ने जाम कर दिया था। कहा, हमारे सुरक्षा बल मातृभूमि की सुरक्षा के हर घड़ी तैयार हैं। प्रधानमंत्र शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान पहलगाम हमले की पारदर्शी अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग की थी लेकिन भारत ने इसमें सहयोग करने के बजाय हमले का रास्ता चुना।

इससे पहले प्रधानमंत्री शरीफ ने पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की अध्यक्षता की। बैठक में कैबिनेट मंत्रियों व सेना प्रमुखों ने हिस्सा लिया और भारत के हमले के बाद के हालात की समीक्षा की। बैठक में सरकार ने सुरक्षा बलों को दुश्मन के हमलों का वाजिब जवाब देने के लिए अधिकृत किया। पाकिस्तानी सेना ने कहा है कि मंगलवार-बुधवार की रात हुए भारतीय हमले में 26 लोग मारे गए और 46 घायल हुए हैं। भारत के हमले के बाद बुधवार को पाकिस्तान ने असैन्य विमानों की आवाजाही के लिए अपने आकाश को 48 घंटों के लिए बंद करने की घोषणा की लेकिन आठ घंटे बाद ही आकाशीय सीमा खोल दी। इस बीच पाक ने दुष्प्रचार का आरोप लगाते हुए भारत के 16 यूट्यूब चैनलों, 31 न्यूज चैनलों और 32 वेबसाइटों के प्रसारण पर रोक लगा दी है।

इस्लामाबाद में बुधवार को बैठक के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ। एएफपी

भारतीय ब्रिगेड मुख्यालय को नष्ट करने को लेकर दुष्प्रचार कर रहा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एएनआइ : 'आपरेशन सिंदूर' से आतंकियों को प्रश्रय को लेकर पोल खुलने के बाद पाकिस्तान भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कर रहा है। इंटरनेट मीडिया पर झूठा दावा कर किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने आतंकी ठिकानों के खिलाफ भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा चलाए गए 'आपरेशन सिंदूर' के जवाब में एक भारतीय ब्रिगेड मुख्यालय को नष्ट कर दिया है। प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआइबी) फैक्ट चेक यूनिट ने स्पष्ट किया है कि यह जानकारी फर्जी है।

पीआइबी फैक्ट चेक ने कहा, इंटरनेट मीडिया पोस्ट में झूठा दावा किया गया है कि पाकिस्तान ने भारतीय ब्रिगेड मुख्यालय को नष्ट कर दिया है। यह दावा फर्जी है। कृपया असत्यापित जानकारी साझा करने से बचें और सटीक जानकारी के लिए केवल भारत सरकार के आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें।

चीनी राजदूत को दी हालात की जानकारी

पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने बुधवार को चीन के राजदूत को आमंत्रित कर उन्हें भारतीय हमले के बारे में जानकारी दी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के अनुसार चीनी राजदूत को बताया गया कि भारत ने पाकिस्तान की संप्रभुता के उल्लंघन का उकसावे वाला कदम उठाया है। इसमें कई निर्दोष लोगों की जान गई है। इस बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और भारतीय सीमा के नजदीक के पाकिस्तानी इलाकों को तत्काल छोड़ने की सलाह दी है।

मुरीदके में बुधवार को भारतीय हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी व अन्य। एएफपी

भारतीय हमले में मारे गए तीन आतंकियों के जनाजे में शामिल हुए पाक सैन्यकर्मी व अफसर

- जनाजे की नमाज मुरीदके में कड़ी सुरक्षा के बीच पढ़ी गई

लाहौर, प्रेट्र : लाहौर से करीब 40 किलोमीटर दूर मुरीदके में आतंकी समूह के मुख्यालय पर किए गए भारतीय सैन्य हमले में मारे गए तीन आतंकियों के जनाजे की नमाज में बुधवार को पाकिस्तानी सेना के कर्मी और आतंकी हाफिज सईद के प्रतिबंधित संगठन जमात-उद-दावा (जेयूडी) के लोग शामिल हुए। जनाजे की नमाज के बाद शवों को दफनाने के लिए ले जाया गया।

जमात-उद-दावा की राजनीतिक शाखा पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग के प्रवक्ता तबीश कय्यूम ने बताया कि इस हमले में कारी अब्दुल मलिक, खालिद और मुदस्सिर मारे गए। उनकी जनाजे की नमाज मुरीदके में कड़ी सुरक्षा के बीच पढ़ी गई। कय्यूम ने कहा कि जनाजे की नमाज में स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हुए। खुद कय्यूम भी जनाजे की नमाज में शामिल हुआ। इस दौरान उसने कहा कि पाकिस्तान पर हमला करने वाले को कड़ा जवाब दिया जाएगा।

पाकिस्तान की निकली हेकड़ी, कहा- हम तनाव खत्म करने को तैयार

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले के बाद इस्लामाबाद की हेकड़ी निकल गई है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को कहा कि अगर भारत नरम रुख अपनाता है, तो पाकिस्तान नई दिल्ली के साथ तनाव खत्म करने के लिए तैयार है।

आतंकी ठिकानों पर भारत द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का यह बयान आया है। ब्लूमबर्ग टेलीविजन ने आसिफ के हवाले से खबर में बताया कि पाकिस्तान केवल तभी जवाब देगा, जब उस पर हमला होगा। उन्होंने कहा, हम पिछले एक पखवाड़े से लगातार कह रहे हैं कि हम भारत के खिलाफ कभी भी कोई शत्रुतापूर्ण कार्रवाई शुरू नहीं करेंगे। लेकिन अगर हम पर हमला होता है, तो हम जवाब देंगे। अगर भारत नरम रुख अपनाता है, तो हम निश्चित रूप से इस तनाव को खत्म करेंगे। बातचीत की संभावना को लेकर मंत्री ने कहा कि उन्हें ऐसी किसी संभावित बातचीत के बारे में जानकारी नहीं है।

- हम केवल तभी जवाब देंगे, जब हम पर हमला होगा : ख्वाजा आसिफ

ख्वाजा आसिफ। फाइल

आइएएनएस के अनुसार, आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान को भारत द्वारा किसी भी आक्रमण का जवाब देने का अधिकार है। अगर भारत पीछे हटने के लिए तैयार है, तो हम इस तनाव को समाप्त कर देंगे। जब तक हम पर हमला हो रहा है, गोलीबारी हो रही है, हमें जवाब देना होगा। बताते चलें, भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं।

वायु सेना ने गुलाम जम्मू कश्मीर में दागी 10 से 15 मिसाइलें

मुजफ्फराबाद (पीओजेके), एएनआइ : आपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना और वायुसेना की कार्रवाई कितनी भीषण और तीव्र थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गुलाम जम्मू कश्मीर (पीओजेके) और पाकिस्तान के नौ ठिकानों पर महज 25 मिनट में 24 मिसाइलें दागी गईं। पीओजेके की कथित राजधानी मुजफ्फराबाद के लोगों का कहना है कि इस हमले में यहां का एक आतंकी शिविर भी ध्वस्त कर दिया गया और इस दौरान हमले में अकेले पीओजेके में कुल 10-15 मिसाइलें दागी गई हैं।

- पाकिस्तान में कसाब व हेडली के प्रशिक्षण केंद्र तबाह

मुजफ्फराबाद के एक निवासी अहमद अब्बासी ने बुधवार को बताया कि अचानक गोलाबारी शुरू हो गई और इस इलाके में 10 से 15 मिसाइलें दागी गईं। हमले में मदरसा संचालित करने वाला आतंकी शिविर मटियामेट हो गया। मुजफ्फराबाद स्थित नीलम रोड पर शावई नाला कैंप (बैत उल मुजाहिदीन) भी तबाह हो गया। यह आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा का सबसे अहम प्रशिक्षण केंद्रों में से एक है। अजमल कसाब समेत 26/11 के सभी आतंकी यहीं से प्रशिक्षण लेकर गए थे।

पाकिस्तान के वहावलपुर में बुधवार को भारतीय मिसाइल हमले में नष्ट एक मदरसे के बाहर खड़े स्थानीय नागरिक। एपी

पाकिस्तान के वहावलपुर में बुधवार को भारतीय मिसाइल हमले में नष्ट एक मदरसे के बाहर खड़े स्थानीय नागरिक। एपी

इस बीच, पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता और आइएसपीआर के डीजी ले.जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने इस बात की पुष्टि की है कि भारतीय मिसाइलों के वार ने 24 निशान छोड़े हैं। बुधवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने दावा किया कि बहावलपुर के पूर्वी अहमदपुर में सुभान इमारत के पास हमलों के चार निशान हैं। सुभानअल्लाह इमारत जैश ए मोहम्मद और उसके सरगना मसूद अजहर का गढ़ रहा है। इस परिसर को भी सेना ने तबाह कर दिया गया।

सेना का एक और हमला मुजफ्फराबाद में स्थित बिलाल शिविर के पास भी हुआ। कोटली, मुरीदके, सियालकोट स्थित कोटली लोहारा और शकरगढ़ के पास भी हमलों की पुष्टि हुई है।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत स्थित मुरीदके में एक स्थानीय ने बताया कि मरकज तैयबा आतंकी संगठन लश्कर के लिए बेहद अहम है और मुरीदके के नांगल सहदान में स्थित है।

इस परिसर में बड़े पैमाने पर हथियार रखे थे और स्थानीय व विदेशी आतंकियों को प्रशिक्षण दिया जाता था। यहीं से डेविड कोलमन हेडली, अजमल कसाब और तहव्वुर हुसैन राणा जैसे खूंखार आतंकी प्रशिक्षित होकर निकले थे। उन्होंने भारत समेत कई जगहों पर आतंक को फैलाया। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड जकी उर रहमान लखवी ने यहीं से आतंकियों को दिशा-निर्देश दिए थे।

बद से बदतर

जनवरी, 2016 में पठानकोट आतंकी हमले के बाद से ही दोनों देशों के रिश्ते लगातार बद से बदतर होते गए, पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाक से सभी कारोबारी संबंध तोड़ लिए, कई और भी सख्त कदम उठाए

लंबे समय तक रसातल में ही रहेंगे भारत-पाक रिश्ते

जयप्रकाश रंजन ● जागरण

नई दिल्ली : दो जनवरी, 2016 को पठानकोट एयरबेस पर हुए आतंकी हमले के बाद से ही भारत और पाकिस्तान के रिश्ते लगातार बद से बदतर होते गए हैं लेकिन आपरेशन सिंदूर के बाद इन दोनों पड़ोसियों के रिश्ते अब लंबे समय तक रसातल में ही रहने की उम्मीद है।

वर्ष 2019 में कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने के भारत के फैसले के बाद से दोनों देशों के बीच सामान्य कूटनीतिक व आर्थिक संबंध खराब हो चुके थे। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सारे कारोबारी संबंधों को तोड़कर और उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या घटाकर द्विपक्षीय संबंधों के दायरे को पहले ही सीमित कर दिया है। जानकारों का कहना है कि अब दोनों देशों के मौजूदा रिश्तों को सामान्य बनाने की तरफ लाने की शुरुआत करने के लिए भी कड़ी मशक्कत करनी होगी।

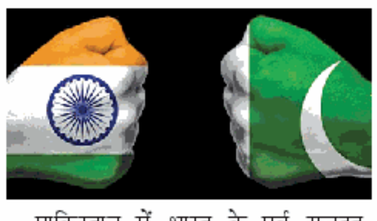

पाकिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत अजय बिसारिया कहते हैं- ' दोनों देशों के पहले से ही खराब संबंध अगले कई महीनों तक और ज्यादा खराब रहने की उम्मीद है। हालांकि कूटनीति में वार्ता की संभावना हमेशा रहती है। पूर्व में हमने भारत व पाकिस्तान के बीच ऐसा होता देखा है। पुलवामा हमले के बाद ही दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में काम हुआ है। इस बार क्या होता है, यह बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि आपरेशन सिंदूर पर पाकिस्तान की तरफ से क्या प्रतिक्रिया होती है। अगर पाकिस्तान इसके जवाब में आज रात या बाद में सैन्य कार्रवाई करता है तो निश्चित तौर पर भारत भी उसके बाद जवाबी कार्रवाई करेगा।' देश के प्रमुख रणनीतिक विश्लेषक ब्रह्मा चेलानी ने भी ऐसी ही संभावना जताई है।

विदेश मंत्रालय के सूत्र बताते हैं- ' जनवरी, 2016 में हुए पठानकोट हमले के बाद भारत व पाकिस्तान के बीच रिश्तों में आमूल-चूल बदलाव हुआ है। उसके पहले के दो वर्ष तक भारत ने पाकिस्तान के साथ संबंधों को नई दिशा देने की कोशिश की।

मई, 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ को आमंत्रित करना और 25 दिसंबर, 2015 को पीएम मोदी का अचानक लाहौर (शरीफ के घर शादी समारोह में) हिस्सा लेने के लिए जाना, भारत सरकार की नीति का हिस्सा था। लेकिन पठानकोट हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टोलेरेंस की नीति अख्तियार की। इस पर भारत की नीति दिनों दिन सख्त ही होती गई है। आपरेशन सिंदूर इसी नीति का हिस्सा है।'

10 वर्षों से दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच नहीं हुई है कोई द्विपक्षीय मुलाकात

भारत व पाकिस्तान के रिश्तों के इतिहास को देखा जाए तो हमेशा लंबे तनाव के बाद वार्ता की शुरुआत हुई है। वर्ष 1965 के युद्ध के बाद ताशकंद में हुआ समझौता हो या वर्ष 1971 की लड़ाई के बाद शिमला समझौता या फिर वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध के दो वर्ष बाद 2001 में हुआ आगरा सम्मेलन, ये इस बात के उदाहरण हैं। यहां तक कि वर्ष 2008 के मुंबई आतंकी हमले के बाद भी वर्ष 2011 में क्रिकेट डिप्लोमेसी के जरिए दोनों देशों के बीच रिश्तों को पटरी पर लाने की कोशिश हुई। लेकिन पठानकोट हमले के बाद दोनों देशों के बीच आधिकारिक तौर पर कोई बातचीत नहीं हुई है। विगत 10 वर्षों में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं या विदेश मंत्रियों या अन्य मंत्रियों के बीच कोई द्विपक्षीय मुलाकात नहीं हुई है। यह स्थिति लंबे अरसे तक बनी रह सकती है। पहले दोनों देश के बीच तनाव के बावजूद कारोबार या खेल संबंधों पर कोई असर नहीं होता था लेकिन अब द्विपक्षीय कारोबार पूरी तरह से बंद हो चुका है। खेल संबंध भी सीमित होते जा रहे हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे के आम नागरिकों को बाहर निकाल दिया है। इससे आम जनता के बीच संपर्क भी सीमित हो गया है। इसका असर द्विपक्षीय संबंधों पर भी दिखाई देगा।

टीआरएफ का प्रमुख शेख सज्जाद गुल है पहलगाम हमले का मास्टर माइंड

- लश्कर-ए-तैयबा के संरक्षण में रावलपिंडी के छावनी शहर में छिपा है
- 2017 में 10 वर्ष कारावास की सजा काटकर चला गया था पाकिस्तान

नई दिल्ली, प्रेट्र : लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) का प्रमुख 50 वर्षीय कश्मीरी शेख सज्जाद गुल पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड है। वह लश्कर-ए-तैयबा के संरक्षण में पाकिस्तान में रावलपिंडी के छावनी शहर में छिपा है और उसे सज्जाद अहमद शेख के नाम से भी जाना जाता है। अधिकारियों ने बुधवार को इस बाबत जानकारी दी।

गुल कई आतंकी हमलों का साजिशकर्ता रहा है, जिनमें 2020 से 2024 के बीच मध्य और दक्षिण कश्मीर में टारगेट किलिंग, 2023 में मध्य कश्मीर में ग्रेनेड हमले, अनंतनाग के बिजबेहरा में जम्मू-कश्मीर के पुलिसकर्मियों पर घात लगाकर हमला, गंदेरबल में जेड-मोड़ सुरंग हमला शामिल है। एनआइए ने अप्रैल, 2022 में उसे आतंकी घोषित किया था और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम रखा था। अधिकारी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले की जांच के दौरान गुल से जुड़े लिंक और कुछ संचार का पता चला है। इस हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ ने ली थी।

गुल की शिक्षा श्रीनगर में हुई और उसने बेंगलुरु से एमबीए किया था। बाद में उसने केरल में लैब टेक्नीशियन का कोर्स किया था। इसके बाद वह घाटी लौट आया, जहां उसने डायग्नोस्टिक लैब खोली व आतंकी समूह को सहायता प्रदान करना शुरू कर दिया था। ओवरग्राउंड वर्कर के रूप में काम के दौरान गुल को 2002 में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से पांच किग्रा आरडीएक्स के साथ पकड़ा था।

25 वर्ष से आतंकी गतिविधियों में लगा है मसूद अजहर। पहले वह हरकतुल मुजाहिदीन व हरकतुल अंसार का कमांडर था। वह उन तीन आतंकियों में एक है, जिसे कंधार हाईजैक के दौरान भारत ने रिहा किया था। उसने वर्ष 2000 में जैश-ए-मोहम्मद का गठन किया।

मौत बांटने वाला अजहर मसूद अपनों की मौत पर रो पड़ा

नवीन नवाज ● जागरण

भारतीय सेना की कार्रवाई में मलबे का ढेर हुआ जैश सरगना अजहर का जिहादी मुख्यालय

जैश-लश्कर के जिहादी साम्राज्य पर ही नहीं बल्कि पाकिस्तान के सीने पर भी है यह कार्रवाई

मसूद अजहर। फाइल

श्रीनगर : बेगुनाहों को मौत बांटने वाले का जब अपनों की मौत से सामना हुआ तो उसे अहसास हुआ कि अपनों को खोने का क्या दर्द होता है। भारत की सैन्य कार्रवाई में अपने 14 स्वजन को खोने वाला जैश-ए-मोहम्मद सरगना मसूद अजहर बुधवार को अपने आतंकी ठिकाने पर मौत का मंजर देखकर रो पड़ा। पहलगाम हमले के जवाब में मंगलवार की आधी रात को गुलाम जम्मू-कश्मीर से लेकर पाकिस्तानी पंजाब के बहावलपुर और मुरीदके (इस्लामाबाद) तक गूंजे धमाकों ने न केवल अजहर मसूद और लश्कर सरगना हाफिज सईद के जेहादी साम्राज्य की नींव हिला दी बल्कि दुनिया को बता दिया कि भारत अब घर में घुसकर मारने तक नहीं बल्कि आतंकियों की जड़ पर सीधा प्रहार करेगा।

भले ही यह कार्रवाई जैश और लश्कर के जिहादी साम्राज्य पर है। यह कार्रवाई पाकिस्तान के सीने पर की गई है, लेकिन उसके सैन्य व नागरिक ठिकानों को इससे पूरी तरह से बाहर रखा गया। यह कार्रवाई इसलिए भी महत्व रखती है, क्योंकि जैश और लश्कर के जिन दो मुख्यालयों को निशाना बनाया गया है, वह पाकिस्तान के भीतर सबसे सुरक्षित इलाकों में माने जाते हैं। इसके आसपास पाकिस्तानी सेना के अत्यंत महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान हैं। मुरीदके स्थित लश्कर का मुख्यालय पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद से सटा है।

मसूद अजहर गत सप्ताह सुभान अल्लाह परिसर (बहावलपुर) में मौजूद था। उसका भाई और कुछ अन्य करीबी लाहौर में थे। इसलिए बच गए, पर अजहर की बड़ी बहन, बहनोई, भतीजा व उसकी पत्नी समेत उसके खानदान के नौ लोग मारे गए हैं। इसके अलावा उसके पांच साथी भी मारे गए। स्वयं अजहर मसूद ने रिश्तेदारों की मौत को स्वीकारते हुए एक बयान भी जारी किया है। विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी के अनुसार, अपने करीबियों के मारे जाने से हताश अजहर मसूद के मुंह से जो अल्फाज निकले वह यही थे, 'काश मैं भी मर जाता, यह देखने से पहले मैं मर जाता।'

जम्मू-कश्मीर में 25 वर्षों से सक्रिय जैश : जैश जम्मू-कश्मीर में बीते 25 वर्ष से सक्रिय है। इसका सरगना मसूद अजहर पहले हरकतुल मुजाहिदीन व हरकतुल अंसार का कमांडर था। वह उन तीन आतंकियों में एक है, जिसे कंधार हाईजैक के दौरान भारत सरकार ने रिहा किया था। उसने वर्ष 2000 में जैश-ए-मोहम्मद का गठन किया। संसद हमला, जम्मू के कालचूक, जम्मू-कश्मीर विधानसभा पर हमला और श्रीनगर के बादामी बाग सैन्य शिविर पर आत्मघाती हमला के साथ पुलवामा कांड की साजिशों में मसूद अजहर का नाम आया।

जैश के सभी षड्यंत्र रचे जाते हैं सुभान अल्लाह में

सुभान अल्लाह परिसर पाकिस्तानी पंजाब के बहावलपुर में पाकिस्तानी सेना की 31वीं कोर के मुख्यालय से लगभग छह किलोमीटर और पाकिस्तान एयरफोर्स स्टेशन से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित है। इसके अलावा इसी क्षेत्र में पाकिस्तानी सेना के परमाणु सयंत्र भी हैं। सुभान अल्लाह परिसर लगभग 22-25 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इसमें मस्जिदें, होस्टल, सुरक्षा चौकियां व मदरसे हैं। भारत में जैश द्वारा अंजाम दी गई सभी प्रमुख आतंकी गतिविधियों का षड्यंत्र इसी जगह रचा जाता है। अधिकारियों ने बताया कि सुभान अल्लाह परिसर को निशाना बनाना अत्यंत कठिन माना जाता है। 2019 में भी भारत ने बालाकोट एयरस्ट्राइक से पहले सुभान अल्लाह को ही निशाना बनाने का फैसला किया था, लेकिन अंतिम समय में इरादा बदला था।

पाकिस्तान में बच गए आतंकियों के नए ठिकानों की तलाश शुरू

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पाकिस्तानी पंजाब में ही छोटे-छोटे कैंपों में आतंकियों को रख सकता है पड़ोसी देश

बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा अब आतंकियों के लिए सुरक्षित नहीं

'आपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिद्दीन के मुख्यालय समेत बड़े ठिकानों को ध्वस्त करने के बाद सुरक्षा एजेंसियां आतंकियों के नए ठिकानों की तलाश में जुट गई है। जरूरत पड़ी और वक्त मुफीद हुआ तो उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है।

खुफिया एजेंसियों के अनुसार भारत की संभावित कार्रवाई को देखते हुए पाकिस्तान ने पहले ही मसूद अजहर, हाफिज सईद और सैयद सलाउद्दीन समेत बड़े आतंकियों को सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचा दिया था। इसके अलावा गुलाम कश्मीर के लांच पैड पर मौजूद आतंकियों को भी सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचा दिया गया था।

सुरक्षा एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि आतंकियों के लिए अति सुरक्षित माने जाने वाले इन ठिकानों को ध्वस्त कर भारत ने एक बड़ा संदेश तो दे दिया है, लेकिन आतंकी आकाओं को खत्म करने का काम बच गया है। उनके अनुसार, 'आपरेशन सिंदूर' में मारे गए आतंकियों की सही संख्या के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। लेकिन शुरूआती अनुमान में इनकी संख्या 300 से अधिक होने की बात सामने आ रही है।

वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पाकिस्तानी सेना और आइएसआइ के लिए अब आतंकियों के नए ठिकाने तैयार करना भी आसान नहीं होगा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित आतंकी ठिकाने सुरक्षित माने जाते थे। इसके साथ ही अफगानिस्तान से सटे खैबर पख्तूनख्वा में भी पहले आतंकियों के कुछ छोटे-छोटे कैंप थे, लेकिन तालिबान के साथ तनातनी और तहरीके तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मजबूत होने के बाद उन कैंपों को बंद कर आतंकियों को पंजाब और कश्मीर के कैंपों में शिफ्ट कर दिया गया था। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के काफी मजबूत होने के बाद वह भी आतंकियों के लिए सुरक्षित नहीं रह गया है।

भारतीय एजेंसियों को आशंका है कि पाकिस्तान पंजाब में ही छोटे-छोटे आतंकी कैंप बनाकर इन आतंकियों को पनाह देने की कोशिश करेगा। एजेंसियों के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, आतंकियों के हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

पाकिस्तानी सेना ने घरों पर दागे गोले, चार बच्चों सहित 12 की मौत

बौखलाहट : हमले में 54 लोग घायल भी हुए, पुंछ, राजौरी, उड़ी व कुपवाड़ा में नागरिक ठिकानों व गुरुद्वारे को बनाया निशाना

पाकिस्तानी सेना ने तोप के गोले भी दागे, घरों को भारी नुकसान, सबसे ज्यादा पुंछ में क्षति

जागरण टीम, जम्मू

जम्मू के पुंछ में बुधवार को पाकिस्तानी गोलाबारी के बाद उठता धुएं का गुबार। एएफपी

पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर भारत की कार्रवाई से बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने जम्मू-कश्मीर में राजौरी, पुंछ के साथ कश्मीर के उड़ी और कुपवाड़ा में एलओसी पर नागरिक ठिकानों पर भारी गोलाबारी की। पुंछ बाजार, राजौरी और उड़ी में मंगलवार रात से बुधवार दोपहर तक जारी गोलाबारी में चार बच्चों सहित 12 लोगों की मौत हो गई। मारे गए बच्चों में दो जुड़वा भाई-बहन हैं। पुंछ के ही कृष्णा घाटी सेक्टर में एलओसी पर भारतीय सेना का एक जवान भी बलिदान हुआ है। बलिदानी दिनेश कुमार हरियाणा के पलवल क्षेत्र के रहने वाले हैं। गोलाबारी में 54 लोग घायल भी हुए हैं। गंभीर रूप से घायल दो लोगों को उपचार के लिए राजकीय मेडिकल कालेज (जीएमसी) जम्मू रेफर किया गया है। सबसे ज्यादा नुकसान पुंछ में हुआ है। भारतीय सेना ने भी कड़ा जवाब दिया है, जरूरत के हिसाब से तत्काल जवाबी आपरेशन के लिए सेना हाई अलर्ट पर है।

पाकिस्तानी सेना ने अपनी खीज उतारने के लिए पुंछ बाजार को निशाना बनाकर तोप के गोले दागे। इससे कई इमारतें मलबे में तबदील हो गईं, जबकि सरकारी इमारतों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। लोग जान बचाने के लिए घरों में छिपे, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने घरों को भी निशाना बनाकर गोलाबारी की। यहां गोलाबारी में 12 लोगों की मौत हो गई और 41 लोग घायल हो गए। पुंछ के आसपास के क्षेत्रों में भी भारी नुकसान हुआ है। पाकिस्तानी सेना ने पुंछ में गुरुद्वारा सिंह सभा को भी निशाना बनाया, जिससे उसे नुकसान पहुंचा है। उड़ी में नौ लोग गोलाबारी में जख्मी हुए। उधर, पाकिस्तानी सेना ने राजौरी शहर से पांच किलोमीटर दूर गंभीर ब्राह्मणा गांव व इरवा खेत्र में रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर गोलाबारी की। इसमें एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए, जिन्हें मेडिकल कालेज राजौरी में भर्ती कराया गया है। यहां गोलाबारी की चपेट में आने से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। दोनों गांवों के कुछ लोगों को प्रशासन ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है।

गोलाबारी में मारे गए लोग

- 10 वर्षीय मोहम्मद जान, पुंछ
- 11 वर्षीय अरूआ, पुंछ
- 12 वर्षीय अयान, पुंछ
- 12 वर्षीय जोया खान, पुंछ
- 36 वर्षीय मोहम्मद रफी, पुंछ
- 45 वर्षीय मोहम्मद इकबाल, पुंछ
- 55 वर्षीय मोहम्मद अकरम, पुंछ
- मोहम्मद आदिल, सगरा, मेंढर (पुंछ)
- सलीम हुसैन, बालाकोट, मेंढर (पुंछ)
- रूबी कौर, मनकोट, मेंढर (पुंछ)
- अमरीक सिंह, मोहल्ला सैंडीगेट, पुंछ
- रणजीत सिंह, सैंडीगेट पुंछ

राजौरी में जम्मू-पुंछ हाईवे पर भी गिरे गोले

पाकिस्तानी सेना की ओर दागे गए कुछ गोले राजौरी में जम्मू-पुंछ हाईवे पर भी गिरे। इससे हाईवे पर गड्ढे पड़ गए, लेकिन वाहनों की आवाजाही पर कोई असर नहीं पड़ा। यह हाईवे एलओसी से करीब आठ किलोमीटर अंदर है।

पंजाब के गुरदासपुर व मोगा में गिरे आसमान से अवशेष

जासं, गुरदासपुर : निम्न भारतीय सेना के योद्धा जिस समय पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने नेस्तनाबूद कर रहे थे, उसी दौरान सीमावर्ती जिले गुरदासपुर और मोगा में आसमान से कुछ अवशेष भी गिरे। पाक सीमा से करीब 22 किमी दूर गुरदासपुर के तिब्बड़ी कैंट के पास गांव पंधेर के खेत में कोई 50 अवशेष गिरे। अवशेष खेतों में गिरने से धमाके हुए और नाड़ को आग लग गई। अवशेषों पर लिखे शब्द चानी भाषा में हैं। मोगा में दो और दातारपुर के गांव घगवाल में एक घर पर अवशेष गिरा। पुलिस और सेना से अवशेष कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

गुरुद्वारे पर पाकिस्तानी कार्रवाई की मान और सुखबीर ने की निंदा

भगवंत मान

सुखबीर बादल। फाइल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़ : जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में गुरुद्वारा साहिब पर पाकिस्तान की ओर से बम से हमला किए जाने से चार लोगों के मारे जाने की पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के प्रधान और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल ने दुख व्यक्त किया है। मान और सुखबीर ने कहा कि इस प्रकार आम लोगों को निशाना बनाना अत्यंत निंदनीय है। बताया कि हमले में एक रागी सिंह भाई अमरीक सिंह, अमरजीत सिंह, रंजीत सिंह और रूबी कौर की मृत्यु हो गई। श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज व एसजीपीसी के प्रधान हरजिंदर सिंह धामी ने पुंछ में गुरुद्वारे पर किए गए हमले की की निंदा की।

18 एयरपोर्ट बंद, 200 उड़ानें रद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश के उत्तरी व पश्चिमी हिस्सों के ह्वाईअड्डे बंद रहने से उड़ानों पर असर

आगामी 10 मई सुबह 5.29 बजे तक कई एयरपोर्ट तक उड़ानें रद की गईं

आपरेशन सिंदूर के बाद कई शहरों के लिए उड़ानें रद कर दी गई हैं। उड़ान रद होने के बाद आइजीआइ एयरपोर्ट पर कुछ परेशान दिखे यात्री। ध्रुव कुमार

पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले के आपरेशन सिंदूर का असर देश के कम से कम 18 एयरपोर्ट पर देखने को मिला। बुधवार को देश के उत्तरी व पश्चिमी हिस्से के एयरपोर्ट बंद रहने से 200 से अधिक उड़ानें रद हो गईं। एयर इंडिया, इंडिगो, स्पाइस जेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, आकासा एयर के साथ कई विदेशी एयरलाइंस की उड़ानें रद रहीं। अकेले इंडिगो की 165 उड़ानें रद रहीं। पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमलों के मद्देनजर कुछ एयरस्पेस के इस्तेमाल पर पाबंदी से श्रीनगर, लेह, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला व जामनगर जैसे एयरपोर्ट बंद रहे।

सूत्रों के अनुसार, देश के सबसे व्यस्त और बड़े दिल्ली हवाईअड्डे से बुधवार की रात शुरू होने के बाद से 35 उड़ानें रद की गईं। इनमें 23 घरेलू विमानों के प्रस्थान और आठ के आगमन को रद किया गया। इसके अलावा चार अंतरराष्ट्रीय प्रस्थान निलंबित कर दिए गए। वहीं, अमेरिकन एयरलाइंस समेत विदेशी एयरलाइंस ने दिल्ली हवाईअड्डे से अपनी कुछ उड़ानें निलंबित कर दीं। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने एक्स पोस्ट में बताया, ''यहां पर कुछ उड़ानें प्रभावित रहेंगी।''

इंडिगो के अनुसार, 'एयरस्पेस पाबंदी की वजह से श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, चंडीगढ़, धर्मशाला, बीकानेर, जोधपुर जैसे एयरपोर्ट से विमानों का आना और जाना दोनों ही बंद रहा। उड़ानें रद होने से प्रभावित यात्री अपनी यात्रा आगे बढ़ा सकते हैं या फिर टिकट रद कर सकते हैं। टिकट रद करने पर उन्हें पूरा रिफंड दिया जाएगा। हमनें एयरस्पेस पर प्रतिबंध संबंधी सरकारी अधिसूचना के अनुसार आगामी 10 मई की सुबह 5.29 बजे तक के लिए 165 इंडिगो उड़ानों को रद कर दिया है। हमें अपने पूरे नेटवर्क में उड़ानों के समय में परिवर्तन की आशंका है और इसलिए सभी ग्राहकों से निवेदन करते हैं कि वे एयरपोर्ट के लिए निकलने से पहले अपनी उड़ान के समय के बारे में जानकारी पुख्ता कर लें।'

एयर इंडिया ने आगामी 10 मई सुबह 5.29 बजे तक जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट समेत नौ एयरपोर्ट से अपनी उड़ानें निलंबित कर दी हैं। जबकि स्पाइसजेट ने भी अगले आदेश तक कई एयरपोर्ट के लिए अपनी उड़ानें रद कर दी हैं।

पहलगाम नरसंहार से जुड़ी कोई भी जानकारी है तो एनआइए से करें साझा

राज्य ब्यूरो, जागरण ● श्रीनगर : पहलगाम आतंकी हमले की जांच कर रही एनआइए ने बुधवार को लोगों से अपील की है कि जिनके पास हमले से जुड़ी कोई और जानकारी, फोटो या वीडियो हो, वह उससे संपर्क करें।

एनआइए के प्रवक्ता ने कहा कि जांच एजेंसी ने हमले के विभिन्न पहलुओं को दिखाने वाली बड़ी संख्या में फोटो और वीडियो पहले ही अपने कब्जे में ले लिए हैं। आतंकियों के बारे में जानकारी देने के लिए मोबाइल नंबर 9654958816 और लैंडलाइन नंबर 01124368800 पर संपर्क कर सकते हैं। वह लोग जो इस जघन्य कांड के समय मौके पर मौजूद थे, वह भी संपर्क कर सकते हैं। इसके बाद एनआइए का एक वरिष्ठ अधिकारी काल करने वाले से संपर्क करेगा और एजेंसी के साथ साझा की जाने वाली प्रासंगिक जानकारी/फोटो/वीडियो आदि की व्यवस्था करेगा। इससे आतंकी हमले से जुड़ी जानकारी मिल सकेगी और उसकी जड़ तक पहुंचने में मदद मिलेगी।

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती आठ जिलों में आज भी बंद रहेंगे शिक्षण संस्थान

जागरण टीम, नई दिल्ली

राजस्थान व पंजाब के सीमावर्ती जिलों के स्कूलों में भी छुट्टियां

अटारी वाघा सीमा पर दर्शकों के लिए बंद की गई रिट्रीट सेरेमनी

करतारपुर कारिडोर भी श्रद्धाओं के लिए अनिश्चित काल के लिए बंद

स्कूल रहे बंद। फाइल

भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बाद बने हालात को देखते हुए एहतियात के तौर पर जम्मू-कश्मीर के आठ जिलों में सभी शिक्षण संस्थान बुधवार को बंद रहे। जम्मू संभाग के पांच जिलों जम्मू, सांबा, कठुआ, राजौरी व पुंछ और कश्मीर के तीन जिलों बारामुला, कुपवाड़ा व बांडीपोरा में सभी स्कूल, कालेज व अन्य शिक्षण संस्थान बंद रहे। इस संबंध में जम्मू व कश्मीर के मंडलायुक्तों ने अलग-अलग आदेश जारी किए थे। कश्मीर विश्वविद्यालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय श्रीनगर और जम्मू विश्वविद्यालय ने बुधवार की सभी परीक्षाओं को स्थगित कर दिया। जम्मू विश्वविद्यालय कैंपस भी बंद रहा। इन जिलों में डिग्री कालेज व निजी संस्थान भी बंद रहे। मौजूदा हालात को देखते हुए गुरुवार को भी शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे।

उधर, राजस्थान के अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट स्थित चार जिलों जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर एवं श्रीगंगानगर में सभी स्कूलों में अगले आदेश तक के लिए छुट्टियां घोषित कर दी गई हैं। पुलिस कर्मियों सहित सभी सरकारी कर्मचारियों के अवकाश निरस्त करने के साथ ही मुख्यालय नहीं छोड़ने के लिए कहा गया है। सीमा से लगते पंजाब के छह जिलों पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन, अमृतसर, फिरोजपुर और फाजिल्का में स्कूल-कालेजों में अगले तीन दिनों के लिए छुट्टी घोषित की गई है। अटारी वाघा सीमा पर रिट्रीट सेरेमनी दर्शकों के लिए रद कर दी गई है तथा करतारपुर कारिडोर श्रद्धाओं के लिए अनिश्चित काल के लिए बंद कर दिया गया है। एयर स्ट्राइक के बाद पंजाब में राजनीतिक दलों ने भी अपने सभी कार्यक्रम रद कर दिए हैं।

सिलीगुड़ी कारिडोर समेत पूर्वोत्तर राज्यों में भी बढ़ी सुरक्षा

सामरिक दृष्टिकोण से अहम सिलीगुड़ी कारिडोर समेत पूर्वोत्तर राज्यों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस क्षेत्र को चिकन नेक के नाम से भी जाना जाता है। हाल ही में बांग्लादेश के एक पूर्व सैन्य अधिकारी ने कहा था कि पाक से युद्ध हो तो बांग्लादेश को भारत के चिकन नेक पर हमला कर पूर्वोत्तर राज्यों पर कब्जा करना चाहिए। सूत्रों के अनुसार, उत्तर बंगाल के 40 से अधिक स्थानों पर सेना के अस्थायी कैंप बनाए जा रहे हैं। यह कदम किसी भी अप्रत्याशित स्थिति से निपटने के लिए उठाया गया है।

खरी-खरी

पूर्व सेना प्रमुख ने पाक में आतंकी ठिकानों पर एयर स्ट्राइक से कार्रवाई की सराहना की, कहा-आतंकवाद पर लगाम कसने के लिए ऐसे अभियान जारी रहने चाहिए

लातों के भूत बातों से नहीं मानते : जनरल चौधरी

जागरण टीम, नई दिल्ली

जनरल शंकर रायचौधरी। फाइल

दुश्मन जान गया होगा हम घर में घुसकर मारते हैं

54 साल पहले पाकिस्तान से लड़े गए युद्ध के नायक जम्मू के परमवीर चक्र विजेता कैप्टन (सेवानिवृत्त) बाना सिंह और वीर चक्र विजेता कर्नल (सेवानिवृत्त) वीरेंद्र साही कहते हैं कि अब दुश्मन को भारतीय शेरों की बहादुरी की ताकत का अंदाजा हो गया होगा कि वह घर में जाकर भी मार सकते हैं। बाना सिंह का कहना था कि हमारे समय में युद्ध में पैदल सेना की बड़ी अहमियत थी। अब आधुनिक युग में इलेक्ट्रानिक वारफेयर में कंट्रोल रूम में युद्ध लड़ा जाता है। हमारी सेना ने आधुनिक युद्ध कौशल का परिचय देते हुए आतंक के बुनियादी ढांचे पर सटीक प्रहार कर तबाह किया है। बाना का कहना है कि हमारी सेना की ताकत अब पहले से कई गुना ज्यादा है। दुश्मन यह अच्छी तरह से जानता है। पूर्व सैनिक भी दुश्मन से लड़ने का जज्बा रखते हैं।

भारतीय सेना के पूर्व प्रमुख जनरल शंकर रायचौधरी ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की एयर स्ट्राइक से कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि लातों के भूत बातों से नहीं मानते। लातों के भूत बातों से नहीं मानते का अर्थ है कि जो व्यक्ति प्रेम की भाषा नहीं समझता, उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई जरूरी है। ऐसे अभियान आतंकवाद पर लगाम कसने के लिए जारी रहने चाहिए। देश के 18वें सेना प्रमुख रायचौधरी ने एक समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, आपरेशन सिंदूर उत्कृष्ट रणनीति के साथ चलाया गया सैन्य अभियान था, जो पूरी तरह से सफल रहा।

ज्ञात हो,भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान एवं गुलाम जम्मू कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में यह कार्रवाई की गई। नवंबर, 1994 से सितंबर, 1997 तक सेना प्रमुख रह चुके रायचौधरी ने कहा-'भारत को पाकिस्तान पर प्रहार जारी रखना चाहिए। युद्ध जैसी कोई स्थिति नहीं है। यह पहले से ही एक अघोषित युद्ध है।

युद्ध में मुकाबला नहीं कर सकता पाकिस्तान : पाकिस्तान के विरुद्ध 1965, 1971 एवं 1999 की लड़ाई में विशेष भूमिका निभाने वाले देश के जाने माने रक्षा विशेषज्ञ लेफ्टिनेंट जनरल (रिटा.) राज कादयान का मानना है कि युद्ध के मैदान में भारत का मुकाबला किसी भी स्तर पर पाकिस्तान नहीं कर सकता। 1971 में उसके 93 हजार सैनिकों ने घुटने टेके थे। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में घुसकर आतंकी कैंपों को ध्वस्त करना सेना के प्रचंड पराक्रम को दर्शाता है। भारत ऐसा पराक्रम दिखाएगा, यह पाकिस्तान ने सपने में भी नहीं सोचा होगा। अब भारत को काफी सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि पाकिस्तान अपने लोगों को खुश करने के लिए सीमांत क्षेत्रों में छोटी-मोटी हरकत जरूर करेगा। इतना तय है कि पाकिस्तान युद्ध के मैदान में नहीं आएगा। हां, वह कुछ न कुछ हरकत जरूर करेगा।

भारत को रहना होगा हर समय तैयार : मेजर जनरल (रिटा.) डा. रणजीत सिंह का मानना है कि पाकिस्तान जिम्मेदार देश नहीं है। उसकी हालत ऐसी नहीं कि वह भारत के साथ युद्ध कर सके। पहली बार ऐसा हुआ है कि वहां की जनता सेना के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। पाकिस्तानी सेना का मनोबल काफी गिरा हुआ है। ऐसे में वह कुछ ऐसी हरकत कर जाएगा, जिससे भारत को बड़ा एक्शन लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। यदि वह हरकत करता है तो भारत न सिर्फ करारा जवाब दे बल्कि ब्लूचिस्तान को अलग करा दे। यह बेहतर मौका है। बांग्लादेश की तरह ही ब्लूचिस्तान नामक देश दुनिया के सामने लाने का सही समय है।

****

1971 में हमारे बुजुर्गों ने दिया था सेना का साथ, अब हमारी बारी

जागरण संवाददाता, फिरोजपुर

घर की महिलाओं व बच्चों को दूसरे गांवों में पहुंचा रहे

परिवार साथ रहने पर नहीं दे पाएंगे खुलकर योगदान

भारत की एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई को लेकर पंजाब के सीमावर्ती गांवों में कोई चिंता नहीं है। सीमा से सटे छह जिलों के लोगों में पाकिस्तान के हमले से डरने के बजाय यह जोश ठाठें मार रहा है कि जिस प्रकार उनके बुजुर्गों ने 1971 में भारतीय सेना के कंधे से कंधा मिलाकर पाकिस्तान से युद्ध लड़ा था, वे भी उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गांव छोड़कर नहीं जाएंगे और शत्रु को परास्त करने के लिए यथासंभव योगदान देंगे। एहतियात के रूप में वे अपने घर की महिलाओं व बच्चों को सीमा से दूर अन्य गांवों में छोड़ने जा रहे हैं ताकि खुलकर टक्कर ले सकें।

गांव कमाले वाला में युवक विक्रमजीत सिंह, जसविंद्र सिंह व निशान सिंह ने कहा, उनके गांवों के लिए सिर्फ एक ही रास्ता है। कोई विपरीत परिस्थिति आने पर बच्चों और महिलाओं को निकालना कठिन हो सकता है। इसके चलते उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है पर वे स्वयं सेना के साथ खड़े रहेंगे। अपने बच्चों व पत्नी को बाइक पर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने जा रहे जज सिंह ने कहा, वह उन्हें अपने रिश्तेदार के पास छोड़कर अपने गांव हजारा सिंह वाला लौट आएगा। उसने कहा कि यदि परिवार की सुरक्षा की जिम्मेवारी उसके कंधों पर रहेगी तो वह दबाव में रहेगा।

गुरदासपुर के कलानौर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बसे गांव बोहड़ वडाला के सरपंच गुरदीप सिंह ने कहा, उनके गांव से सीमा एक किमी दूरी पर है और उनके गांव के साथ ही बीएसएफ की पोस्ट है। गांव के बुजुर्गों ने 1965 व 1971 की जंग लड़ी थी इसलिए हम भी पीछे नहीं रहेंगे। हमें लड़ाई का कोई भय नहीं है।

सैन्य पराक्रम के साथ ब्रीफिंग के जरिये भी दिया अभूतपूर्व संदेश

नारी शक्ति

- कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दी भारतीय प्रतिकार की जानकारी
- आतंकवादियों, उनके आकाओं और हमदर्दों को दिखाया आईना और सुनाया सजा का हाल

मनीष तिवारी ● जागरण

नई दिल्ली: आपरेशन सिंदूर की देश को जानकारी देने के लिए सेना और विदेश मंत्रालय की साझा प्रेस कांफ्रेंस जब निर्धारित समय दस बजे से आधे घंटे के लिए आगे बढ़ाई गई तब इसे एक अहम मामले में स्वाभाविक देरी समझा गया, लेकिन जब वहां मौजूद लगभग 150 मीडियाकर्मियों को यह जानकारी दी गई है कि विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिसरी के साथ दो महिला सैन्य अफसर विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी पहलगाम के बर्बर आतंकी हमले पर भारत के प्रतिकार की जानकारी देंगी तब यह स्पष्ट हुआ कि इसके जरिये भारत ने अपनी दूरगामी सोच से कितना बड़ा और शक्तिशाली संदेश दुनिया को दिया है। आम तौर पर ऐसी ब्रीफिंग डीजीएमओ या सेना के मुख्यालय में तैनात ब्रिगेडियर स्तर के अधिकारी करते हैं, लेकिन अपेक्षाकृत कनिष्ठ दो महिला सैन्य अफसरों को यह दायित्व देकर भारत ने आतंकियों और उनके हमदर्दों की कुंठित सोच को मुंहतोड़ जवाब दिया है।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह (बाएं) और कर्नल सोफिया कुरैशी बुधवार को नई दिल्ली में मीडिया को आपरेशन सिंदूर की जानकारी देते हुए। एएनआइ

गुलाम जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान के भीतर की गई सैन्य कार्रवाई जितनी नपी-तुली थी और स्थिति के अनुकूल थी, उतना ही जिम्मेदारी भरा और सबक सिखाने वाला संदेश था। भारत की इस आपरेशन के कोड नेम-सिंदूर के बाद यह दूसरा ऐसा कदम था, जिसने पहलगाम के एक पर्यटक स्थल (बैसरन) में दिखाई गई अमानवीयता के विरुद्ध देश के संकल्प, सोच और दिशा का प्रदर्शन किया। मिसरी के शुरुआती वक्तव्य के बाद कर्नल सोफिया ने जब सैन्य कार्रवाई का ब्योरा देते हुए यह कहा-'देवियो और सज्जनों, मैं कर्नल सोफिया कुरैशी और मेरे साथ विंग कमांडर व्योमिका सिंह....'तो इसकी गूंज आतंकवाद की फैक्ट्रियों के मालिकों यानी पाकिस्तानी सेना और सरकार के साथ-साथ पूरी दुनिया को सुनाई दी। कर्नल कुरैशी ने कहा-भरोसेमंद गुप्तचर सूचना के आधार पर हमने आतंक के उन नौ ठिकानों को छांटकर ध्वस्त कर दिया जो सीमा पार आतंकवाद में शामिल थे। वायुसेना में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने भी पूरे आत्मविश्वास के साथ यह घोषणा कि भारतीय सैन्य बल पाकिस्तान के किसी भी दुस्साहस का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, लेकिन उन्हें आतंकी घटनाओं जैसे उकसावे वाले कार्यों का जवाब देने में भी निर्णायक प्रहार के साथ-साथ संयम बरतना भी आता है।

सांस्कृतिक-सामाजिक प्रगति, लोकतंत्र की समृद्धि और महिला सशक्तीकरण की प्रतीक इन दो महिला अफसरों का ब्रीफिंग के लिए चयन। सबक इसलिए, क्योंकि इन्हीं महिला अफसरों ने आतंकियों और पाकिस्तान को उनकी करतूतें गिनाईं, प्रमाण दिए, आईना दिखाया और उन्हें दी गई सजा का हाल भी दुनिया को सुनाया।

गुजरात की बेटी सोफिया के पराक्रम पर सबको गर्व

शत्रुघ्न शर्मा ● जागरण

- मां अलीमा बोलीं- उनकी बेटी सोफिया ने तो खुद पराक्रम किया

अहमदाबाद : पाकिस्तान में आतंकी अड्डों को नष्ट करने वाली भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर का चेहरा बनीं गुजरात मूल की कर्नल सोफिया कुरैशी के पिता व दादा भी सेना में रह चुके हैं। उनके माता-पिता ने बेटी पराक्रम पर गर्व जताते हुए कहा कि उसने देश के लिए कुछ किया है। बचपन में सोफिया सेना के पराक्रम की कहानी सुना करती थी, आज खुद पराक्रम कर दिया। उन्होंने कहा पाकिस्तान गंदा देश है उसका नाम भी लेना पसंद नहीं। भारत को एक अच्छा प्रधानमंत्री मिला है, भारत जल्दी ही पीओजेके भी वापस लेगा।

सोफिया के पिता ताजुद्दीन कुरैशी का कहना है कि पढ़ाई के दौरान ही एक दिन सोफिया ने कहा कि सेना में अभी हमारे परिवार से कोई महिला नहीं है तो क्यों नहीं मैं शामिल हो जाऊं। सोफिया की बहन सायना नेशनल कैडेट कोर एनसीसी में फायरिंग गोल्ड मेडलिस्ट हैं तथा वजन कम होने के कारण वह सेना में नहीं जा सकीं, लेकिन सोफिया का चयन हो गया। पिता कहते हैं, भारत सरकार ने बेटी को एक शानदार मौका दिया, हमारा मकसद पूरा हुआ। बेटी ने देश के लिए कुछ किया, अब गुलाम जम्मू-कश्मीर को भी वापस लाना है। देश को नरेन्द्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री मिला, ऐसा नेता और कहां मिलता है। भारत ने उसके खिलाफ जो एक्शन लिया वह उसी के लायक है। मां अलीमा का कहना है कि बेटा हो या बेटी दोनों समान होते हैं, बेटी के पराक्रम से सिर गर्व से ऊंचा हो गया।

ताज कुरैशी। फाइल

पिता ताज कुरैशी बोले- भारत को प्रधानमंत्री मोदी जैसा नेता कहां मिलेगा

कर्नल सोफिया कुरैशी

गुजरात के फौजी परिवार की कर्नल सोफिया कुरैशी सेना में सिग्नल अफसर हैं। उन्होंने हिंदी में आपरेशन सिंदूर में सैन्य कार्रवाई का ब्योरा दिया। कर्नल सोफिया की स्कूली शिक्षा वडोदरा के केंद्रीय विद्यालय में हुई। वर्ष 1999 में शार्ट सर्विस कमीशन से सेना में भर्ती हो गईं। 2006 में वह कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना अभियान और 2016 में बहुराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भी हिस्सा लिया।

विंग कमांडर व्योमिका सिंह

वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह हेलीकाप्टर पायलट हैं और उन्होंने अंग्रेजी में आपरेशन सिंदूर का ब्योरा दिया। व्योमिका ने भारतीय वायुसेना के एक पायलट से विवाह किया है। व्योमिका सिंह ने वर्ष 2023 में एक टीवी चैनल को बताया था कि 1990 की शुरुआत में एक परिचर्चा में भाग लेने के दौरान उन्हें वायुसेना ने आकर्षित किया। जब वह छठी क्लास में थीं तब उनमें पायलट बनने की ललक जगी। उसी दौरान उन्हें उनके नाम का अर्थ 'आकाश की स्वामिनी' पता लगा। वह 2500 से अधिक घंटे की उड़ान भर चुकी हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के ऊंचे अक्षांशों में उड़ान भरी है और नागरिकों के कई रेस्क्यू आपरेशन किए हैं।

आतंकियों के खात्मे से वीरांगनाओं के कलेजे को मिली ठंडक

लेफ्टिनेंट नरवाल की पत्नी हिमांशी बोलीं, सरकार और सेना ने आपरेशन को सही नाम दिया

शुभम की पत्नी एशान्या बोलीं- मोदी को बताने के लिए बोला था, उन्होंने बता दिया

जागरण टीम, नई दिल्ली

पहलगाम में आतंकियों की बर्बर कार्रवाई में अपना सुहाग खोने वाली वीरांगनाओं को आपरेशन सिंदूर से बड़ा सुकून मिला है। सुहाग उजाड़ने वाले आतंकियों पर कार्रवाई से देश की इन माताओं, बहनों के कलेजे में धधक रही आग को ठंडक मिली है। शादी के चंद दिनों बाद ही सुहाग खोने वाली लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने कार्रवाई पर संतुष्टि जताई। साथ ही कहा कि आपरेशन सिंदूर यहीं खत्म न हो, बल्कि आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने तक चले। कानपुर के शुभम द्विवेदी की पत्नी एशान्या ने कहा, आतंकियों ने कहा था कि जाओ मोदी को बता देना, और आज मोदी ने आतंकियों को बता दिया है कि हम छोड़ने वाले नहीं हैं। एक-एक आंसू का बदला लिया जाएगा।

पहलगाम में पति विनय नरवाल के बेजान शरीर के पास बैठी हिमांशी की तस्वीर आतंकियों की बर्बरता का पर्याय बन गई थी। मायके गुरुग्राम में हिमांशी नरवाल ने कहा, वह जिस दौर से गुजर रही हैं, उससे किसी और को न गुजरना पड़े। सरकार और सेना ने इस आपरेशन को सही नाम दिया है। उनकी तो अभी शादी हुई थी। आतंकियों ने उनकी लाइफ ले ली।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को भी जान गंवानी पड़ी थी। आतंकियों की गोली का शिकार बनने के बाद जमीन पर पड़े विनय नरवाल के पास बैठीं उनकी पत्नी हिमांशी के इस चित्र ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया था। फाइल/प्रेट्र

सुहाग का बदला आपरेशन सिंदूर से लिया : कानपुर के शुभम द्विवेदी के पिता संजय, मां सीमा और पत्नी एशान्या मंगलवार देर रात सेना की कार्रवाई की सूचना मिलते ही टीवी खोलकर बैठ गए और पूरी रात सेना का पराक्रम देखती रहीं। सुबह एशान्या बोलीं, टीवी पर आपरेशन सिंदूर लिखा है तो यकीन हो गया जो प्रधानमंत्री ने कहा था वो कर दिखाया। सुहाग का बदला आपरेशन सिंदूर से लिया। उन्होंने कहा, आतंकियों ने हिंदू पूछकर सुहाग को उजाड़ा था। सेना आपरेशन सिंदूर में उनका खून बहाकर बदला ले लिया। अब कलेजे को ठंडक मिली। एशान्या बोलीं- जब हिंदू पूछकर गोली मारी थी, तब लगा था कि क्या हिंदू होना गुनाह है लेकिन अब जब आतंकी मारे जा रहे हैं तो मैं गर्व से कह रही हूं कि हिंदू होने पर मुझे गर्व है। सुहागिनों के लिए सिंदूर की कीमत क्या होती है ये आतंकी इस कार्रवाई के बाद सोचकर सहम जाएंगे। अब जाकर शुभम के साथ हम सभी को शांति मिली है।

इंदौर की जेनिफर बोलीं, आतंकियों के चेहरे पर भी दिखे वैसा ही डर : इंदौर के सुशील नथानियल की पत्नी जेनिफर ने कहा, भारत ने सही समय पर बदला लिया है। हमें भारतीय सेना पर गर्व है, लेकिन पहलगाम हमले के लिए के दोषी चार आतंकियों को भी मारना चाहिए। उनके चेहरे पर भी डर दिखाई देना चाहिए। उन चारों आतंकियों के चेहरे आज भी मेरी आंखों के सामने आते हैं। कहा, आतंकियों ने मेरी आंखों के सामने पति को मार दिया था। बता दें, सुनील नथानियल ने आतंकियों के धर्म पूछने पर खुद को ईसाई बताया था और कलमा पढ़ने में असमर्थता जाहिर की थी, फिर भी आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी थी।

आपरेशन सिंदूर भारत की महिलाओं की तरफ से जवाब की तरह लगता है

- सुहागिनों के लिए सिंदूर की कीमत क्या होती है ये आतंकी इस कार्रवाई के बाद सोचकर सहम जाएंगे

कोच्चि के एन रामचंद्रन की बेटी आरती ने कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री मोदी, सेना और केंद्र सरकार को 'बहुत-बहुत सलाम' किया। कहा, आतंकियों ने उनके सामने पिता की हत्या कर दी थी। आपरेशन सिंदूर के अलावा हमलों के लिए कोई और उपयुक्त नाम नहीं हो सकता। यह भारतीय सेना और सरकार के माध्यम से देश की महिलाओं की तरफ से एक जवाब की तरह लगता है। इससे पता चलता है कि भारत क्या है। पाकिस्तान को संदेश साफ है... कार्रवाई करने से पहले दो बार सोचो।

शुभम द्विवेदी की पत्नी एशान्या द्विवेदी। एएनआइ

पति-बेटे को खोने वाली काजलबेन बोलीं, पाक का पूरी तरह हो सफाया

अहमदाबाद, प्रेट्र : पहलगाम आतंकी हमले में अपने पति और बेटे को खोने वाली गुजरात के भावनगर की काजलबेन परमार ने सरकार से आग्रह किया है कि जब तक पाकिस्तान का सफाया नहीं हो जाता, तब तक उसके खिलाफ कार्रवाई जारी रहनी चाहिए। हमले में उनके पति यतीश परमार और बेटे स्मित की भी मौत हुई थी। आतंकी हमले में गुजरात के तीन लोगों की मौत हुई थी। सूरत की शीतलबेन कलाथिया ने कहा कि वह पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई से संतुष्ट हैं। आतंकी हमले में उनके पति शैलेश कलाथिया की जान गई थी।

आतंकियों ने हमारा सिंदूर मिटाया, लेकिन आज खुश हूं

पुणे, प्रेट्र : अपने पति संतोष जगदाले को खोने वाली प्रगति जगदाले ने कहा, 'आपरेशन सिंदूर के जरिये पहलगाम में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई है। आतंकियों ने हमारा सिंदूर मिटाया, लेकिन आज मैं खुश हूं कि हमारे सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को तबाह किया।'

मेरे पिता को शांति मिली होगी

मुंबई, प्रेट्र : अपने पिता और दो रिश्तेदारों को पहलगाम आतंकी हमले में गंवाने वाले हर्षल लेले ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों के खिलाफ आपरेशन सिंदूर को लेकर संतोष जाहिर किया है। ठाणे जिले के रहने वाले लेले ने कहा, 'मैं संतुष्ट हूं। मेरे दिवंगत पिता को अब शांति मिली होगी।' हमले में उनके पिता संजय लेले और रिश्तेदारों अतुल मोने और हेमंत जोशी की जान गई थी।

सरकार का एकदम सही कदम

बेंगलुरु, प्रेट्र : पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों में शामिल भारत भूषण के परिवार ने कहा कि सरकार ने एकदम सही कदम उठाया। उनका समर्थन करते हैं। हमले में भूषण की पत्नी सुजाता और उनका बच्चा बच गए थे। बेटा मंजूनाथ को गंवाने वाली शिवमोगा की सुमति बोलीं, पीएम मोदी पर पूरा विश्वास था।

आपरेशन सिंदूर नाम देकर महिलाओं का किया सम्मान

नागपुर, एएनआइ : हमले में जान गंवाने वाले कौस्तुभ गणबोटे की पत्नी संगीता ने कहा, भारत ने जो कार्रवाई की है, वह एकदम सही है और आपरेशन का नाम सिंदूर देकर महिलाओं को सम्मान दिया है। कौस्तुभ के बेटे कुणाल ने आपरेशन सिंदूर के लिए सेना और सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भाजपा की महिला नेताओं ने आपरेशन सिंदूर को सराहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : भाजपा की महिला नेताओं ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में भारतीय सेना के 'आपरेशन सिंदूर' की सराहना की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत कभी भी आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत की इस सैन्य कार्रवाई के नाम में 'सिंदूर' को जोड़ने का एक संदर्भ यह है कि भारतीय परंपरा में विवाहित महिलाएं अपनी मांग में सिंदूर लगाती हैं और इसे उनके सुहागन होने का एक प्रतीक माना जाता है। 'आपरेशन सिंदूर' नाम उन महिलाओं के प्रति सम्मान जताना है जिन्होंने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आतंक के हर अपराधी पर कार्रवाई की जाए। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि दो महिला अधिकारियों का प्रेस को संबोधित करना भारत की नारी शक्ति के बारे में एक 'सशक्त बयान' है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस हमले के लिए सेना को बधाई देते हुए कहा कि उन परिवारों को सलाम जिन्होंने देश को ऐसे बहादुर बेटे दिए। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट किया, 'मैं भारतीय सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नमन करती हूं क्योंकि उनके निर्णय और निर्णायक शक्ति ने 140 करोड़ भारतीयों का मान बढ़ाया है।

पहलगाम हमले का करारा जवाब दिए जाने के बाद बिहार में सुहागिनों ने भरी मांग

रवि शंकर शुक्ला ● जागरण

- न्याय मिलने तक महिलाओं ने सिंदूर नहीं लगाने का रखा था व्रत
- आंदोलन की धरती गांधी आश्रम में आपरेशन सिंदूर के बाद प्रण पूरा

हाजीपुर : बिहार के वैशाली जिले के हाजीपुर में बुधवार को 15 दिन बाद सुहागिनों ने अपनी मांग भरी। इन सुहागिनों ने यह प्रण किया था कि जब तक पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब नहीं दे दिया जाता तब तक वे मांग में सिंदूर नहीं भरेंगी। आपरेशन सिंदूर के बाद उनका प्रण पूरा हुआ।

मंगलवार की आधी रात पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के प्रहार की खबर जब बुधवार को आई तो ये महिलाएं खुशी से झूम उठीं। सुहागिनों ने एक-दूसरे को सिंदूर लगाकर कहा कि अब किसी की मांग नहीं उजड़ेगी। आतंकी अब किसी घटना को अंजाम देने के पहले सौ बार सोचेंगे। महिलाओं ने पहलगाम में आतंकियों द्वारा किए गए हमले में मारे गए लोगों की विधवाओं के लिए सिंदूर न लगाने का व्रत रखा था। आपरेशन सिंदूर की सफलता से खुश महिलाएं बड़ी संख्या में शहर के ऐतिहासिक गांधी आश्रम में जुटीं। गांधी आश्रम का यह वह मंच है, जहां कभी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भगत सिंह ने देश की स्वतंत्रता का बिगुल फूंका था। मंच से महिलाओं ने पूरे भारत को संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी का यह आपरेशन सिंदूर भारत की समस्त महिलाओं के मान-सम्मान और अस्तित्व की रक्षा के लिए था। महिलाओं ने सुबह मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद सामूहिक रूप से एक-दूसरे के माथे में सिंदूर भरा और विभिन्न मोहल्लों में पहुंचकर सिंदूर लगाओ पर्व मनाया। संकल्प रखने वाली महिलाओं को अन्य महिलाओं ने भी सिंदूर लगाया।

सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद एक-दूसरे को हाजीपुर में सिंदूर लगाती महिलाएं।

सभी दलों ने पार्टी लाइन से हटकर की सेना की तारीफ, बोले-'जय हिंद'

नई दिल्ली, प्रेट्र : पहलगाम आतंकी हमले के बाद शोक और गहरी पीड़ा से गुजर रहे देशवासियों को 'आपरेशन सिंदूर' से काफी सुकून मिला है। सेना के इस शौर्य की सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्षी दलों ने भी पार्टी लाइन से हटकर सराहना करते हुए 'जय हिंद' बोला। सभी ने इस संबंध में इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट किया।

केंद्रीय मंत्री व भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ''पहलगाम पर भारत का संदेश- यदि आप हमें उकसाएंगे तो हम आपको नहीं छोड़ेंगे।'' हम आतंकवाद को जड़ से उखाड़ने में सक्षम होने के साथ ही दृढ़ भी हैं। हम आतंकवाद के खतरे को मिटा देंगे। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, भारत ने आतंकी हमले का बदला ले लिया।, 'हमने कहा था कि आतंकियों को 'मिट्टी में मिला देंगे' और देखो, हमने इसे कर दिखाया।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, ''हमें अपने सशस्त्र बलों पर गर्व है। जय हिंद...।'' प्रियंका गांधी वाड्रा ने लिखा, ''हमें अपनी सेना पर गर्व है। हमारे बहादुर सैनिक हमारी स्वतंत्रता और अखंडता की रक्षा करते हैं। ईश्वर उनकी रक्षा करें और उन्हें बहादुरी के साथ चुनौतियों का सामना करने का अपार साहस दें। जय हिंद।'' कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी सेना की कार्रवाई को समर्थन दिया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ''आपरेशन सिंदूर'' हैशटैग का इस्तेमाल करते हुए कहा, कांग्रेस अपने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ी है। शशि थरूर ने लिखा जोरदार प्रहार करो, चतुराई से प्रहार करो। मैं इस कार्रवाई के लिए सरकार की सराहना करता हूं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ सेना के साथ हैं। एआइएमआइएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा, पड़ोसी देश में आतंकी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट किया जाना चाहिए। उसे ऐसा कड़ा सबक सिखाया जाना चाहिए कि फिर कभी पहलगाम जैसी घटना न हो। राकांपा नेता शरद पवार ने कहा, पहलगाम में जो कुछ भी हुआ, उससे देश के लोगों में चिंता थी। ऐसी स्थिति में कोई भी देश मूकदर्शक नहीं रह सकता। सेना ने सराहनीय काम किया है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, सेना ने पहलगाम हमले का बदला लिया है। जो लोग राजनीतिक लाभ के लिए इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं, वे पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के साथ अन्याय करेंगे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पोस्ट किया ''बहादुर विजयी होते हैं।'' आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने कहा, भारत को पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को खत्म करने में इजरायल का अनुकरण करना चाहिए। बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा,आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हम सब एक साथ हैं।

- हमने कहा था कि आतंकियों को 'मिट्टी में मिला देंगे' और इसे हमने कर दिखाया : भाजपा
- राहुल, प्रियंका समेत अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने किया सेना की कार्रवाई का समर्थन

जेपी नड्डा। फाइल

आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए न्याय की शुरुआत : आरएसएस

नागपुर : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बुधवार को कहा कि 'आपरेशन सिंदूर' पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के लिए न्याय की शुरुआत है। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि पहलगाम के पीड़ितों के लिए न्याय की शुरुआत 'आपरेशन सिंदूर'। न्याय हुआ, इसका राष्ट्र समर्थन करता है। जय हिंद, भारत...।

सेना की सराहना

मुस्लिम धर्मगुरुओं ने आतंकी कैंपों पर कार्रवाई का किया स्वागत, मौलाना तौकीर बोले, पाकिस्तान पर कब्जा कर मिला लें भारत में

बरेलवी उलमा बोले, अखंड भारत बनाने का सही समय

जागरण टीम, नई दिल्ली

मुस्लिम धर्मगुरुओं ने पाकिस्तान स्थित आतंकी शिविरों पर भारतीय सेना की कार्रवाई का स्वागत किया है। इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने वायुसेना को सैल्यूट करते हुए कहा कि आपरेशन सिंदूर पहलगाम के जख्मों पर मरहम है मगर, पूरा इलाज अभी बाकी है। यह सही समय है कि पीओके ही नहीं, पाकिस्तान पर भी कब्जा कर अखंड भारत बना लिया जाए।

बरेली में मौलाना तौकीर ने कहा कि आतंकी हमलों के बावजूद हमारा देश सब्र से काम लेता रहा। 22 अप्रैल को पहलगाम में धर्म पूछकर पर्यटकों की हत्या करना हद तोड़ना था। ऐसी घटनाएं इस्लाम को बदनाम करती हैं। हमारे वायुसैनिकों ने आतंकियों को सही जवाब दिया। आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने वीडियो प्रसारित कर सेना की सराहना की।

कहा कि पाकिस्तान में आतंकी अड्डे ध्वस्त होने से प्रत्येक भारतीय को प्रसन्नता हुई है। आतंकियों को पालने वाले पाकिस्तान पर यह कार्रवाई आवश्यक थी। हमारे जांबाज वायुसैनिकों ने वहां घुसकर आतंकियों पर कार्रवाई की है।

आतंकवादी ठिकानों पर हमला सराहनीय : मौलाना खालिद

लखनऊ संवादादाता के मुताबिक, इस्लामिक सेंटर आफ इंडिया फरंगी महल के अध्यक्ष एवं शाही इमाम मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद पूरे देश को यह उम्मीद थी कि हमारे सशस्त्र बल मानवता को शर्मसार करने वाली घटना के जिम्मेदार लोगों से अवश्य बदला लेंगे। इस साहसी कदम के लिए भारतीय सेना को बधाई।

आतंकवाद का हो समूल नाश : जमात-ए-इस्लामी हिंद

जमात-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि आतंकवाद एक गंभीर खतरा है। यह मानवता के खिलाफ एक जघन्य अपराध है। मुल्क और अवाम की सुरक्षा, संरक्षा और शांति के लिए इसका समूल नाश होना बहुत जरूरी है। आतंकवाद के खिलाफ देश की सशस्त्र सेनाओं और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा की जा रही कार्रवाई को देश के सभी धर्मों और समुदायों का पूर्ण समर्थन है। पूरा भारत एकजुट होकर सेनाओं के साथ खड़ा है। हम सभी राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठनों से देश की एकता, सांप्रदायिक सद्भाव व आपसी सम्मान बनाए रखने के साथ ही जिम्मेदार नागरिक होने के नाते एकजुटता के प्रदर्शन की अपील करते हैं।

हिंदुस्तानी फौज जिंदाबाद... से गूंजा दारुल उलूम

इस्लामिक सेंटर आफ इंडिया के तत्वावधान में दारुल उलूम फरंगी महल में बुधवार को माक ड्रिल की गई। इसमें दारुल उलूम और शाहीन अकादमी के शिक्षकों और विद्यार्थियों को आपातकालीन स्थिति में बचाव के तरीके सिखाए गए। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने तिरंगा लहराते हुए हिंदुस्तान जिंदबाद, हिंदुस्तानी फौज जिंदाबाद के नारे भी लगाए। इसी प्रकार देश के विभिन्न प्रांतों में स्कूलों और मदरसों में पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर सेना की कार्रवाई पर प्रसन्नता जाहिर की गई।

राफेल पर तंज कसने वाले अजय राय ने सेना के पराक्रम को सराहा

जासं, कानपुर : तीन दिन पहले खिलौना विमान पर राफेल लिख उसमें नींबू और मिर्च लटका कर अप्रत्यक्ष तौर पर रक्षा मंत्री पर तंज करने वाले उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने आपरेशन सिंदूर शुरू होने पर सेना के पराक्रम को सराहा है।

बुधवार को वह पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के घर पहुंचे थे। कहा कि सेना की कार्रवाई के बाद अब परिवार को सुकून व दिवंगत शुभम के आत्मा को शांति मिली है। पत्रकारों ने पाकिस्तानी मीडिया में सुर्खियां बटोरने वाले उनके प्रचलित वीडियो के बाबत सवाल किया तो बोले कि राफेल पर उनकी टिप्पणी के बाद ही आतंकियों के ठिकानों पर गोले बरसे और मिसाइलें गिरीं। मेरा मतलब यही था कि राफेल से नींबू-मिर्च हटाइए और आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करिए।

- बोले, यही तो कहना था कि राफेल से नींबू-मिर्च हटाकर कार्रवाई करिए
- आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का तहेदिल से स्वागत

अजय राय। फाइल

आपरेशन सिंदूर के नाम पर कहा कि सरकार नाम कुछ भी रखे बस कार्रवाई करे। सरकार और सेना ने आतंकियों के खिलाफ जो कड़ी कार्रवाई की है उसका तहेदिल से स्वागत है।

गुलाम कश्मीर में भारतीय सेना के मिसाइल हमले में ध्वस्त मदरसा। एएफपी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बुधवार को भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद खुशी मनाते लोग। एएनआइ

पाकिस्तान के मुरीदके में बुधवार को भारतीय मिसाइल हमले में मारे गए लोगों के शव को ताबूत में ले जाते सुरक्षा बल के जवान। एएफपी

बहावलपुर में भारतीय मिसाइल हमले में मारे गए लोगों के ताबूत में रखे शव। रायटर

न्यूज गैलरी

बेटियों का सिंदूर मिटाने वालों को खानदान खोना पड़ा : योगी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन आतंकियों ने पहलगाम में हमारी बहन-बेटियों का सिंदूर मिटाने का काम किया, उनको अपना खानदान खोना पड़ा है। भविष्य में किसी ने इस तरह का दुस्साहस दिखाया तो देश की सेनाएं इससे भी तगड़ा जवाब देंगी। देश की तरफ आंख उठाने वालों से निपटना भारत की सेनाओं को आता है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 'आपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश की सेना की बहन-बेटियों के प्रति संवेदना का प्रतीक है। सेना के पराक्रम को जनता का भी पूरा समर्थन है। (राबू)

श्रीनगर में 31 शरारती तत्वों के ठिकाने खंगाले

श्रीनगर : श्रीनगर और उसके आसपास के इलाकों में पुलिस ने आतंकियों के तंत्र को नष्ट करने के अभियान को जारी रखते हुए बुधवार को 31 आतंकियों, पूर्व आतंकियों व उनके ओवरग्राउंड वर्करों के ठिकानों की तलाशी ली। बीते एक पखवाड़े के दौरान पुलिस श्रीनगर में लगभग 200 आतंकियों और उनके ओवरग्राउंड वर्करों के घरों की तलाशी ले चुकी है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि यह तलाशी उन तत्वों के ठिकानों में हुई है, जिनके खिलाफ यूएपीए, आर्म्स एक्ट व राष्ट्रद्रोह से संबंधित मामले दर्ज हैं। (राबू)

रेल मंत्रालय ने कहा, साझा न करें गोपनीय जानकारी

नई दिल्ली: रेल मंत्रालय ने अपने कर्मचारियों को आगाह किया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां सैन्य ट्रेनों की आवाजाही के बारे में जानकारियां प्राप्त करने का प्रयास कर सकती हैं। मंत्रालय ने कहा है कि गोपनीय जानकारी किसी भी अनधिकृत व्यक्ति के साथ साझा न करें। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और गुलाम जम्मू कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल दागे जाने से एक दिन पहले छह मई को जारी की गई मंत्रालय की एडवाइजरी में कहा गया कि गोपनीय जानकारी अनधिकृत व्यक्ति से साझा करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा होगा। (प्रेट्र)

बैंकों ने साइबर सुरक्षा नेटवर्क को कड़ा किया

नई दिल्ली: सीमा पर तनाव को देखते हुए बैंकों ने किसी भी साइबर हमले से बचने के लिए अपने साइबर सुरक्षा नेटवर्क को कड़ा कर दिया है। पंजाब नेशनल बैंक के एमडी और सीईओ अशोक चंद्रा ने कहा, "हमने साइबर सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया है। हमने किसी भी साइबर हमले को विफल करने के लिए 24 घंटे का वार रूम बनाया है।' उन्होंने कहा कि बैंक ने सीमावर्ती क्षेत्रों में शाखाओं में सुरक्षा भी बढ़ा दी है। बैंक ने कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए भी व्यवस्था की है। बैंक ने साइबर हमले की किसी भी संभावना का सामना करने के लिए एक एंटी-साइबर अटैक मैकेनिज्म स्थापित किया है। (प्रेट्र)

आतंकवाद पर जीरो टालरेंस की नीति अपनाए दुनिया : जयशंकर

दुनिया को संदेश ▶ समर्थन के लिए फ्रांस व जर्मनी के विदेश मंत्रियों को धन्यवाद दिया

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

आपरेशन सिंदूर के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर का पहला बयान यह आया कि दुनिया को आतंकवाद के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनानी चाहिए। यह एक पंक्ति का बयान बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि बुधवार को जब विदेश मंत्री जयशंकर ने जापान, कतर, स्पेन, जर्मनी, फ्रांस के विदेश मंत्रियों से बात की तो यही संदेश दिया।

गुरुवार को जयशंकर ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात करेंगे, तो भारत का यही रुख रखेंगे। ईरान की तरफ से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव खत्म करने की कोशिश की जा रही है। ईरान के विदेश मंत्री एक दिन पहले पाकिस्तान गए थे।

वहीं फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरोट और जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडफुल के साथ वार्ता के बाद जयशंकर ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद इन दोनों मंत्रियों से मिले समर्थन के लिए इनका धन्यवाद। आतंकवाद पर जीरो टालरेंस को लेकर इन दोनों से बात हुई है। जापान के विदेश मंत्री के साथ बातचीत के बाद जयशंकर ने बताया है कि इनके साथ सीमा पार आतंकवादियों के ढांचागत व्यवस्था पर किए गए हमले को लेकर बात हुई है। इसमें भारत के रवैये से अवगत कराया।

एस जयशंकर। फाइल

पाकिस्तान से तनाव के बीच जयशंकर की ईरानी समकक्ष अराघची से वार्ता आज

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर गुरुवार को अपने ईरानी समकक्ष अब्बास अराघची के साथ कई मुद्दों पर बातचीत करेंगे। वार्ता में भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। अगस्त 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद यह ईरानी विदेश मंत्री की पहली भारत यात्रा है। अराघची भारत और ईरान के बीच 20वीं संयुक्त आयोग बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, मैत्री संधि पर हस्ताक्षर की 75वीं वर्षगांठ पर आयोजित आयोग की बैठक में दोनों देशों के बीच आपसी हितों के मुद्दों की समीक्षा की जाएगी।

चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को भारतीय दूतावास ने चेताया

- कहा- इंटरनेट मीडिया पर मैसेज पोस्ट करने से पहले कर लें सत्यता की पुष्टि
- ग्लोबल टाइम्स ने भारतीय लड़ाकू विमान मार गिराने की झूठी खबर फैलाई

बीजिंग, प्रेट्र : चीन में भारत के दूतावास ने बुधवार को चीनी सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को चेताया। ग्लोबल टाइम्स ने पाकिस्तान की सेना द्वारा एक भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराने की झूठी खबर फैलाई थी।

चीन स्थित भारतीय दूतावास ने चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को आगाह किया है कि वह बुधवार को पाकिस्तान के आतंकी अड्डों पर भारतीय सैन्य कार्रवाई के बारे में इंटरनेट मीडिया पर मैसेज पोस्ट करने से पहले इसकी सत्यता की पुष्टि कर ले। भारतीय दूतावास ने एक्स पर पोस्ट किए मैसेज में कहा, प्रिय ग्लोबल टाइम्स न्यूज, हम आपको सलाह देंगे कि इस तरह की गलत सूचना फैलाने से पहले आप अपने तथ्यों की पुष्टि कर लें और अपने स्रोतों की जांच कर लें। मीडिया आउटलेट द्वारा स्रातों की पुष्टि किए बिना ऐसी जानकारी साझा करना जिम्मेदारी और पत्रकारिता की नैतिकता में गंभीर चूक को दर्शाता है। दूतावास ने पोस्ट में एक्स पर पीआइबी फैक्ट-चेक पोस्ट की ओर भी इशारा किया गया है। पीआइबी पोस्ट में कहा गया है, पाकिस्तान समर्थक हैंडल द्वारा

ग्लोबल टाइम्स। फाइल

शेयर की गई पुरानी तस्वीरों से सावधान रहें! दुर्घटनाग्रस्त विमान को दिखाने वाली पुरानी तस्वीर इस दावे के साथ प्रसारित की जा रही है कि पाकिस्तान ने हाल ही में चल रहे आपरेशन सिंदूर के दौरान बहावलपुर के पास भारतीय राफेल जेट को मार गिराया। यह तस्वीर भारतीय वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमान से जुड़ी पुरानी घटना की है, जो 2021 में पंजाब के मोगा जिले में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का इजरायल ने किया समर्थन

- ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी आपरेशन सिंदूर को उचित ठहराया
- फ्रांस, यूएन एवं यूएई ने संयम बरतने और तनाव कम करने का किया आह्वान

नई दिल्ली, आइएएनएस : भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों के खिलाफ चलाए गए 'आपरेशन सिंदूर' को इजरायल ने उचित ठहराया है। इसने आतंकवाद से खुद की रक्षा करने के भारत के अधिकार का समर्थन किया है। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी इस आपरेशन को उचित ठहराते हुए कहा कि आतंकवादियों को कोई छूट नहीं दी जा सकती।

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद एक सुनियोजित सैन्य हमले में भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात आपरेशन सिंदूर चलाया। भारत में इजराइल के राजदूत रूबेन अजार ने एक्स पर पोस्ट किया, "इजराइल भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है। आतंकियों को पता होना चाहिए कि निर्दोष लोगों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों से बचने के लिए कोई जगह नहीं है।" एक्स पोस्ट में सुनक ने कहा, "आतंकियों के ठिकानों पर हमला करना भारत का अधिकार है। आतंकियों को कोई छूट नहीं दी जा सकती।" इससे पहले, पहलगाम आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए सुनक ने कहा था कि उनका देश भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है और यह भी कहा कि "आतंकवाद कभी नहीं जीतेगा"।

ब्रिटेन के मंत्री जोनाथन रेनाल्ड्स ने कहा कि उनका देश तनाव कम करने के लिए भारत और पाकिस्तान दोनों का समर्थन करने के लिए तैयार है। "संयम" दिखाने का आह्वान करते हुए रूस ने कहा कि उसे उम्मीद है कि शांतिपूर्ण और कूटनीतिक तरीकों से तनाव को हल किया जा सकता है। फ्रांस, संयुक्त राष्ट्र और यूएई ने भी संयम बरतने और तनाव कम करने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी कई सदस्य देशों ने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर संयम बरतने का आह्वान किया है। बांग्लादेश ने बढ़ते संघर्ष पर चिंता व्यक्त की और दोनों पड़ोसियों से संयम बरतने का आग्रह किया।

हमले के बाद वैश्विक मीडिया में छाया रहा 'आपरेशन सिंदूर'

- न्यूयार्क टाइम्स ने कहा, भारत ने पाक के अंदर मिसाइल हमला किया
- सीएनएन ने रिपोर्ट में कहा, भारत व पाकिस्तान व्यापक संघर्ष के कगार पर

जेएनएन, नई दिल्ली

भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने की खबर वैश्विक मीडिया में छाई रही। सेना ने आपरेशन सिंदूर के तहत पहलगाम आतंकी हमले का बदला लिया। भारत की इस जवाबी कार्रवाई को विदेशी मीडिया ने अपने-अपने तरीके से कवर किया।

अमेरिकी समाचार पत्र न्यूयार्क टाइम्स ने 'कश्मीर हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के अंदर मिसाइल हमला किया' शीर्षक से खबर प्रकाशित किया। इसकी रिपोर्ट में इस आपरेशन को भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष में बढ़ोतरी के रूप में देखा गया। इसमें यह भी बताया गया कि भारत ने हमले के बारे में पहले ही अमेरिका को सूचित कर दिया था। सीएनएन ने 'भारत और पाकिस्तान व्यापक संघर्ष के कगार पर' शीर्षक दिया और खबर मुख्य रूप से भारत द्वारा राफेल लड़ाकू विमानों और स्कैल्प क्रूज मिसाइलों जैसे उन्नत हथियारों के प्रयोग पर केंद्रित थी। यह भी बताया गया कि भारतीय हमला पाकिस्तान में वहां की सेना नहीं बल्कि आतंकी ठिकानों पर केंद्रित रहा। जबकि वाशिंगटन पोस्ट ने शीर्षक दिया, 'पाकिस्तान पर भारत के हमले से तनाव बढ़ा, इस्लामाबाद ने जवाब देने का लिया संकल्प।' बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया कि भारतीय हमले में बहावलपुर और मुरीदके में आतंकी ठिकाने मुख्य लक्ष्य थे। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता को भी दर्शाया गया कि तनाव गहरा सकता है। गार्जियन ने 'भारत ने पाकिस्तान में घुसकर हमला किया, कश्मीर तनाव बढ़ा' शीर्षक दिया। शिकागो ट्रिब्यून ने 'घातक कश्मीर हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान में मिसाइल हमला किया' शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया। जापान टाइम्स ने 'कश्मीर में पर्यटकों की हत्या को लेकर भारत ने पाकिस्तान पर किया हमला' शीर्षक दिया। टाइम्स आफ इजरायल ने कहा, 'पाकिस्तान पर हमले के बाद इजरायल ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन किया।' जबकि एबीसी कहा, 'भारत ने नौ पाकिस्तानी लक्ष्यों को बनाया निशाना'।

हम फिर घरों से दरबदर हुए, पर खुशी है कि देश ने बदला लिया

जागरण संवाददाता, उड़ी: एलओसी के पास रहने वाले निवासियों के लिए यह एक लंबी रात थी। लोग नींद के आगोश में थे कि मंगलवार देर रात एलओसी गोलाबारी से गरज उठी। युद्ध शुरू होने की आशंका से लोग दहशत में आकर आनन-फानन बिजली बंद कर बंकर की तरफ भाग निकले तो कुछ घरों में दुबके रहे। जैसे-तैसे लोगों ने जान बचाई। यह व्यथा बारामुला व कुपवाड़ा के सीमांत क्षेत्रों में गोलाबारी में फंसे हर घर की थी। सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने सुबह तक आवासीय बस्तियों को निशाना बनाया।

नियंत्रण रेखा से सटे उड़ी क्षेत्र के कमलकोट गांव के मोहम्मद आसिम शेख ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद से हमारे इस सीमांत इलाके में तनाव फैल गया था। आशंका थी कि सीमा पार वाले हमें किसी तरीके से नुकसान पहुंचाएंगे। हालात को भांपते हुए पहले से हमने तैयारियां भी की थीं। हमने घरों में बंकर तैयार रखे थे। रात को अचानक गोलों की गरज से पूरा परिवार दहशत में आ गया। कमलकोट के सैयद सबीर ने कहा कि हमने दुआएं मांगी थी कि यह सरहदें खामोश रहें। हम फिर से घरों से दरबदर हो गए हैं, अलबत्ता खुशी है कि हमारे देश ने पहलगाम का बदला ले लिया।

इंटरनेट मीडिया पर 'जय हिंद' के नारे व देशभक्ति के संदेशों की गूंज

- भारतीय सैन्य बलों के शौर्य की तारीफों के पुल बांधते हुए भारतीयों ने इंटरनेट को पाट दिया

नई दिल्ली, प्रेट्र : पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम जम्मू-कश्मीर में भारत की सैन्य कार्रवाई के बाद आधी रात के बाद से इंटरनेट मीडिया 'जय हिंद' के नारों और देशभक्ति के संदेशों से गूंज उठा। भारतीय सैन्य बलों के शौर्य की तारीफों के पुल बांधते हुए भारतीयों ने इंटरनेट को पाट दिया। एक्स पर हैशटैग आपरेशन सिंदूर, हैशटैग टेरेरिज्म, कर्नल सोफिया कुरैशी और नारीशक्ति पूरा दिन ट्रेंड करते रहे।

ठीक उसी समय वाट्सएप पर नागरिक डिफेंस माक ड्रिल को लेकर संदेशों और बातचीत की बाढ़ आ गई। यहां भी हरतरफ पाकिस्तान और पीओजेके में नौ आतंकी ठिकानों को भारतीय सेना के निशाना बनाने की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। उससे संबंधित वीडियो और संदेश सबसे अधिक साझा किए गए। एक यूजर ने एक्स पर कहा कि सैन्य अभियान आपरेशन सिंदूर के नाम से लेकर नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाने और दो महिला सैन्य अफसरों के इस बारे में जानकारी देने तक सब कुछ शानदार रहा। एक अन्य यूजर ने लिखा रोंगटे खड़े हो गए। भारतीय सेना की जय हो, जय हिंद। एक अन्य पोस्ट में लिखा गया कि न्याय हुआ। जय हिंद। भारतीय सेना

पाकिस्तान में भारत की स्ट्राइक। फाइल

ने कर दिखाया। एक्स पर एक अन्य यूजर ने लिखा कि जैश-ए-मोहम्मद के चार शिविर, लश्कर के तीन और हिजबुल के दो आतंकी शिविरों पर हमला किया गया है। अन्य यूजर ने लिखा कि जय हिंद। जय हिंद की सेना। महिला अफसरों को आपरेशन सिंदूर की जानकारी देने को कहा गया। हिंदुओं के खिलाफ हमले की पहचान का इतना सांकेतिक और प्रभावशाली जवाब दूसरा नहीं हो सकता था। जियो भारत।

इंटरनेट मीडिया पर मीम की बाढ़ आ गई। देसी अंदाज में पाकिस्तान की चुटकियां लेते मील लोगों को हंसा-हंसा कर लोटपोट करते रहे।

ट्रंप ने कहा-मैं उम्मीद करता हूं कि जल्दी ही यह स्थिति समाप्त होगी

प्रथम पृष्ठ से आगे

ट्रंप से जब भारत और पाकिस्तान की स्थिति के बारे में पूछा गया, तो उनका जवाब था-यह शर्मनाक है। मुझे ओवल

हाउस में घुसते ही इस बात की जानकारी दी गई है। मुझे लगता है कि लोगों को अतीत के अनुभवों के आधार पर पता था कि कुछ होने वाला है। वे लंबे समय से लड़ रहे हैं। वे कई दशकों और सदियों से लड़ रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पास इन दोनों देशों के लिए कोई संदेश है, उन्होंने कहा- नहीं। मैं बस उम्मीद करता हूं कि जल्दी ही यह स्थिति समाप्त होगी।

सनद रहे कि 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के बाद सबसे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने ही पीएम नरेन्द्र मोदी से बात की थी। यह भी उल्लेखनीय तथ्य है कि फरवरी, 2019 में जब भारत ने बालाकोट (पाकिस्तान) स्थित आतंकी ठिकानों पर हमला किया था, तब भी ट्रंप ही अमेरिका के राष्ट्रपति थे। बाद में जब दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा तो अमेरिका ने भी बीच-बचाव किया था।

उत्साह

संत समाज ने आपरेशन सिंदूर को बताया धर्म और राष्ट्र की रक्षा का सटीक उत्तर, कहा, भारत ने दिखाया अपना पराक्रम, शास्त्रों के अनुसार राक्षसी शक्तियों का संहार ही धर्म है

आवश्यकता पड़ने पर रणभूमि में उतरने को तैयार संत समाज

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस कार्रवाई पर संत समाज ने भी सेना व केंद्र सरकार की प्रशंसा की है। अखाड़ों के संत व धर्माचार्यों ने इस कार्रवाई को धर्म और राष्ट्र की रक्षा का सटीक उत्तर बताया है। संतों का कहना है कि पहलगाम में धर्म पूछकर पर्यटकों की हत्या सनातन परंपरा पर हमला था। उसका ठोस उत्तर देना समय की मांग थी। नागा संन्यासी भी राष्ट्ररक्षा के लिए सीमा पर उतरने को तत्पर हैं।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (निरंजनी) के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी ने कहा कि आपरेशन सिंदूर पहलगाम में बलिदान हुए लोगों के लिए न्याय है। पाकिस्तान आंख दिखाएगा तो उसका नामोनिशान मिटा दिया जाएगा। यदि जरूरत पड़ी तो नागा साधु भी मातृभूमि की रक्षा के लिए सीमा पर जाने को तैयार हैं। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद (महानिर्वाणी) के अध्यक्ष श्रीमहंत रविन्द्र पुरी कहते हैं कि भारत ने अपना पराक्रम दिखाया है। शास्त्रों के अनुसार राक्षसी शक्तियों का संहार ही धर्म है। निरंजनी आखाड़ा के महामंडलेश्वर स्वामी ललितानंद गिरि ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा में सिंदूर, सुहाग की निशानी होता है। पहलगाम में जिन माता-बहनों का सिंदूर उजड़ा, उसका करारा जवाब हमारी सेना ने आपरेशन सिंदूर के जरिये दिया है। प्रसिद्ध रामकथा वाचक संत मोरारी बापू ने कहा कि भारत ने आतंकवाद परोसने वालों पर एक प्रयोग किया, ताकि सब का शुभ हो। इस प्रयोग के लिए हमारे धीर-वीर जवान और प्रधानमंत्री का बहुत-बहुत अभिनंदन। ज्योतिर्मठ के स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि देशवासियों को सरकार से आगे भी कार्रवाई की उम्मीद है, ताकि पाकिस्तान सौ साल पीछे चला जाए।

****

आतंक के समूल नाश तक इस अभियान को जारी रखने की जरूरत : बाबा रामदेव

योग गुरु बाबा रामदेव ने कहा कि आपरेशन सिंदूर चलाकर सेना ने आतंकिस्तान बने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। अब यह अभियान गुलाम कश्मीर तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सेना की वीरता का बखान करते हुए आतंक के समूल नाश तक इस अभियान को जारी रखने की जरूरत बताई है। कहा कि सेना ने आतंकवाद का गढ़ बन चुके पाकिस्तान को करारा जवाब देकर समस्त देशवासियों को गर्व और संतोष की अनुभूति कराई है।

सेना के शौर्य और रणनीति का प्रमाण : स्वामी चिदानंद

परमार्थ निकेतन में होने वाली गंगा आरती भारत की दृढ़ इच्छा शक्ति, असाधारण सैन्य पराक्रम और सामरिक साहस को समर्पित रही। अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि आपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की अस्मिता, संप्रभुता और आत्मसम्मान का प्रतीक है। यह एक संदेश है उन शक्तियों के लिए जो भारत की शांति को कमजोरी समझने की भूल करते हैं। भारत कभी किसी को छेड़ता नहीं पर कोई उसे छेड़ता है तो छोड़ता भी नहीं।

आतंकवाद को जड़ समेत फेंकना होगा : रविशंकर

नई दिल्ली, एएनआइ : आध्यात्मिक गुरु श्रीश्री रविशंकर ने कहा कि भारत ने आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों को नष्ट कर एक बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। आतंकवाद मानवता के खिलाफ है। इसे जड़ से उखाड़ फेंकना होगा। हमारे देवता एक हाथ में फूल और दूसरे में हथियार रखते हैं। ऐसे लोगों को सबक सिखाया ही जाना चाहिए। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर एक स्मार्ट कदम उठाया है।

एयर स्ट्राइक के वीडियो पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला गिरफ्तार

- भाजपा पदाधिकारियों के हंगामे पर पुलिस ने घेराबंदी कर दो को पकड़ा
- भाजपाइयों की पुलिस से नोकझोंक, सैलून में काम करता है आरोपित

जागरण संवाददाता, मेरठ

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत की एयर स्ट्राइक के प्रसारित वीडियो पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले सैलून के कर्मचारी को साथी संग दबोच लिया गया। भाजपा पदाधिकारी और पार्षदों के हंगामा करने पर सिविल लाइंस पुलिस ने आरोपितों की घेराबंदी की थी।

जैद अपने साथी जीशान के संग सैलून में काम करता है। मंगलवार रात पाकिस्तान में आतंकी अड्डों पर भारत ने हमला किया था। इसके वीडियो प्रसारित हो रहे हैं। एक वीडियो पर जैद ने पाकिस्तान जिंदाबाद लिखकर टिप्पणी की। भाजपाइयों ने विरोध जताते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस सैलून पर पहुंची तो जैद और जीशान भागने लगे। इसके बाद इन्हें पकड़ लिया गया। इंस्पेक्टर सतवीर अत्री ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जैद को गिरफ्तार कर लिया है। जीशान का उससे वास्ता नहीं था। इसलिए उसे छोड़ दिया।

मेरठ में सैलून संचालक ने डीपी पर लगाया पाकिस्तान का झंडा

सैलून संचालक दिलशाद ने अपनी वाट्सएप डीपी पर पाकिस्तान का झंडा लगा लिया। उस झंडे को एक युवती लेकर खड़ी है। हिंदू संगठन के पदाधिकारियों ने इस डीपी विरोध किया। मुख्यमंत्री और लखनऊ से शिकायत के बाद कप्तान ने इंस्पेक्टर को कार्रवाई के निर्देश दिए। शाम को इंस्पेक्टर पुलिस बल के बाद दिलशाद के घर पर पहुंचे। इंस्पेक्टर कुलदीप ने बताया कि आरोपित पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गया है। आरोपित ने छह बजे डीपी से उक्त फोटो हटा दिया।

दैनिक जागरण

स्थायी शांति के लिए शक्ति प्रदर्शन भी आवश्यक हो जाता है

मिट्टी में मिले आतंकी अड्डे

भारत ने जो कहा, वह डंके की चोट पर करके भी दिखा दिया। पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान में जैश, लश्कर और हिजबुल के आतंकी अड्डों को सचमुच मिट्टी में मिला दिया गया-एक नहीं, पूरे नौ आतंकी अड्डे। इनमें से कुछ पाकिस्तान के उस पंजाब प्रांत में थे, जहां पाकिस्तानी सेना की जान बसती है। पाकिस्तान ने यह सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारतीय सेना इतने अंदर तक मार करेगी और वह भी इतनी सटीकता से एक साथ इतनी जगह। आतंकी अड्डों को ध्वस्त करने की सैन्य कार्रवाई कितनी अचूक रही, यह इससे समझा जा सकता है कि पाकिस्तान को न तो चेतने का मौका मिला और न ही हमले रोकने का। यह मायने नहीं रखता कि उसके आतंकी अड्डों में कितने आतंकवादी मारे गए, मायने यह रखता है कि भारत पाकिस्तान में अंदर तक मार कर सकता है और जरूरत पड़ने पर आतंकी अड्डों के साथ उसके किसी भी ठिकाने-यहां तक कि सैन्य ठिकानों को भी निशाना बना सकता है।

वैसे तो भारत ने पाकिस्तान के होश ठिकाने लगाने के लिए सिंधु जल समझौते को स्थगित करने जैसे कई कठोर कदम उठा लिए थे, लेकिन उसके खिलाफ सैन्य कार्रवाई भी आवश्यक थी। केवल इसलिए नहीं कि पहलगाम हमले के बाद देश आक्रोश से उबल रहा था, बल्कि इसलिए भी कि पाकिस्तान को यह पता चले कि भारत को उसे उस भाषा में भी जवाब देना आता है, जिसे वह अच्छे से समझता है। संभवतः इसीलिए इस बार ऐसे घातक हमले किए गए कि न तो आतंकी ठिकानों की फोटो दिखाने की जरूरत रह गई और न ही मारे गए आतंकियों की गिनती करने की। पाकिस्तान के लिए आपरेशन सिंदूर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के मुकाबले कहीं अधिक आघातकारी है। उसे ऐसा आघात देना इसलिए आवश्यक हो गया था, क्योंकि पहलगाम में उसने ऐसी हरकत कर दी थी, जो अक्षम्य थी। भारत ने अपनी सैन्य कार्रवाई का नाम आपरेशन सिंदूर रखकर और उसका विवरण कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के माध्यम से देकर भी पाकिस्तान और विशेष रूप से उसके जिहादी जनरल आसिम मुनीर को जरूरी संदेश दिया। यह संदेश यही है कि भारत को पाकिस्तानी सेना के नफरती एजेंडे को भस्म करना आता है और उसे इसकी परवाह नहीं कि वह परमाणु हथियारों से लैस है। ऐसी निर्भीकता अब तक दुनिया का कोई देश नहीं दिखा सका।

> पाकिस्तान को यह संदेश देना आवश्यक हो गया था कि पहलगाम में उसने ऐसी हरकत कर दी थी, जो अक्षम्य थी

आपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान के साथ विश्व समुदाय को भी यह संदेश दिया कि आतंक सहने की एक सीमा होती है। यदि विश्व समुदाय को संयम बरतने का उपदेश देना ही है तो पाकिस्तान को दे। इसी तरह यदि विश्व समुदाय दक्षिण एशिया में शांति चाहता है तो पाकिस्तान पर इसके लिए दबाव बनाए कि वह अब तो अपनी जिहादी हरकतों से बाज आए। विश्व को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि पाकिस्तान पोषित आतंक के अड्डों में मारे गए लोगों के जनाजे में आतंकी सरगना और पाकिस्तानी सेना के अधिकारी शामिल हो रहे हैं।

भारत ने वह काम कर दिया है, जिससे पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आ जानी चाहिए, लेकिन इसमें देर भी हो सकती है। पाकिस्तानी सेना अपनी झेंप मिटाने के लिए झूठी सूचनाओं का सहारा लेकर जवाबी सैन्य कार्रवाई करने का दम भर रही है। यदि वह कोई दुस्साहस करती है तो भारत को उस पर सीधी चोट करने का जो मौका मिलेगा, उसे भुनाने में नरमी नहीं बरतनी चाहिए। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि पूरा देश एकजुट है और उसका मनोबल भी बुलंदियों पर है। भारतीय सेना ने आतंक के विरुद्ध जिस अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया, उस पर हर भारतीय को गर्व होना चाहिए और साथ ही यह भी समझना चाहिए कि यह समय एकजुट रहते हुए प्रतिकूल परिस्थितियों का भी डटकर सामना करने और अपने-अपने हिस्से का कर्तव्य पालन करने का है। जय हिंद।

आतंक के प्रतिकार की प्रतिबद्धता

श्रीराम चौलिया

एक साथ नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर भारत ने यह कड़ा संदेश दिया कि आतंक से जूझने में वह कोई भी जोखिम उठाने को तैयार है

अवधेश राजपूत

आपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। सबसे पहले तो इस अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान को सख्त संदेश दिया कि पहलगाम या ऐसे किसी अन्य आतंकी हमले के जिम्मेदार जिहादियों को उनके किए की सजा देने की भारत के पास दृढ़ इच्छाशक्ति और पर्याप्त क्षमताएं हैं। जिस उन्नत प्रौद्योगिकी, सटीक हथियारों और पूरी दक्षता के साथ भारत ने पाकिस्तान के भीतर जवाबी हमला किया, उससे कोई संदेह नहीं रह गया कि आतंकवाद अगर अपने पंख पसारेगा तो भारत की ओर से उन्हें कतरने में कोई कोताही नहीं की जाएगी। सीधे शब्दों में कहें तो भारत ने पाकिस्तान के समक्ष स्पष्ट किया कि वह किसी भी दुस्साहस से पहले सोच ले कि इसकी उसे कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी।

इससे पहले 2016 में उड़ी और 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत ने जवाबी हमले से यही दर्शाया था कि अब वह साफ्ट स्टेट नहीं रहा कि हमलों के बाद भी हाथ पर हाथ धरा बैठा रहे। अब एक साथ नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने से पाकिस्तान को और भी कड़ा संदेश गया है कि आतंक से जूझने की राह में भारत कोई भी जोखिम उठाने को तैयार है। एक प्रकार से भारत ने पाकिस्तान को ललकारा है कि अपनी लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए वह अपनी सीमा में रहे तो बेहतर, अन्यथा उसे सबक सिखाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान की कुतर्कों भरी और जिहादी विचारधारा को देखते हुए क्या वह सबक सीखेगा और दशकों से कश्मीर और इस्लाम के नाम पर चला रहे अपने छद्म युद्ध से परहेज करेगा? इसका उत्तर तो भविष्य के गर्भ में है, लेकिन पाकिस्तान के मूल चरित्र को देखते हुए यह संभव नहीं लगता। इस मोर्चे पर तब तक कोई संभावना नहीं जगने वाली, जब तक पाकिस्तान के भीतर फौजी प्रतिष्ठान का देश पर नियंत्रण समाप्त न हो जाए। संभवतः भारत के साथ पूर्ण युद्ध और शर्मनाक हार से ही ऐसा मूलभूत परिवर्तन होगा। हाल-फिलहाल तो भारत की कार्रवाई से रावलपिंडी में बैठे जनरलों का मिजाज बिगड़ेगा। उनकी स्थिति कमजोर होगी, लेकिन वे यह भलीभांति जान गए होंगे कि अगर पुराने ढर्रे पर चले तो आगे हालात और भी खराब हो सकते हैं। जिहादियों को बहादुर और हिंदुओं को कमजोर बताने वाले उनके प्रचार की हवा मोदी युग में पूरी तरह निकल गई।

आपरेशन सिंदूर का दूसरा बड़ा संदेश अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए है, जो पाकिस्तान पर दबाव डालने के साथ ही उसके व्यवहार में कुछ परिवर्तन ला सकता है। पहलगाम हमले के बाद से ही भारत ने कूटनीतिक विकल्पों के माध्यम से बड़ी महाशक्तियों के समक्ष पाकिस्तान को आतंक का पर्याय बनाकर पेश किया और उसके जघन्य कृत्यों के लिए न्याय की मांग की।

इस कवायद में प्रतिक्रियाएं कुछ हद तक मिश्रित थीं, जिसमें अमेरिका, यूरोप और यहां तक कि पाकिस्तान के सबसे अच्छे मित्र चीन ने पहलगाम नरसंहार की निंदा की। हालांकि कुछ ने यह आग्रह भी किया कि भारत और पाकिस्तान अपने मतभेदों को बातचीत से सुलझाएं। अधिकांश देश इस समस्या को कश्मीर के स्वामित्व को लेकर दीर्घकालिक द्विपक्षीय क्षेत्रीय विवाद के रूप में देखते हैं। वे यह जानते हैं कि दोनों देश परमाणु हथियारों से लैस हैं। इसीलिए किसी भी तनाव के समय उनकी सामान्य प्रतिक्रिया यही होती है कि आपसी संयम रखकर बातचीत से विवाद सुलझाएं। भारत में अक्सर ऐसे स्वर बेसुरे लगते हैं कि आतंक से पीड़ित होने के बाद भी वही संयम दिखाए। मोदी सरकार से पहले की सरकारों में तो यही रवैया अपनाया भी जाता रहा, जिससे पाकिस्तान के हौसले और बढ़ते गए।

पिछले 11 वर्षों में भारत ने चर्चा की विषयवस्तु को क्षेत्रीय संघर्ष से इतर उसे आतंक के विरुद्ध लड़ाई में बदलने का प्रयास किया है। भारत के करीबी मित्र देशों में हमारे दृष्टिकोण के प्रति सहानुभूति बढ़ी है और कई सामरिक साझेदारों से आतंक के विरुद्ध लड़ने के लिए सैन्य और खुफिया सहायता भी मिली है। इसके बावजूद तथ्य यह भी है कि सभी बड़ी शक्तियां चाहती हैं कि भारत-पाकिस्तान तनाव किसी युद्ध में न बदले। यानी कि भारत जवाबी मुक्का मारे भी तो ऐसे मारे कि वह नियंत्रित और नपा-तुला हो। इसके मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा संकट के दौरान भारत ने पाकिस्तान के विरुद्ध तनाव का दायरा बढ़ने पर भी अपने जवाबी कदमों को नियंत्रित एवं लक्षित रखा। पाकिस्तानी सैन्य और नागरिक स्थलों को सीधे निशाना न बनाकर भारत ने दिखाया कि उसके पास जिहाद की अपारंपरिक चुनौती से निपटने के लिए पूर्ण युद्ध ही नहीं, उससे कम घातक, किंतु उतने ही प्रभावी विकल्प भी हैं। आपरेशन सिंदूर को अमल में लाने से पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में भी पहलगाम नरसंहार के अपराधियों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कठघरे में खड़ा करने को लेकर भी अपना पक्ष रखा था।

गैर-पारंपरिक रणनीति और दुश्मन को चौंकाने वाले तौर-तरीकों के जरिये भारत न केवल अपनी रक्षा कर रहा है, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक संघर्ष में नए मानदंड भी स्थापित कर रहा है। जिहादी शैतानों से पीड़ित सभी देश भारत के आपरेशन सिंदूर और उसके बाद के हालात को बारीकी से देखेंगे तो भारत की प्रतिक्रिया उन्हें अनुकरणीय लगेगी। भारत पाकिस्तान को उसकी सीमा में रखते हुए वैश्विक परिदृश्य के लिए प्रभावी समाधान प्रस्तुत कर रहा है। भारत जैसी बड़ी और उभरती हुई शक्ति के तौर-तरीके केवल आत्मरक्षा तक सीमित नहीं रहेंगे। उनकी धमक पश्चिम एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्वी एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका तक गूंजेगी। जैसे दुनिया भर के जिहादी संगठन एक दूसरे से प्रेरणा और मदद लेते हैं, वैसे ही जिहाद के विरुद्ध खड़ी ताकतें भी एक दूसरे से सीखने और सहयोग में विश्वास रखती हैं। पहलगाम हमले के बाद अपनी जवाबी कार्रवाई से भारत ने यही संदेश दिया है कि हम केवल अपने लिए नहीं, अपितु समस्त मानवता के लिए लड़ रहे हैं।

(लेखक जिंदल स्कूल आफ इंटरनेशनल अफेयर्स में प्रोफेसर और डीन हैं)
response@jagran.com

अपने ही गड्ढे में गिरी पाकिस्तानी सेना

दिव्य कुमार सोती

पाकिस्तानी पंजाब के अंदर भी भारत की सैन्य कार्रवाई पाकिस्तान सेना के मुंह पर कालिख पोतने जैसी है

बहावलपुर में ध्वस्त आतंकी ठिकाना। एएफपी

भारतीय सेनाओं ने 1971 के बाद आपरेशन सिंदूर के जरिये सीमा पार सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाई में गुलाम जम्मू-कश्मीर और साथ ही पाकिस्तान के भीतर नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। इनमें लश्कर-ए-तैयबा का मुरीदके और जैश-ए-मोहम्मद का बहावलपुर मुख्यालय भी शामिल है। इस हमले से भारत ने मात्र पहलगाम ही नहीं, अपितु अतीत हुए कई आतंकी हमलों का बदला एक साथ ले लिया। जैश कमांडर रऊफ अजहर, जो कंधार विमान अपहरण कांड, संसद पर हमले और अमेरिकी-यहूदी पत्रकार डेनियल पर्ल की हत्या में शामिल था, के परिवार के कई सदस्य बहावलपुर में जैश के मुख्यालय पर हुई बमबारी में मारे गए। आतंकी मौलाना मसूद अजहर के परिवार के भी तमाम सदस्य इन हमलों में ढेर हो गए। भारतीय सेनाओं ने लश्कर का वह कैंप भी उड़ा दिया, जिसमें मुंबई आतंकी हमले के लिए अजमल कसाब को प्रशिक्षण मिला था।

वैसे तो पाकिस्तान छाती पीट रहा है कि भारत की सैन्य कार्रवाई में आम नागरिक भी मारे गए, परंतु वह यह नहीं बता पा रहा है कि ये कथित आम लोग रात डेढ़ बजे इन आतंकी कैंपों में क्या कर रहे थे? यह याद रहे कि पाकिस्तानी आतंकी हमेशा महिलाओं और बच्चों को निशाना बनाते आए हैं, फिर चाहे 2002 में कालूचक में सेना के आवासीय क्वार्टरों पर हमला कर दस बच्चों और आठ महिलाओं की निर्ममतापूर्वक हत्या करना हो या फिर वंधावा आतंकी हमले में कश्मीरी हिंदू बच्चों को उनके माता-पिता के सामने गोली मारने जैसे पाशविक कृत्य रहे हों। भारत ने दशकों तक इन अत्याचारों को सहते हुए संयम बरता, परंतु अब जब हिसाब करने की ठानी तो एक झटके में इन पुरानी घटनाओं का भी बदला ले लिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद यह जो कहा था कि भारत इस हमले को अंजाम देने वालों और उसकी साजिश रचने वालों को धरती के अंतिम छोर तक खोजकर सजा देगा, वह उन्होंने कर दिखाया। आतंकियों के साथ उनके परिवार वालों के मारे जाने से पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश गया कि भारत दशकों पुराने आतंकी कृत्यों को भी भूलता नहीं और समय आने पर बदला अवश्य लेता है। अब इस अभूतपूर्व सैन्य कार्रवाई के बाद क्या? पाकिस्तानी फौज गुलाम कश्मीर में तो भारतीय सैन्य कार्रवाई को बर्दाश्त कर भी ले, परंतु पाकिस्तानी पंजाब के अंदर सैन्य कार्रवाई उसके मुख पर कालिख पोतने जैसी है। पाकिस्तानी व्यवस्था में पंजाब पाकिस्तान का मर्म और फौज का गढ़ है। पाकिस्तान में सेना और उसके पंजाबी गढ़ को वही दर्जा प्राप्त है, जो मधुमक्खी के छत्ते में रानी मक्खी और उसके चैंबर का होता है। द्विराष्ट्रवाद के सिद्धांत के बहाने सांप्रदायिक जहर उगलकर पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने पहलगाम में जिहादी हिंसा का नंगा नाच तो करा दिया, परंतु अब अपने ही बुने जाल में खुद फंस गए। उन्होंने सोचा था कि पिछली बार की तरह भारत जंगल में स्थित किसी ऐसे आतंकी ठिकाने पर हमला करेगा, जहां कैमरे नहीं पहुंच सकते और जहां वह हफ्तों बाद मीडिया का दौरा करा कर कह देंगे कि भारतीय हमला विफल रहा।

मुनीर ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सीमा से सैकड़ों किमी दूर पंजाब स्थित बहावलपुर के बीचोबीच जैश के आतंकी मुख्यालय पर मिसाइलें दाग सकता है। पाकिस्तानी फौज की बची-खुची इज्जत बचाने के लिए मुनीर के पास भारत के विरुद्ध किसी कार्रवाई के दिखावे के अलावा कोई चारा नहीं। यह भी बहुत जोखिम भरा है, क्योंकि आपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने स्पष्ट किया है कि उसने संयम बरतते हुए पाकिस्तान के किसी सैन्य अथवा नागरिक ठिकाने को निशाना नहीं बनाया। पाकिस्तानी सेना के सामने दिक्कत यह है कि भारत में कोई आतंकी ठिकाना नहीं है, जिसे निशाना बनाकर वह जवाबी कार्रवाई का नैतिक आधार बना सके। तब यही आशंका है कि वह भारतीय सैन्य ठिकानों या निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाए। आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तानी सेना ने हमारे सीमावर्ती गांवों में आम लोगों को निशाना बनाया भी है। बालाकोट हमले के बाद भी पाकिस्तानी सेना ने भारत के एक ब्रिगेड हेडक्वार्टर पर बमबारी का असफल प्रयास किया था।

यदि आपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तानी फौज कोई उकसाने वाला अनैतिक कदम उठाती है तो भारत को मौके का लाभ उठाकर जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ के रास्तों और खासकर हाजी पीर दर्रे को अपने नियंत्रण में ले लेना चाहिए। अगर पाकिस्तान फिर से कोई आतंकी कार्रवाई कराता है तो भारत आइएसआइ अफसरों को वैसे ही निशाना बना सकता है, जैसे अमेरिका ने ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी को बनाया था। यदि पाकिस्तानी सेना सैन्य तनाव बढ़ाती है तो भारत को उसकी युद्धक क्षमता कुंद कर देनी चाहिए। इसका लाभ हमें चीन के मोर्चे पर भी मिलेगा, क्योंकि वह दशकों से पाकिस्तान की ढाल बना हुआ है। इससे पाकिस्तान के पास मौजूद चीनी लड़ाकू विमानों और अन्य हथियारों की सही क्षमता का आकलन भी विश्व को होगा। इससे चीनी गुब्बारे की हवा निकल सकती है। चीन पाकिस्तान के जोखिम को समझ रहा है, इसलिए ही उसने आपरेशन सिंदूर को दुर्भाग्यपूर्ण कहा। पाकिस्तानी सेना अपने खोदे गड्ढे में खुद ही गिर चुकी है और वह इतना गहरा है कि चीन के लिए भी उसे बाहर निकालना मुश्किल है।

(लेखक काउंसिल आफ स्ट्रैटेजिक अफेयर्स से संबद्ध सामरिक विश्लेषक हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

निराशा से आशा की ओर

जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियां व्यक्ति को निराशा से भर देती हैं। निराशा एक ऐसा भाव है जो मन-मस्तिष्क को अवसाद, अनुत्साह एवं आत्मविस्मृति की गर्त में धकेल देता है। यह एक गूढ़ मानसिक अवस्था है, जिसमें व्यक्ति की आशा-आकांक्षाएं क्षीण हो जाती हैं और जीवन की सार्थकता पर प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं। निराशा न केवल आत्मबल को कमजोर करती है, अपितु वैचारिक प्रज्ञा को भी क्षीण कर देती है। निराशाजन्य स्थिति में व्यक्ति आत्मावलोकन की प्रक्रिया में ही उलझकर रह जाता है, जहां आत्मग्लानि एवं हीनभावना उसकी चेतना पर ग्रहण लगा देती हैं।

निराशा की उत्पत्ति की पड़ताल करें तो सामान्य रूप से यह अतृप्त इच्छाओं, अपूर्ण लक्ष्यों तथा सामाजिक या पारिवारिक दबावों से उत्पन्न होती है। इस भाव की जड़ें आत्मविश्वास के ह्रास एवं जीवन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण में भी निहित हो सकती हैं। व्यक्ति बाह्य संसार से विमुख होकर अंतर्मुखी हो जाता है। निराशा से निकलकर ही जीवन को सही दिशा में उन्मुख किया जा सकता है। यदि व्यक्ति आत्मसंवाद, आत्मचिंतन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए, तो वह पुनः आशा की ओर उन्मुख हो सकता है। योग, ध्यान, साहित्यिक साधना एवं सत्संग निराशा के निराकरण में सहायक होते हैं। मनोबलवर्धक विचारों का अनुशीलन एवं सहृदय संवाद भी इस भावात्मक विकृति को साम्य में परिवर्तित कर सकता है। याद रहे कि निराशा एक गहन, किंतु क्षणिक मनोदशा है, जिसे उचित मार्गदर्शन, आत्मविवेक एवं सकारात्मक परिवेश के माध्यम से परास्त किया जा सकता है। यह चेतावनी है, न कि पराजय। यदि इसे जीवन के पुनर्निर्माण का संकेत मानकर आत्ममंथन किया जाए, तो यह विघटन नहीं, बल्कि नवसृजन का प्रस्थान बिंदु बन सकती है। डाने ने कहा है-निराशा स्वर्ग की सीलन है, जैसे प्रसन्नता स्वर्ग की शांति।

नृपेंद्र अभिषेक नृप

इंटरनेट मीडिया पर अभद्र टिप्पणियां

मोनिका राज

आज के डिजिटल युग में इंटरनेट मीडिया का प्रभाव अभूतपूर्व रूप से बढ़ा है। यह माध्यम विचारों की अभिव्यक्ति, संवाद और सामाजिक मुद्दों की समझ का एक सशक्त उपकरण बन सकता था, लेकिन दुर्भाग्यवश यह कई बार एक ऐसा मंच बन गया है, जहां असभ्यता, अशिष्टता और अभद्रता खुलेआम परोसी जाती है। विशेष रूप से संवेदनशील मुद्दों पर बात करने वालों को जिस तरह से निशाना बनाया जाता है, वह हमारी सामाजिक चेतना पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

हाल ही में पहलगाम में हुए एक आतंकी हमले की शिकार महिला को इंटरनेट मीडिया पर जिस तरह से अभद्र टिप्पणियों और ट्रोलिंग का शिकार बनाया गया, वह न केवल दुखद है, बल्कि चिंताजनक भी है। राष्ट्रीय महिला आयोग को इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा। परंतु प्रश्न केवल एक पीड़िता की रक्षा का नहीं है, यह एक व्यापक समस्या की ओर संकेत करता है, एक ऐसी प्रवृत्ति जो दिन-प्रतिदिन समाज में विष घोल रही है।

> इंटरनेट मीडिया पर महिलाओं को अभद्र भाषा, अश्लील टिप्पणियों और धमकियों का निशाना बनाना आम हो गया है

किसी महिला के राजनीतिक विचार हों, सामाजिक राय हो या धार्मिक मत, हर दृष्टिकोण के साथ उसे 'चरित्र' के आईने में देखा जाता है। यह केवल ट्रोलिंग नहीं, एक तरह की मानसिक हिंसा है, जिसे समाज सामान्य मान बैठा है। यह मनोवृत्ति बताती है कि हमारे समाज में अब भी महिलाओं को एक स्वतंत्र चिंतक के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है।

राजनीति, धर्म, जाति और लिंग जैसे संवेदनशील मुद्दों पर जो लोग सरकार या बहुसंख्यक विचारधारा से असहमत होते हैं, उन्हें इंटरनेट मीडिया पर निशाना बनाया जाता है। लिहाजा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर नियंत्रण और निगरानी के लिए मजबूत कानूनों की आवश्यकता है। ट्रोलिंग और आनलाइन अभद्रता को गंभीर अपराध की श्रेणी में रखा जाना चाहिए और ऐसे अपराधियों पर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए। आज कानून मौजूद हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन कमजोर है। इंटरनेट मीडिया कंपनियों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी, क्योंकि वे इस अभद्रता के वाहक बनते जा रहे हैं।

आजकल अभद्रता का आतंक एक ऐसा विषय है जो केवल इंटरनेट की दुनिया तक सीमित नहीं है, यह समाज की गहराइयों में पैठ चुका है। यह हमारे सोचने, बोलने और संवाद करने के तरीके को विकृत कर रहा है। जब तक हम एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में इस प्रवृत्ति का विरोध नहीं करेंगे, तब तक न तो कोई आयोग मदद कर पाएगा, न कोई कानून। इंटरनेट मीडिया को अगर समाज का आईना बनाना है, तो पहले समाज को अपना चेहरा साफ करना होगा। केवल वही समाज सशक्त होता है जो अपनी कमजोरियों को स्वीकार कर उन्हें दूर करने का प्रयास करता है। समय आ गया है कि हम अभद्रता के इस आतंक के विरुद्ध एकजुट हों और एक समावेशी एवं सभ्य डिजिटल समाज की ओर बढ़ें।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

आतंक का स्थायी उपाय आवश्यक

'आतंक के आका का हो स्थायी उपचार' शीर्षक से प्रकाशित आलेख में तरुण गुप्त ने स्पष्ट संदेश दिया है कि आतंक के विरुद्ध युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं, कूटनीति, अर्थव्यवस्था और सूचना युद्ध के मोर्चों पर भी लड़ा जाना चाहिए। भारत विरोधी आतंक का स्थायी समाधान केवल प्रतिघात से नहीं, बल्कि बहुआयामी राष्ट्रीय-परिपक्व रणनीति द्वारा ही संभव है, जिसमें कूटनीति, आंतरिक असंतुलन, सीमांत सैन्य-बल, वैचारिक मोर्चाबंदी और वैश्विक मंचों पर सतत दबाव का समन्वय आवश्यक है। पाकिस्तान ने आतंकवाद को राज्यनीति का अंग बनाकर अपने ही अस्तित्व को विकृति की दिशा में धकेल दिया है, जहां उसकी सेना, गुप्तचर तंत्र और कट्टरपंथी संगठनों का त्रिकोण भारत-विरोध की साजिशों का अनवरत स्रोत बन चुका है। भारत को चाहिए कि वह इस त्रिकोण को तोड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन के साथ आर्थिक दंडात्मक उपायों का सूत्रपात करे, विशेषतः वित्तीय कार्यबल मंच पर उसका बहिष्कार सुनिश्चित करने हेतु। इसके साथ-साथ बलूचिस्तान और सिंध आदि पाकिस्तानी प्रांतों में मानवाधिकार हनन की घटनाओं को वैश्विक विमर्श का हिस्सा बनाकर पाकिस्तान को वैचारिक धरातल पर ही अस्थिर करना होगा। आतंक-निरोधक ढांचे को समयानुकूल सशक्त कर भारत को हर मोर्चे पर आत्मनिर्भर बनाना अनिवार्य है। जब तक आतंक का आश्रयदाता देश अपनी ही नीति से संकटग्रस्त न हो जाए, तब तक शांति का कोई भी प्रयास केवल अस्थायी मरहम सिद्ध होगा।

awanishg30@gmail.com

मेलबाक्स

सिंदूर छीनने वालों के लिए आपरेशन सिंदूर

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे भारत को झकझोर कर रख दिया। इस क्रूरता का जवाब देने के लिए भारत ने छह-सात मई की मध्यरात्रि को ''आपरेशन सिंदूर'' शुरू किया, जो न केवल एक सैन्य कार्रवाई थी, बल्कि भारत की संकल्प शक्ति और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस नीति का प्रतीक बन गया। इस अभियान का नाम रखे जाने के पीछे की भावना भारतीय संस्कृति और भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। ज्ञात हो कि पहलगाम हमले में कई महिलाओं ने अपने पतियों को खोया, उनके मांग का सिंदूर उजड़ गया। सिंदूर, जो सुहाग और सम्मान का प्रतीक है, इस आपरेशन के माध्यम से उन बलिदानियों और उनके परिवारों के लिए न्याय का प्रतीक बना। यह नाम भारत सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह अपने नागरिकों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएगी। कहा जा सकता है कि आपरेशन सिंदूर भारत की सैन्य ताकत, रणनीतिक बुद्धिमत्ता और आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। यह केवल सैन्य कार्रवाई के साथ ही मासूमों के खून का बदला और देश की एकता का संदेश है। यह आपरेशन विश्व को यह स्पष्ट करता है कि भारत अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। जैसा कि भारतीय सेना ने कहा, ''न्याय हुआ, जय हिंद!''

समराज चौहान, कार्बी आंगलांग, असम

सैन्य तनाव के बीच शेयर बाजार पर भरोसा

भारत-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव और हालिया एयर स्ट्राइक की घटनाओं के बावजूद शेयर बाजार ने अपेक्षित नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दिखाई है। आमतौर पर इस प्रकार की सैन्य गतिविधियां निवेशकों में डर पैदा करती हैं, जिससे बाजार में गिरावट देखने को मिलती है। लेकिन इस बार स्थिति अलग रही, बाजार मजबूती से टिके रहे और प्रमुख सूचकांकों में कोई बड़ी गिरावट नहीं देखी गई। इसका एक बड़ा कारण यह है कि निवेशकों को भारत की सामरिक स्थिति पर भरोसा है। एयर स्ट्राइक की योजना और निष्पादन में जिस तरह की सटीकता दिखाई दी, उससे यह संकेत मिला कि भारत बिना युद्ध को व्यापक बनाए सीमित कार्रवाई करने में सक्षम है। घरेलू आर्थिक आंकड़ों में स्थिरता व वैश्विक बाजारों की सकारात्मक दिशा ने भी बाजार को सहारा दिया। वैसे भू-राजनीतिक हालातों पर सतर्क नजर रखना जरूरी है, क्योंकि कोई भी अप्रत्याशित घटना बाजार की दिशा बदल सकती है।

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम, एमपी

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी- 210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

नरेंद्र शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

आजकल

आतंकी शिविरों पर प्रहार की रणनीति

पिछले लगभग तीन दशक से भारत आतंकवाद की विभीषिका झेल रहा है। पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर किए गए आतंकी हमले से देशभर में आक्रोश फैल गया। आतंकियों के इस कायरतापूर्ण कृत्य का भारत ने जिस वीरता और रणनीतिक चातुर्य से उत्तर दिया, वह न केवल सैन्य पराक्रम का प्रदर्शन, बल्कि न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का उद्घोष भी था। 'आपरेशन सिंदूर' के रूप में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए अभियान ने दिखा दिया कि भारत अब आतंकवाद को अधिक समय तक बर्दाश्त नहीं करेगा

प्रतीकात्मक

छह-सात मई की रात भारतीय सेना ने पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के नौ ठिकानों पर हमला किया। इस सफल आपरेशन सिंदूर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रातभर की निगरानी में अंजाम दिया गया। इस अभियान के तहत भारतीय सेना ने नौ आतंकी अड्डों को अपना निशाना बनाया। यह कार्रवाई केवल एक सैन्य जवाब नहीं था, बल्कि यह भारत की उस नई रणनीतिक सोच की अभिव्यक्ति थी जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जा सकता।

बहरहाल, आपरेशन सिंदूर की सफलता से दो महत्वपूर्ण सवाल उठते हैं। क्या यह नवीनतम स्ट्राइक युद्ध में बदल जाएगी? दूसरा यह कि क्या इससे सीमा पार से आतंक निर्यात होना बंद हो जाएगा? पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर भारत ने एयर स्ट्राइक तो कई बार मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भी की थीं, हालांकि उन्हें अधिक प्रचारित नहीं किया गया और अब से पहले नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में ही दो बार एयर स्ट्राइक की जा चुकी हैं। लेकिन इनसे आतंक पर काबू नहीं पाया जा सका है, रावण का एक सिर कटता है, तो दूसरा निकल आता है। इसलिए आतंक का समर्थन करने वाले रावण-रूपी पाकिस्तान को मारने के लिए आर्थिक उपाय भी करने होंगे। आतंक का पहिया पैसे से चलता है। पैसा नहीं होगा तो यह पहिया भी जाम हो जाएगा। कर्ज में डूबे हुए पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति को अतिरिक्त तंग करने की आवश्यकता है।

भारत ने पाकिस्तान के साथ व्यापार पर प्रतिबंध तो लगाया है, लेकिन आवश्यकता इस बात की भी है कि पाकिस्तान के टेक्सटाइल और अन्य उद्योगों को अर्थहीन बनाया जाए। नई दिल्ली अरब देशों से अपने अच्छे संबंधों का फायदा उठाते हुए सुनिश्चित करे कि वह पाकिस्तान को बेलआउट न करें (जब तक वह आतंक का समर्थन करना बंद नहीं करता) और भारत अपने रक्षा व एफडीआई समझौतों में 'पाकिस्तान को नहीं' प्रविधान शामिल करे। जब तक पाकिस्तान की आर्थिक कमर नहीं तोड़ी जाएगी, आतंक पर विराम नहीं लगेगा।

भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर अब तक जितनी भी एयर स्ट्राइक की हैं, उनका विस्तार युद्ध में नहीं हुआ है। आपरेशन सिंदूर में भी भारत ने यह ख्याल रखा है कि पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों पर कोई हमला न किया जाए, शायद इसलिए कि बात युद्ध तक न पहुंचे। लेकिन जब गोलियां चलती हैं तो इस बात की कोई गारंटी नहीं रहती है कि टकराव क्या रूप धारण कर लेगा या जो पहले नहीं हुआ, वह आगे नहीं हो सकता है। भारतीय एयर स्ट्राइक के बाद नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना ने सीजफायर का उल्लंघन जारी रखते हुए गोलीबारी पहले से तेज कर दी है, जिसका भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक वक्तव्य में कहा है कि भारतीय वायु सेना ने भारतीय एयरस्पेस में रहते हुए अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार मुरीदके व बहावलपुर में और नियंत्रण रेखा के पार कोटली और मुजफ्फराबाद (गुलाम जम्मू-कश्मीर) में स्टैंडआफ हथियारों का प्रयोग करते हुए टारगेट्स पर हमला किया है। यह स्वीकार करते हुए कि इन स्ट्राइक्स में कुछ लोग हताहत हुए हैं, पाकिस्तान ने कहा है, 'अपनी पसंद की जगह व समय के अनुसार पाकिस्तान उचित प्रतिक्रिया व्यक्त करने का अधिकार रखता है।' आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने अपनी एयरस्पेस को साफ कर दिया। फ्लाइटराडार नक्शे अचानक साफ एयरस्पेस दिखा रहे हैं।

भारत की तैयारी पूरी : पाकिस्तान कोई ओछी हरकत न करे, इसलिए भारत न केवल पूरी तैयारी किए हुए है, बल्कि वह समुद्र से हवा तक अपनी ताकत का प्रदर्शन भी कर रहा है। मसलन, आपरेशन सिंदूर के कुछ घंटे बाद ही भारतीय वायु सेना ने राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट बड़ी एयर काम्बैट एक्सरसाइज की, जिसमें फ्रंटलाइन फाइटर्स जैसे राफेल, मिराज 2000, सुखोई-30 एमकेआई आदि का प्रयोग किया गया। उत्तरी अरब सागर में भारतीय नौ सेना ने भी ड्रिल किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आदेश पर सात मई को सभी राज्यों में माक ड्रिल का भी आयोजन किया गया, ताकि 'किसी भी हमले' की स्थिति में नागरिकों को मालूम हो सके कि एयर रेड वार्निंग सायरन के बजने पर उन्हें अपनी सुरक्षा किस तरह से करनी है। बुधवार (सात मई) को पंजाब और जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्कूलों को बंद रखा गया। सिविल डिफेंस की तैयारी को बरकरार रखना विवेकपूर्ण है।

एक अन्य महत्वपूर्ण घटनाक्रम में इस्लामाबाद का दौरा करने के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची बुधवार को नई दिल्ली पहुंचे, भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री आदि से पहलगाम हमले के बाद भारतीय उपमहाद्वीप की तनावपूर्ण स्थिति पर चर्चा करने के लिए। ईरान, भारत व पाकिस्तान के बीच 'आपसी वार्ता' पर बल दे रहा है, ताकि युद्ध को रोका जा सके। आगे क्या होगा? कुछ कहा नहीं जा सकता। स्थिति विस्फोटक है। मंगलवार को भारत व पाकिस्तान की सेनाएं डीजीएमओ (डायरेक्टर जनरल आफ मिलिट्री आपरेशंस) हाटलाइन पर बात करती हैं और बुधवार की सुबह पौ फटने से पहले ही आपरेशन सिंदूर सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा समिति की बंदे कमरे में हुई बैठक से खाली हाथ लौटे पाकिस्तान की लफ्फाजी की परवाह किए बिना भारत को अपना विचारशील दृष्टिकोण जारी रखना चाहिए, क्योंकि आतंकियों को मोहरा बनाकर पाकिस्तान जो प्राक्सी युद्ध कर रहा है, उस पर विराम लगाने व उसे पराजित करने का यही सबसे अच्छा तरीका है। (ईआरसी)

भारत की शक्ति और रणनीति का अभूतपूर्व प्रदर्शन

आदर्श तिवारी
स्वतंत्र टिप्पणीकार

आपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि आतंकी हमलों के खिलाफ एक निर्णायक प्रतिक्रिया का अभूतपूर्व प्रतीक है। इस आपरेशन ने भारतीय सुरक्षा बलों की चतुराई, शौर्य, सैन्य कौशल और कूटनीतिक सफलता को उजागर किया है। साथ ही, भारतीय सेना ने यह संदेश भी दिया कि भारत अब आतंकवाद के खिलाफ अपनी नीति को और अधिक कठोर बना चुका है। 'आपरेशन सिंदूर' की शुरुआत 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद हुई, जिसमें 26 निर्दोष नागरिक मारे गए थे। ये लोग पर्यटक थे और उनकी हत्या एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई थी। इस हमले के बाद भारत सरकार ने स्पष्ट रूप से पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अब वह आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में कोई कोताही नहीं बरतेगा।

लिहाजा भारतीय सेना द्वारा किए गए सैन्य आपरेशन का उद्देश्य पाकिस्तान और गुलाम जम्मू-कश्मीर के आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करना था। भारतीय वायुसेना के राफेल लड़ाकू विमानों ने इस मिशन को अंजाम दिया। आपरेशन की योजना पूरी तरह से खुफिया जानकारी पर आधारित थी, जो सैटेलाइट इमेजिंग और ग्राउंड इंटेलिजेंस से प्राप्त की गई थी। भारत के इस आपरेशन को सटीक और लक्षित हमला माना गया।

अब भारत किसी भी प्रकार के आतंकी हमले पर चुप बैठने वाला नहीं है, बल्कि दृढ़तापूर्वक और सक्रिय रूप से इसका खात्मा करने को तत्पर है। यह बयान केवल एक राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि यह भारत के नए दृष्टिकोण का स्पष्ट संकेत था। भारत ने इस आपरेशन के माध्यम से अपनी सैन्य क्षमता को स्पष्ट रूप से दुनिया के सामने पेश किया है। यह भारतीय सुरक्षा बलों का एक सामरिक कदम था, जो आतंक के खिलाफ चल रहे वैश्विक युद्ध में एक मजबूत संदेश दे रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में पहली पंक्ति में है। वहीं हमारी सेना के शौर्य, पराक्रम और साहस ने देश को गौरव की भावना से अभिभूत किया है।

बहरहाल, 'आपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान के अंदर के राजनीतिक और सैन्य टुकड़ी में उथल-पुथल मच गई। पाकिस्तान ने इसे एक युद्ध जैसी कार्रवाई करार दिया और भारत से शांति की अपील की। हालांकि पाकिस्तान का यह आक्रामक रुख भारत की जवाबी कार्रवाई के सामने कमजोर साबित हुआ। इस आपरेशन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अब अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा में कोई भी समझौता नहीं करेगा और आतंकवाद के खिलाफ उसकी नीति में कोई ढील नहीं होगी। यह आपरेशन केवल भारत के लिए एक सैन्य जीत नहीं था, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ एक महत्वपूर्ण संदेश था।

भारत ने यह साबित कर दिया कि वह अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए किसी भी अनुशासित सीमा तक जा सकता है। यह घटनाक्रम भारतीय सैन्य रणनीति और राजनीतिक दृढ़ता का एक आदर्श उदाहरण है, जो भविष्य में भारत की रक्षा नीति को नई दिशा देगा। इस सैन्य आपरेशन के बाद भारत ने न केवल पाकिस्तान, बल्कि पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ अब पहले से कहीं ज्यादा ताकतवर और सक्रिय है। यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि एक कूटनीतिक सफलता भी थी, जिसमें भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को मजबूत किया। वहीं विश्व अब भारत के इस संदेश को समझ सकता है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टालरेंस की नीति पर अडिग है और भारतीय सेनाएं इस खतरे को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए स्वतंत्र हैं।

खरी-खरी

धूर्त पड़ोसी

रेखा शाह आरबी

एक कहावत है- देश अलग-अलग होते हैं, पर लोग एक ही होते हैं। उनकी इच्छा भी एक जैसी ही होती है। हर कोई चाहता है कि उसके पड़ोस में कोई भला मानुष आकर बसे। उसके अगल-बगल पड़ोसी के रूप में अच्छे लोग, शांत, संस्कारी, सभ्य लोग निवास करें, जो दुख-सुख में काम आएं, जिनके साथ हम अपने दुख-दर्द बांट सकें।

कोई भी ऐसा पड़ोसी नहीं चाहता है जिससे रात-दिन खिट-पिट होती रहे। इसीलिए पड़ोसी का अच्छा होना बेहद जरूरी होता है। पर सबका नसीब इतना अच्छा नहीं होता है कि वह जैसा चाहे वैसा पड़ोसी उसे मिल जाए। अच्छा पड़ोसी मिल गया तो दिल में रहता है और बुरा पड़ोसी मिल गया तो दिमाग में रहता है।

यदि वह शरीफ है तो भजन-सत्संग सुनने को मिलेगा और यदि आपके दुर्भाग्य से धूर्त और लंपट मिल गया तो अपने साथ-साथ आपका भी बाजा बजवा देगा। और यदि आप सोच रहे हैं कि मैं स्वयं अच्छा रहूंगा तो लोग क्या मेरा बिगाड़ सकते हैं। यह भरम पालने से अच्छा है कि आप कोई कुत्ता पाल लीजिए। वह ज्यादा सुविधाजनक रहेगा, क्योंकि आपका यह भरम आपको कहीं का नहीं छोड़ेगा। ऐसा कहने के कई कारण हैं।

मान लीजिए यदि आपका दुष्ट पड़ोसी आपके ऊपर अपना कुत्ता ही छोड़ दे तो आप क्या कर लेंगे? बहुत करेंगे तो चार लोगों से शिकायत करेंगे! चार लोग आपको ही सुना देंगे कि जब जानते हो कि उसके पास काटने वाले कुत्ते हैं तो उससे थोड़ा संभल कर, बच कर रहा करो। लोगों से यही ज्ञान मिलेगा, लेकिन शांति नहीं मिल पाएगी। इससे भी आपका यदि पेट नहीं भरा तो आप ज्यादा से ज्यादा शासन-प्रशासन से शिकायत कीजिएगा। म्युनिसिपल कारपोरेशन वाले उसके कुत्ते को पकड़कर अपने साथ ले जाएंगे। अब वह आपसे और खार खा जाएगा। फिर एक नए कुत्ते को पाल-पोस कर उसे ऐसा ट्रेंड करेगा कि जब देखे तब आपको काटे। आप आखिर कहां तक अपने को बचा पाएंगे, आपके बचने की कोई संभावना नहीं है, क्योंकि नंगे का तो कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ पाता है। इसलिए धूर्त पड़ोसी से बचना आसान नहीं...

पोस्ट

पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी आतंकियों के जनाजे में आंसू बहाने जाते हैं और फिर चाहते हैं कि उन्हें कोई आतंक के साथ होने का दोषी न माने।
कादंबिनी शर्मा@SharmaKadambini

भारत ने एकदम नई परिपाटी स्थापित की है और वह यह कि अगर कोई आतंकी हमला हुआ तो फिर उसकी कड़ी जवाबी कार्रवाई होगी और वह पहले के मुकाबले और बड़ी होगी। स्टैनली जानी@johnstanly

जब कुख्यात आतंकी सरगना मसूद अजहर पाकिस्तानी मीडिया से यह रोना रो रहा है कि भारतीय हमले में उसके दस से अधिक स्वजनों को निशाना बनाया गया, तब भी पाकिस्तान यही कह रहा है कि उसकी जमीन पर कोई आतंकी नहीं।
ताहा सिद्दीकी@TahaSSiddiqui

कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह की आपरेशन सिंदूर पर मीडिया ब्रीफिंग उन आतंकियों को करारा तमाचा है, जिन्होंने पहलगाम में धर्म के आधार पर हत्याएं कीं। उन्हें भी साफ संदेश है जो इस घटना के बाद देश में हिंदू-मुसलमान करने में जुटे थे।
कमर वहीद नकवी@qwnaqvi

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण के लिए जजों की ओर से अपनी संपत्ति की घोषणा करना पर्याप्त है?

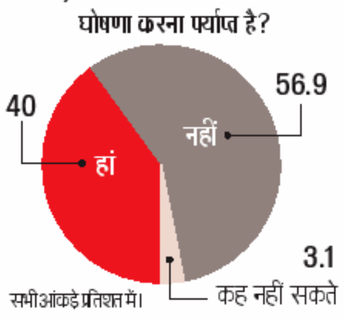

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या भारत की सैन्य कार्रवाई से पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आएगी?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

चुटकी भर सिंदूर की कीमत मियां मुनीर,
तुम समझोगे फोड़कर अपनी ही तकदीर।
अपनी ही तकदीर अभी तो देखी झलकी,
'मिसएडवेंचर' छोड़ कीजिए चिंता कल की।
देखो कैसे आज रो रहा मसूद अजहर,
ताकतवर सिंदूर बहुत होता चुटकी भर!
– ओमप्रकाश तिवारी

धनंजय प्रताप सिंह
राज्य ब्यूरो प्रमुख, नईदुनिया

मध्य प्रदेश डायरी

लव आतंक का रूप ले रहा लव जिहाद

पहलगाम में मुस्लिम आतंकियों द्वारा धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों को गोली मारने की घटना से पूरा देश आक्रोश में है। इसकी आरंभिक प्रतिक्रिया के तौर पर छह-सात मई की रात को पाकिस्तान स्थित कई आतंकी ठिकानों पर सैन्य आक्रमण करते हुए उन्हें ध्वस्त कर दिया गया। लेकिन मध्य प्रदेश में एक नए आतंकवाद ने जन्म ले लिया है और वह है लव लिहाद के नाम पर हिंदू लड़कियों को फंसाना, उनके साथ दुष्कर्म करना और फिर वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करना। सबसे पहले भोपाल में यह मामला सामने आया, जिसमें छह लड़कियों ने एफआइआर दर्ज करवाई है।

पिछले लगभग 15 दिनों के भीतर यह लव जिहाद की आग मध्य प्रदेश के कई शहरों तक पहुंच गई। देवास के बाद उज्जैन में पुलिस ने सात मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से कई हिंदू लड़कियों के अश्लील वीडियो बरामद हुए हैं। इसके बाद मुरैना में भी एक मामला सामने आया, जहां एक मुस्लिम युवक असलम हिंदू बनकर इंसानियत कंप्यूटर सेंटर की आड़ में हिंदू लड़कियों को फंसाकर अश्लील वीडियो बना रहा था। सारे मामलों पर नजर डालें तो यह एक संगठित गिरोह की तरह प्रदेश के कई शहरों में हिंदू लड़कियों को लव जिहाद का शिकार बना रहे थे।

इसमें पुलिस की भूमिका की बात करें तो कार्रवाई निराशाजनक है। प्रारंभ में तो भोपाल पुलिस ने इस मामले को दबाने का प्रयास किया, लेकिन मीडिया के प्रभाव से यह मामला सार्वजनिक हो गया। एफआइआर दर्ज हुई तो पुलिस ने कुछ आरोपियों को पकड़ा, कार्रवाई भी की, लेकिन उन्हें बचाने का पूरा प्रयास किया। यह बात प्रमाणित भी हुई है। इस मामले पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने झारखंड की पूर्व पुलिस महानिदेशक निर्मल कौर की अध्यक्षता में जांच दल बनाया है। कौर ने भोपाल आकर इसकी गहन छानबीन की तो पता चला कि भोपाल पुलिस ने संगठित अपराध की धारा ही आरोपियों पर नहीं लगाई। दूसरी

अली खान।

फरहान खान।

साहिल खान।

शमसुद्दीन। फाइल

गलतियां भी पुलिस ने की। जिस क्लब को इन आरोपियों ने लड़कियों को फंसाने का माध्यम बना रखा था, उसे सील नहीं किया था।

यही स्थिति उज्जैन और मुरैना की है, जहां लव लिहाद की शिकार हुई लड़कियां सामने नहीं आना चाहती हैं। शायद उन्हें पुलिस तंत्र पर भरोसा नहीं है। बेहद गंभीर मसले पर प्रदेश पुलिस की लचर कार्रवाई से जनता नाराज है। पिछली सरकार ने बहुत उम्मीद के साथ भोपाल और इंदौर में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू की थी। लेकिन दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ रहा है कि यह प्रणाली पूरी तरह असफल रही है। अपराधों का आकलन करें तो पता चलता है कि तुलनात्मक रूप से अपराध बढ़ा ही है। दूसरी असफलता अराजकता को लेकर है। पुलिस कमिश्नर ने भ्रष्टाचार को रोकने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। थानों के अंदर वसूली के बंटवारे को लेकर झगड़े हो रहे हैं। जमीन के मामलों में पुलिस की दिलचस्पी बढ़ी है।

दरअसल, पुलिस तंत्र के इस चेहरे की बात से मुख्य मुद्दा पीछे छूट जाएगा, इसलिए फिर हम हिंदू लड़कियों के खिलाफ आरंभ किए गए लव आतंकवाद के मुद्दे पर लौटते हैं तो पाते हैं कि हिंदू लड़कियों के खिलाफ पूरे प्रदेश में लव आतंकवाद चल रहा है, लेकिन पुलिस तंत्र बेखबर है। इंटरनेट मीडिया के इस जमाने में पुलिस इन वीडियो के आदान-प्रदान करने को 'क्रेक' करने का कोई तरीका नहीं तलाश पाई। पुलिस का खुफिया तंत्र पता नहीं क्या कर रहा था, जब ये मुस्लिम अपराधी हिंदू बहन-बेटियों को अपना शिकार बना रहे थे। यह लव आतंकवाद केवल मध्य प्रदेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि और भी राज्यों में जल्द ही ऐसे मामले सामने आएंगे। भोपाल के मुस्लिम आरोपित फरहान की बात से हिंदू परिवारों को चिंतित होना चाहिए। फरहान ने कहा कि वह हिंदू लड़कियों के साथ जो घृणित अपराध कर रहा था, उसे वह अपने धर्म के हिसाब से सबाह यानी पुण्य बता रहा है।

बेहद दूषित मानसिकता वाले लव जिहाद के इन आतंकियों से निपटना भी हिंदू परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण है। मध्य प्रदेश में तो यह चिंतनीय इसलिए भी है, क्योंकि यहां मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नेतृत्व में सनातनी सरकार है। पर सरकार ने इस गंभीर मसले पर अब तक कोई ठोस पहल नहीं की है। दरअसल, मोहन सरकार के कई मंत्रियों का भी मुस्लिम गिरोह के सरगनाओं से नजदीकी संबंध है। कांग्रेस ने तो कुछ मंत्रियों के साथ गिरोह के सरगना का फोटो भी इंटरनेट मीडिया पर साझा किया है। भाजपा के लिए भी यह विषय चिंता का होना चाहिए। समय रहते भाजपा ने ऐसे गंदे चेहरों से दूरी नहीं बनाई तो उसे जन आक्रोश का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। ये लव जिहाद अब लव आतंकवाद में बदल चुका है, जिसमें मुस्लिम बदमाश हिंदू लड़कियों को पहले फंसाते हैं, फिर उनका वीडियो बनाकर दूसरे साथियों के पास भी उन्हें भेजते हैं। अब तक जो आरोपित पकड़े गए हैं, उनमें अधिकतर नाम बदल कर लड़कियों से दोस्ती गांठते थे। एक और तथ्य भी सामने आया कि इन बदमाशों के निशाने पर वही लड़कियां आई हैं, जो सामान्य या गरीब परिवार की हैं या जिनके मां-बाप नहीं हैं अथवा वे किराए के कमरे या हास्टल में रहकर पढ़ाई कर रही थीं। अब समय आ गया कि इस लव आतंकवाद से बचाने के लिए हिंदू लड़कियां सचेत रहें, किससे दोस्ती करना है, उसके बारे में पड़ताल कर लें। शक हो तो मदद मांगने में हिचकें नहीं।

हिमाचल प्रदेश डायरी

सटीक हमले का सीधा संदेश

नवनीत शर्मा
राज्य संपादक, हिमाचल प्रदेश

'मैं कैप्टन सौरभ कालिया का पिता होने के नाते ही नहीं, एक जिम्मेदार भारतीय होने के नाते कह रहा हूं कि पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब देना अनिवार्य था और यह भारतीय सेना ने कर दिखाया है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हार्दिक आभार। अनुमति हो तो यह भी कहना है कि पाकिस्तान की जुबान पर ही झूठ नहीं है, डीएनए में भी है, इसलिए उसका यह उपचार जारी रहना चाहिए।'

बुधवार प्रातः आत्मविश्वास और उपलब्धि भरी आवाज में जब डा. एनके कालिया यह कहते हैं तो ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी आवाज सुन कर हिमाचल प्रदेश भी गर्व से भर गया। यूं कहें कि उनके इस गर्व में हिमाचल प्रदेश भी शामिल था। वर्ष 1948 में सर्वोच्च बलिदान करने वाले प्रथम परमवीर मेजर सोमनाथ शर्मा से 'ये दिल मांगे मोर' कहने वाले परमवीर कैप्टन विक्रम बतरा की पावन स्मृति भी। हर भारतीय, कैप्टन बतरा की इस आवाज को गूंज बना रहा था जिसे सुना गया है और संभवतः आगे भी सुना जाएगा। इसलिए सुना जाएगा, क्योंकि यही पथ पुरखों ने दिखाया है। सीता का अपमान होगा तो रावण वध होगा, द्रौपदी का चीरहरण होगा तो भीम की प्रतिज्ञा भी फलित होगी।

चीन से सटे हिमाचल प्रदेश में हर तीसरे घर से कोई सेना में है। वर्ष 1948 से लेकर अब तक हिमाचल प्रदेश के कई युवा देवदार इसलिए काम आए हैं, ताकि हिमालय का मस्तक ऊंचा रहे। हिमाचल प्रदेश के लिए सेना को प्राथमिकता इसलिए भी है, क्योंकि पीढ़ी दर पीढ़ी यह संदेश आगे बढ़ता है कि देश पहले है। यही बात मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी कही कि आपरेशन सिंदूर पर हिमाचल प्रदेश को हिमाचल प्रदेश होने के नाते भी गर्व है। उन्होंने उच्च स्तरीय बैठक कर उपायुक्तों और पुलिस अधीक्षकों से कहा है कि वह सतर्क रहें और सबको सतर्क रखें। पुलवामा में बलिदान देने वाले सीआरपीएफ के तिलक राज की पत्नी बेशक सरकारी सेवा में आ गई हैं, पर जिन दिनों तिलक का बलिदान हुआ था, उनका बच्चा इतना छोटा था कि उसे पता ही नहीं था कि उससे बर्बरों ने क्या छीन लिया है। कारगिल के पहले बलिदानियों में कैप्टन सौरभ कालिया की पार्थिव देह के साथ पाकिस्तानी सेना का दुर्व्यवहार क्या बर्बरता के ऐसे चिह्न हैं जो मिट जाएंगे? इसीलिए पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना बहुत ही आवश्यक था।

जिन लोगों को लगता है कि युद्ध कोई विकल्प नहीं है, जो युद्ध के विरुद्ध फैज और साहिर की नज्में अब भी पढ़ रहे हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि जिस देश को निरंतर युद्ध में रखा जा रहा हो, उसके लिए युद्ध में जाकर, युद्ध को एकबार समाप्त ही कर देना उचित है। युद्ध की कीमत होती है, किंतु वह उतनी नहीं होती जितनी 1948 से लेकर आतंकवाद के शिकार होकर भारत ने लगातार दी है। जनरल बीपी मलिक के समय भारतीय सेना के कुछ बेहतरीन और सुप्रशिक्षित अधिकारी मेजर सुधीर वालिया को भी देश ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की समाप्ति के प्रयासों के दौरान ही खोया था। कारगिल में 51 बलिदानी हिमाचल से ही थे। इसके अलावा, उड़ी, पठानकोट में भी। इसे युद्ध क्यों न कहें? पठानकोट हमले में बलिदान हुए चंबा के जगदीश की बीरनारी स्नेहलता कहती हैं, 'यह बहुत अच्छा कदम उठाया है। मेरी विनती है कि आतंकवाद और इसे पालने-पोसने वालों का समूल नाश हो।'

भारत ने जिस प्रकार आपरेशन का नाम रखा, और जिस अंदाज में मीडिया को बताया है, उससे कई जवाब दिए हैं। बीच में विदेश सचिव यानी केंद्र सरकार या राजनीतिक इच्छाशक्ति और दाएं बाएं दो सैन्य अंग, कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह उनका सधा हुआ शब्दचयन नारी शक्ति, एकजुटता, ये सब पाकिस्तान के लिए प्रभावी संदेश हैं। हमारे शत्रु के बारे में सबको पता है। पाकिस्तानी सेना की मक्कारी का एक किस्सा कांगड़ा के रहने वाले सेवानिवृत्त कर्नल करतार सुनाते हैं। वर्ष 1971 के युद्ध में वह केवल सिपाही थे। सीमाक्षेत्र में कोई वस्तु उनके पैरों से टकराई। ध्यान से देखा तो एक बाजू उनके हाथ आई। वह एक छिपा हुआ पाकिस्तानी फौजी था। उसने हाथ जोड़ दिए कि पिछले सप्ताह ही मेरा विवाह हुआ है, कृपया मुझे जाने दें। मैं आपका यह अहसान आजीवन नहीं भूलूंगा। करतार ने नाम पूछा तो उसने नाम के बजाय उपनाम बताया मलिक। उसके पिता भी पाकिस्तानी सेना में बड़े पद पर थे। करतार ने कहा कि मैं तो गोली नहीं चलाऊंगा, पर कहीं और से गोली आई तो पता नहीं। बाद में पता चला कि वह बच गया था। कालांतर में करतार जबलपुर में पाकिस्तानी युद्धबंदी जनरल अमीर उल्ला नियाजी की सुरक्षा में भी तैनात रहे। ऐसा शत्रु है आपका। हाथ जोड़ कर बच जाओ, कालांतर में मार्शल ला लगाओ और राष्ट्रपति भी बन जाओ और जिहादियों को पालते रहो। ऐसे शत्रु के ठिकानों को ध्वस्त करना पराक्रम की गाथा लिखना है, देश को बधाई! इस समय आवश्यक है कि हम एक रहें और इंटरनेट मीडिया या अन्यत्र भी ऐसा कुछ न करें जो हमारे लक्ष्य को हानि पहुंचाए।

जिस देश को निरंतर युद्ध की स्थिति में रखा जा रहा हो, उसके लिए युद्ध में जाकर, युद्ध को एकबार समाप्त कर देना ही उचित है। फाइल

****

जियो ने मार्च में 21.4 लाख ग्राहक जोड़े

नई दिल्ली : दूरसंचार नियामक ट्राई के मुताबिक, रिलायंस जियो ने मार्च में 21.47 लाख ग्राहक जोड़कर अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। अब इसके कुल ग्राहकों की संख्या बढ़कर 46.97 करोड़ हो गई। भारती एयरटेल ने 12.50 लाख यूजर जोड़े और अब इसके कुल यूजर 38.98 करोड़ हो गए हैं। वहीं वोडाफोन आइडिया (वीआइ) को 5.41 लाख ग्राहक का नुकसान हुआ और इस तरह उसके कुल यूजर घटकर 20.53 करोड़ रह गए। (प्रेट्र)

पीएलआइ योजना का लाभ नहीं उठाने वाले व्यवसाय पूंजी आवंटन में अधिक अनुशासित होते हैं और मूल्य निर्धारण और मार्जिन में अधिक टिकाऊ होते हैं।

-तरुण मेहता, सह संस्थापक और सीईओ, एथर एनर्जी

सेंसेक्स	80,746.78	105.71
निफ्टी	24,414.40	34.80
सोना प्रति दस ग्राम	₹1,00,750	₹1,000
चांदी प्रति किलोग्राम	₹98,940	₹440
डालर	₹84.77	₹0.42
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$62.55	

चार साल के निचले स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल

आयात बिल को कम करने में मिलेगी मदद, एक महीने में क्रूड में 10 डालर प्रति बैरल की आई कमी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : वैश्विक अनिश्चितता के बीच कच्चे तेल की कीमत 62 डालर प्रति बैरल के साथ चार साल के निचले स्तर पर आ गई है। जानकारों का मानना है कि क्रूड में होने वाली इस गिरावट से पाकिस्तान संग युद्ध के माहौल में भारत को वित्तीय मजबूती मिलेगी।

कच्चे तेल की कीमत देश के जीडीपी विकास तक को प्रभावित करती है, तभी सरकार की तरफ से जीडीपी विकास दर का अनुमान लगाते समय कच्चे तेल के औसतन सालाना दाम को ध्यान में रखा जाता है। वर्तमान हालात को देखते हुए कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी के आसार नहीं दिख रहे हैं। पिछले एक माह में कच्चे तेल के दाम में 10 डालर प्रति बैरल की गिरावट आई है, जिससे भारत के आयात बिल को कम करने और राजस्व बढ़ाने में मदद मिलेगी। आयात बिल में पेट्रोलियम आयात की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत है और हर साल पेट्रोलियम आयात बिल बढ़ता जा रहा है। 2024-25 में पेट्रोलियम वस्तुओं का आयात 185 अरब डालर रहा।

भारत का कुल वस्तु आयात 720 अरब डालर का था। इससे पूर्व के वित्त वर्ष 2023-24 में पेट्रोलियम आयात 178 अरब डालर का था। पिछले वित्त वर्ष में कच्चे तेल की कीमत 71-85 डालर प्रति बैरल के स्तर पर थी। इस हिसाब से चालू वित्त वर्ष 2025-26 में पेट्रोलियम आयात बिल में कमी आना तय है।

- भारत के आयात बिल में पेट्रोलियम आयात की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत
- वित्त वर्ष 2024-25 में पेट्रोलियम वस्तुओं का आयात 185 अरब डालर रहा

90 हजार करोड़ रुपये सरकार को मिले थे 2015 में उत्पाद कर में वृद्धि से

एक बार फिर से उत्पाद कर में हो सकती है वृद्धि

कच्चे तेल की कीमत में कमी को देखते हुए सरकार ने पिछले माह पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले उत्पाद कर में दो-दो रुपये की बढ़ोतरी की थी। 62 डालर प्रति बैरल पर कीमत को देखते हुए एक बार फिर से सरकार की तरफ से उत्पाद कर में बढ़ोतरी की उम्मीद की जा रही है। पेट्रोल और डीजल के उत्पाद कर में एक-एक रुपये की बढ़ोतरी से सरकार के राजस्व में सालाना 1600 करोड़ तक की बढ़ोतरी होती है। उत्पाद कर बढ़ाकर सरकार अपने राजस्व को बढ़ाने का काम कर सकती है। वर्ष 2014 से 2016 के दौरान भी सरकार ने पेट्रोल-डीजल के उत्पाद कर में नौ बार बढ़ोतरी की थी। वित्त वर्ष 2015 में उत्पाद कर के मद में 90,000 करोड़ तो वित्त वर्ष 2017 में 2.42 लाख करोड़ के राजस्व की प्राप्ति हुई थी।

अप्रैल में सब्जियों की कीमतों में नरमी से भोजन की लागत घटी

मुंबई, प्रेट्र: सब्जियों की कीमतों में नरमी से अप्रैल में घर में बने खाने की लागत को कम करने में मदद मिली है। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल में शाकाहारी भोजन की लागत साल-दर-साल चार प्रतिशत और महीने-दर-महीने एक प्रतिशत घटकर 26.3 रुपये हो गई।

कीमतों में साल-दर-साल गिरावट का श्रेय सब्जियों की कीमतों में भारी गिरावट को दिया गया, जिसमें टमाटर में 34 प्रतिशत की गिरावट, आलू में 11 प्रतिशत की कमी और प्याज में छह प्रतिशत की गिरावट शामिल है। मांसाहारी थाली की कीमत साल-दर-साल चार प्रतिशत और महीने-दर-महीने दो प्रतिशत घटकर 53.9 रुपये प्रति प्लेट रह गई। मांसाहारी भोजन की कीमत में गिरावट सब्जियों की कीमतों में नरमी और पाल्ट्री की कीमतों में गिरावट से भी प्रभावित रही।

मार्च तिमाही में एनसीआर में घरों की औसत कीमतें स्थिर रहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे में घरों की औसत कीमतें पिछली तिमाही की तुलना में जनवरी-मार्च में स्थिर रहीं। रियल एस्टेट ब्रोकरेज कंपनी प्रापटाइगर के आंकडों के अनुसार, बेंगलुरु और हैदराबाद में कीमतों में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अहमदाबाद तथा कोलकाता में यह चार-चार प्रतिशत बढ़ी। प्रापटाइगर, आरईए इंडिया का हिस्सा है। आरईए इंडिया के पास हाउसिंग डाट काम का भी स्वामित्व है।

कंपनी ने कहा कि आवासीय संपत्ति की कीमतें सालाना आधार पर बढ़ती रही हैं, लेकिन हाल के तिमाहियों में वृद्धि की गति स्पष्ट रूप से मध्यम रही है। हाउसिंग डाट काम एवं प्रापटाइगर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ध्रुव अग्रवाल ने कहा, 'पिछली कुछ तिमाहियों में देखी गई कीमत में मध्यम वृद्धि स्थिर बाजार को इंगित करती है।' आंकड़ों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे बाजारों ने औसत कीमतों में कोई वृद्धि नहीं देखी। ये क्रमशः 12,600 रुपये, 8,106 रुपये, 7,173 रुपये और 7,109 रुपये प्रति वर्ग फुट रहीं।

अहमदाबाद में औसत मूल्य 4,402 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 4,568 रुपये हो गया। बेंगलुरु में कीमतें 7,536 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 7,881 रुपये फुट हो गईं। हैदराबाद में आवास की कीमत 7,053 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 7,412 रुपये फुट हो गई जबकि कोलकाता में 5,633 रुपये प्रति वर्ग फुट से 5,839 रुपये वर्ग फुट हो गई।

एक नजर में

पीएनबी का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ 52 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली: पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का बीते वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 52 प्रतिशत उछलकर 4,567 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में बैंक ने 3,010 करोड़ का लाभ कमाया था। कुल आय बढ़कर 36,705 करोड़ हो गई जबकि एक साल पहले की समान तिमाही में यह 32,361 करोड़ थी। (प्रेट्र)

सैट ने खारिज की जेनसोल की याचिका

मुंबई : प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने सेबी के उस आदेश पर रोक लगाने की मांग की थी, जिसमें उसने कंपनी के प्रमोटरों के प्रतिभूति बाजार में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। पीठ ने सेबी को हुए चार सप्ताह में जेनसोल मामले में अंतिम आदेश देने का निर्देश दिया है। (आइएएनएस)

भारत हीरा, चांदी, स्मार्टफोन व आप्टिकल फाइबर पर ब्रिटेन को नहीं देगा शुल्क छूट

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत हीरा, चांदी, स्मार्टफोन और आप्टिकल फाइबर जैसे कई संवेदनशील औद्योगिक उत्पादों पर ब्रिटेन की कंपनियों को कोई शुल्क रियायत नहीं देगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी कहा कि ब्रिटेन से पेट्रोल और डीजल इंजन वाहन के आयात पर शुल्क रियायत पूर्व-निर्धारित कोटा तक सीमित है। इसी तरह, सीमा शुल्क की रियायती दर पर ब्रिटिश इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के आयात का कोटा केवल कुछ हजार तक सीमित है।

प्लास्टिक, हीरा, चांदी, बेस स्टेशन, स्मार्टफोन, टेलीविजन कैमरा ट्यूब, आप्टिकल फाइबर, आप्टिकल फाइबर बंडल और केबल जैसे संवेदनशील औद्योगिक सामान एफटीए को एफटीए की सूची से बाहर रखा गया है। वाहन क्षेत्र को खोलने के बारे में अधिकारी ने कहा कि वैश्विक स्तर पर चौथे सबसे बड़े वाहन मैन्युफैक्चरर्स के तौर पर भारत के पास वाहन मूल्य श्रृंखला में वैश्विक अगुआ के रूप में उभरने की क्षमता है। मजबूत विनिर्माण के बावजूद, वैश्विक वाहन बाजार में इसकी हिस्सेदारी कम बनी हुई है, जो विस्तार की व्यापक संभावनाओं को दर्शाता है।

- पेट्रोल और डीजल इंजन वाहन के आयात पर शुल्क रियायत पूर्व-निर्धारित कोटा तक सीमित
- सीमा शुल्क की रियायती दर पर ईवी के आयात का कोटा केवल कुछ हजार तक ही

ईवी के लिए कोटा से बाहर शुल्क में नहीं की गई है कोई कमी

ईवी के लिए कोटा से बाहर शुल्क में कोई कमी नहीं की गई है। ईवी से जुड़ी संवेदनशीलता का ध्यान रखा गया है। आइसीई वाहनों पर कोटा से बाहर शुल्क को लंबे समय में धीरे-धीरे कम किया जाएगा, जिससे हमारे उद्योगों को ब्रिटेन से बढ़ने वाले आयात का मुकाबला करने के लिए वक्त मिले।

कार्बन टैक्स से निर्यात प्रभावित होने पर भारत के पास जवाबी कार्रवाई का अधिकार

एफटीए में ब्रिटेन के प्रस्तावित कार्बन कर का मुकाबला करने का कोई प्रविधान नहीं है। हालांकि अनिश्चितता एवं इसको लेकर कोई भी ब्रिटिश कानून नहीं होने से भारत ने भविष्य में इससे घरेलू निर्यात प्रभावित होने पर जवाबी कार्रवाई या रियायतों को पुनर्संतुलित करने के अपने अधिकार को सुरक्षित रखा है।

सरकार की नीतियां मैन्यूफैक्चरिंग को समर्थन देने वालीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि सरकार की नीतियां मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र की वृद्धि को समर्थन देने के लिए तैयार की गई हैं।

मिलान में 'एडीबी गवर्नर्स' (एशियाई विकास बैंक के सदस्य देशों के गवर्नर) के सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की जीडीपी में लगभग 60 प्रतिशत योगदान सेवा क्षेत्र का है। उन्होंने कहा, 'हमारा दृष्टिकोण हमारे पास मौजूद परिसंपत्तियों के आधार पर खुद को और मजबूत करना है, चाहे वह मानव पूंजी के रूप में हो या प्रौद्योगिकी के रूप में।' उन्होंने कहा कि भारत में लगभग 60 करोड़ लोग 25 साल से कम उम्र के हैं और इसलिए देश जनसांख्यिकीय लाभांश का आनंद ले रहा है। सीतारमण के भाषण के मुख्य अंश उनके कार्यालय ने 'एक्स' पर साझा किए हैं। मैन्यूफैक्चरिंग के संबंध में उन्होंने कहा कि भारत को सकल घरेलू उत्पाद में अपनी हिस्सेदारी को मौजूदा 12-13 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत करने की जरूरत है।

आपरेशन सिंदूर को शेयर बाजार का सलाम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : आपरेशन सिंदूर को देशवासियों के साथ शेयर बाजार ने भी सलामी दी। बुधवार को सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए जबकि पाकिस्तान के शेयर बाजार में तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

मंगलवार देर रात पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले के बाद बुधवार को बाजार में गिरावट की उम्मीद थी। सुबह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों मामूली गिरावट के साथ खुले। थोड़ी देर में बाजार संभला। बुधवार को सेंसेक्स 105 अंक की बढ़ोतरी के साथ 80,746 पर बंद हुआ तो निफ्टी 35 अंक की बढ़त के साथ 24,414 अंक तक चला गया। जानकारों का मानना है कि अर्थव्यवस्था के विभिन्न सूचकांक में मजबूती से निवेशकों का भरोसा भारत पर बढ़ रहा है। टाटा मोटर्स, बजाज फाइनेंस, जियो फाइनेंशियल, श्रीराम फाइनेंस जैसे शेयर के भाव में तेजी देखी गई। मिडकैप सूचकांक में 1.3 प्रतिशत तो स्मालकैप में एक प्रतिशत का इजाफा हुआ। एफएमसीजी व फार्मा को छोड़ आटो, रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल में एक प्रतिशत की बढ़ोतरी रही।

बीएसई का बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स 105 अंक की बढ़ोतरी के साथ 80,746 पर बंद हुआ, निफ्टी में भी 35 अंक की वृद्धि

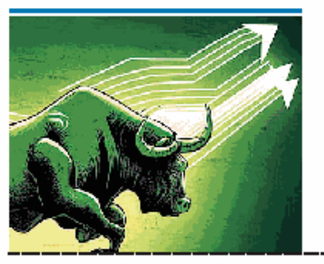

भारत व ब्रिटेन के बीच गत मंगलवार को मुक्त व्यापार समझौते की सफल घोषणा से भी बाजार में सकारात्मक रुख रहा क्योंकि इससे भारत के आटोमोबाइल, टेक्सटाइल, लेदर जैसे कई सेक्टर को लाभ मिलेगा। दूसरी तरफ अमेरिका ने चीन के साथ व्यापारिक तनाव को कम करने के संकेत दिए हैं, इससे भी बाजार में सकारात्मक माहौल बना है।

-विनोद नायर, रिसर्च हेड, जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड

रुपया 45 पैसे कमजोर होकर 84.80 पर बंद हुआ

मुंबई, प्रेट्र: सीमा पार तनाव बढ़ने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ने से बुधवार को रुपया डालर के मुकाबले 45 पैसे कमजोर होकर 84.80 पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.65 पर खुला और डालर के मुकाबले 84.47 के इंट्रा-डे हाई और 84.93 के इंट्रा-डे लो के बीच घूमता रहा। कारोबार के अंत में यह 84.80 पर बंद हुआ, जो इसके पिछले बंद स्तर से 45 पैसे की गिरावट दर्शाता है।

सोना 1,000 रुपये उछलकर एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी बढ़ने से बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 1,000 रुपये बढ़कर 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गई।

राष्ट्रीय फलक

निजी संस्थाओं को रक्षा भूमि आवंटन में अनियमितता, जांच दल बनाने पर विचार

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने निजी संस्थाओं को रक्षा भूमि के आवंटन में की गई गड़बड़ियों को चिन्हित किया है। इस बाबत कोर्ट एक जांच दल गठित करने को लेकर विचार कर रहा है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने बुधवार को छावनी क्षेत्रों का नाम लिए बिना कहा कि इन क्षेत्रों में कई एकड़ में फैले आलीशान बंगले और एक विशाल शापिंग काम्प्लेक्स का निर्माण रक्षा संपदा अधिकारियों की मिलीभगत के जरिये किया गया।

रक्षा भूमि से तात्पर्य रक्षा मंत्रालय के स्वामित्व वाली और उसके द्वारा प्रबंधित भूमि से है जो मुख्य रूप से प्रशिक्षण, डिपो और हवाई क्षेत्र जैसे विविध सैन्य उद्देश्यों के लिए होती है। बहरहाल, जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ''हम ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहते क्योंकि इस मुद्दे पर टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। एक विशेष कैंट में बहुत महत्वपूर्ण स्थानों पर विशाल बंगले, कई एकड़ में फैली खुली जमीन वाले आलीशान बंगले 99 साल या अनिश्चित काल के लिए पट्टे पर दिए गए हैं।'' यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने 'कामन काज' नामक एनजीओ द्वारा 2014 में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए की गई, जिसमें देश भर में रक्षा भूमि पर कथित अतिक्रमण की जांच की मांग की गई थी। पीठ ने कहा कि कुछ मामलों में स्थानीय पंजीकरण प्राधिकरण की मिलीभगत से जमीन को कुछ हजार रुपये में बेच दिया गया, जबकि 1990 के दशक में भी इन संपत्तियों की कीमत बहुत ज्यादा थी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि वह इसे मानने के लिए तैयार नहीं हैं कि रक्षा संपदा अधिकारियों की मिलीभगत के बिना ऐसा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि इससे सरकार को लाखों और कुछ जगहों पर करोड़ों के नुकसान का सामना करना पड़ा।

- सुप्रीम कोर्ट ने रक्षा भूमि आवंटन में अनियमितताओं को किया चिन्हित
- रक्षा संपदा अधिकारियों से साठगांठ कर बंगले, काम्प्लेक्स का निर्माण

प्रतीकात्मक

घोटाले में कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामगोपाल पर गैरजमानती वारंट

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोयला घोटाले में एसीबी-ईओडब्ल्यू ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल समेत चार के खिलाफ गैरजमानती बेमियादी वारंट जारी किया है। विशेष न्यायालय के न्यायाधीश नीरज शर्मा की अदालत में यह मामला सुनवाई के लिए प्रस्तुत किया गया।

कोर्ट को एसीबी के वकील सिद्धार्थ सिंह ठाकुर ने दाउद इब्राहिम से जुड़े एक पुराने मामले का उदाहरण पेश करते हुए बताया कि अन्वेषण के दौरान भी ऐसे वारंट जारी किए जा सकते हैं। अदालत ने सहमति जताते हुए रामगोपाल अग्रवाल, नवनीत तिवारी, देवेंद्र डड़सेना और नारायण साहू के खिलाफ गैरजमानती बेमियादी वारंट जारी कर दिया। लंबे समय से फरार चल रहे रामगोपाल अग्रवाल को अब अग्रिम जमानत जैसी कानूनी राहत मिलनी मुश्किल होगी।

समानता व न्याय के आधार पर तय हो भूमि अधिग्रहण का मुआवजा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक फैसले में कहा कि भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजे का आकलन यांत्रिक या मशीनी तरीके से नहीं किया जा सकता। भूमि अधिग्रहण का मुआवजा, समानता, समता और न्याय के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम तथा कई भूस्वामियों द्वारा दायर की गई याचिका पर सुनाया है। इस मामले में गुरुग्राम जिले के फजलवास और कुकरोला गांवों में स्थित भूमि के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट द्वारा तय की गई मुआवजे की राशि को चुनौती दी गई थी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि भू अधिग्रहण को लेकर न्यायशास्त्र में मूलभूत सिद्धांत यह है कि समान स्थान और समान विकासात्मक क्षमता वाली भूमि का मुआवजा समान होना चाहिए जब तक कि दोनों भूखंडों में स्पष्ट अंतर को उचित न ठहराया जाए। पीठ ने कहा, मुआवजे का आकलन यांत्रिक या फार्मूलाबद्ध तरीके से नहीं किया जा सकता।

पीठ ने कहा कि अधिग्रहण की कार्यवाही अप्रैल 2008 में शुरू हुई थी और अधिग्रहण का उद्देश्य चौधरी देवी लाल औद्योगिक माडल टाउनशिप का निर्माण करना था। पीठ ने कहा कि भारत में अनिवार्य अधिग्रहण का कानून न्याय, समानता और निष्पक्षता के स्थायी सिद्धांतों को कायम रखने का प्रयास करता है। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह माना कि बाजार मूल्य और उसके अनुरूप मुआवजे का निर्धारण करते वक्त भूमि की कीमतों में समय के साथ हुई वृद्धि को भी ध्यान में रखना चाहिए। पीठ ने कुकरोला गांव के भूस्वामियों की अपील को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया और हाई कोर्ट के मई 2022 के फैसले को संशोधित किया। इसने 'आउटर बेल्ट' यानी एनएच-8 से पांच एकड़ से आगे की भूमि के लिए 62,14,121 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से मुआवजा देने के हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा। कुकरोला स्थित भूमि व एनएच-8 से सटी भूमि के लिए दिया मुआवजा फजलवास के मुआवजे के बराबर अर्थात एक करोड़ 21 लाख प्रति एकड़ होगी।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

अपील दायर करने में 15 दिन की देरी को माफ कर सकता है एनसीएलएटी

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) अपील दायर करने में अधिकतम 15 दिन की देरी को ही माफ कर सकता है।

जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि दिवाला और अक्षमता संहिता (आइबीसी) ने अपील दायर करने व कार्रवाई करने के लिए सख्त समयसीमा निर्धारित की है ताकि यह तय हो सके कि दिवाला कार्यवाही का दुरुपयोग समयसीमा सप्ताह हो चुके ऋण वसूली के लिए न किया जाए। देरी को माफ करने का मतलब है कि अदालत या प्राधिकरण को अपील या आवेदन दायर करने में देरी को नजरअंदाज करने की अनुमति देना, भले ही निर्धारित समय सीमा से परे हो। यह निर्देश एनसीएलएटी द्वारा पारित आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर आया, जिसमें देरी को माफ कर दिया गया था।

एनएलयू के लापरवाही से प्रश्न तैयार करने पर नाराजगी जताई

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) के संघ के कामन ला एडमिशन टेस्ट (सीएलएटी) के लापरवाही से प्रश्न पत्र तैयार करने पर नाराजगी जाहिर की है।

जस्टिस बीआर गवई और आगस्टीन जार्ज मसीह की खंडपीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के विगत 23 अप्रैल के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई के दौरान सीएलएटी यूजी-2025 के प्रश्नों में कुछ गलतियों की ओर इंगित किया। दिल्ली हाई कोर्ट की पीठ ने राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ (एनएलयू) को अभ्यर्थियों की अंकतालिकाओं को संशोधित करने और चार सप्ताह के भीतर चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम सूची प्रकाशित/पुनः अधिसूचित करने का आदेश दिया था। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि सबसे पहले ऐसे लापरवाही भरे तरीके से प्रतिवादी नंबर एक (कंसोर्टियम) सीएलएटी ने परीक्षा के प्रश्नों को ठीक से तैयार नहीं किया। इससे देश के लाखों छात्रों जो प्रतियोगी थे, उनके कैरियर पर असर पड़ा। सीएलएटी-2025 में पांच साल के एलएलबी परीक्षा के लिए एक दिसंबर को ला यूनिवर्सिटी का कोर्स शुरू होना था। जबकि इसके नतीजे सात दिसंबर को घोषित हुए। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि हाई कोर्ट के अंकतालिका में बदलाव करने के फैसले से वह उत्तेजित था। सर्वोच्च अदालत इस मामले में छह प्रश्नों को लेकर सुनवाई कर रही है। उसने कंसोर्टियम को निर्देशित किया इस इन सभी प्रश्नों में उत्तर में सी और डी का विकल्प चुनने वालों को सकारात्मक अंक दिए जाएं। लेकिन जिन लोगों ने ए और बी विकल्प चुना उन्हें नकारात्मक अंक दिए जाने चाहिए।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-कंसोर्टियम के गलत प्रश्नों से लाखों प्रतियोगियों के कैरियर पर असर पड़ा

रानी दुर्गावती की समाधि को मकबरा लिखने वाली शिक्षिका पर प्रतिबंध

नईदुनिया प्रतिनिधि, जबलपुर : पेपर के एक प्रश्न में रानी दुर्गावती की समाधि को मकबरा लिखने वाली शिक्षिका को जबलपुर के रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा से जुड़े कार्यों से तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है।

बुधवार को विश्वविद्यालय में हुई विद्या परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया। वहीं तीन मई को हुई बीएससी, बीकाम द्वितीय वर्ष की परीक्षा के आधार पाठ्यक्रम के महिला सशक्तीकरण पेपर के प्रश्न संख्या- 42 को निरस्त कर दिया गया है। इस प्रश्न के पूर्ण अंक सभी विद्यार्थियों को दिए जाएंगे।

इसके साथ ही जिस पुस्तक में रानी दुर्गावती की समाधि को मकबरा लिखा गया है, उसको प्रकाशित करने वाले ठाकुर पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड भोपाल पर कार्रवाई के लिए मध्य प्रदेश शासन और उच्च शिक्षा विभाग को पत्र लिखने का निर्णय लिया गया।

****

ईवीएम की तकनीकी एसओपी में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकारा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम की तकनीकी एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) में संशोधन के लिए चुनाव आयोग के प्रस्ताव को स्वीकारा कर लिया है। प्रस्ताव में ईवीएम की बर्न्ट मेमोरी और साफ्टवेयर से किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं होने की जांच करने की बात कही गई है।

बुधवार को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ अपने फैसले के अनुपालन में ईवीएम में बर्न्ट मेमोरी और सिंबल लोडिंग यूनिट (एसएलयू) के सत्यापन के लिए याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में कहा है कि वह ईवीएम का डाटा नहीं मिटाएगा, जिसके सत्यापन की मांग उम्मीदवारों - भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) और इलेक्ट्रानिक कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड ने की है। एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर) नामक एनजीओ ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि ईवीएम के सत्यापन के लिए चुनाव आयोग द्वारा तैयार की गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) ईवीएम-वीवीपीएटी मामले में अप्रैल, 2024 के फैसले के अनुरूप नहीं है। पीठ ने बुधवार को तकनीकी एसओपी में संशोधन के लिए चुनाव आयोग के प्रस्ताव पर गौर किया और कहा, ''बीईएल और इलेक्ट्रानिक कार्पोरेशन के इंजीनियर भी प्रमाण पत्र जारी करेंगे कि वे संतुष्ट हैं कि बर्न्ट मेमोरी और (ईवीएम के) साफ्टवेयर के साथ छेड़छाड़ नहीं की गई है और उनकी शुद्धता बरकरार है।'' चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर कोई उम्मीदवार माक पोल चाहता है तो आयोग ऐसा कर सकता है।

- ईवीएम की बर्न्ट मेमोरी व साफ्टवेयर से छेड़छाड़ नहीं होने की जांच करने की बात आयोग ने कही

आइआइटी रुड़की ने यौन उत्पीड़न के मामले में प्रोफेसर बर्खास्त

जागरण संवाददाता, रुड़की: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की ने एक वरिष्ठ प्रोफेसर को यौन उत्पीड़न के मामले में सेवा से बर्खास्त कर दिया है। जनवरी में पीएचडी छात्रा की ओर से प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने के बाद हुई आंतरिक जांच के बाद संस्थान ने यह कार्रवाई की है।

आइआइटी रुड़की के इतिहास में यह पहली बार हुआ है जब यौन उत्पीड़न के मामले में किसी संकाय सदस्य को सेवा से बर्खास्त किया गया है। दरअसल पीएचडी छात्रा ने जनवरी में संस्थान के अधिकारियों से शिकायत की थी। जिसमें छात्रा ने प्रोफेसर पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। जिसके बाद आंतरिक जांच की गई थी। 15 अप्रैल को बोर्ड आफ गवर्नर्स (बीओजी) ने बैठक में बर्खास्तगी को मंजूरी दी थी। इससे पहले संस्थान की ओर से प्रोफेसर को पक्ष रखने के लिए दो अवसर दिए गए थे।

500 क्षतिग्रस्त भारतीय झंडों को राजधानी के चारों ओर से लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने उतार दिया है और उन्हें माह भर में बदल देगा। यह वही झंडे हैं जो बीते दिनों शहर में कई बार आंधी-तूफान आने के बाद फट गए थे एवं उन्हें बदलने की जरूरत थी।

आज का मौसम

आज सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। बिजली चमकने और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
8 मई	37.0	25.0
9 मई	35.0	26.0
नोएडा		
8 मई	35.0	24.0
9 मई	35.0	25.0
गुरुग्राम		
8 मई	34.0	23.0
9 मई	35.0	22.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

सीएम से दरीबा कला में अतिक्रमण की शिकायत

नई दिल्ली: चांदनी चौक व पुरानी दिल्ली के लगभग सभी बाजारों की सड़कें अतिक्रमण की जद में है। दरीबाकला, चांदनी चौक के महेश चंद्र शर्मा के साथ एक प्रतिनिधिमंडल दरीबा बाजार में अतिक्रमण की शिकायत लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मिलने उनके निवास पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को बताया कि दरीबा में खाने पीने के सामान की रेहड़ी वालों की समस्या बढ़ गया है जिससे गलियों से बाहर निकलना दूभर हो गया है। (जासं)

डीयू में पीजी कोर्स के लिए जल्द शुरू होगी दाखिला प्रक्रिया

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने सीयूईटी - पीजी परिणाम जारी होने के बाद अपने स्नातकोत्तर (पीजी) कोर्सों में प्रवेश को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। डीयू अधिकारियों के मुताबिक दाखिला प्रक्रिया को लेकर कामन सीट अलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल अगले सप्ताह से खोला जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी दाखिला प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे। पीजी में 82 कोर्सों की करीब 13500 सीटों के लिए दाखिले होंगे। (जासं)

हत्या के मामले में कुख्यात छेनू का शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली : न्यू उस्मानपुर के हत्या के मामले में पैरोल जंप की फरार चल रहे बदमाश अरशद को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। वह यमुनापार के कुख्यात गैंगस्टर इरफान उर्फ छेनू गिरोह का सक्रिय सदस्य है। उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी था। वह उत्तर पूर्वी जिले में छिपकर रह रहा था। वह हत्या और मारपीट करने के चार मामलों में शामिल रहा है। डीसीपी विक्रम सिंह के मुताबिक अरशद, गौतमपुरी, सीलमपुर का रहने वला है। (जासं)

गर्मी बढ़ने के साथ राजधानी में शुरू हुई पानी पर राजनीति

पहले से यहां पानी की कमी, पंजाब-हरियाणा विवाद से बढ़ी समस्या

अगर जल्द दूर नहीं हुआ यह विवाद तो आने वाले दिनों में बढ़ सकता है जल संकट

संतोष कुमार सिंह ● जागरण

प्रतीकात्मक

इस तरह दिल्ली पहुंचता है पानी	
डीएसवी से	178 एमजीडी
सीएलसी से	369 एमजीडी
ऊपरी गंगा नहर से	254 एमजीडी
दिल्ली के ट्यूबवेल और रेनीवेल	135 एमजीडी
कुल	936 एमजीडी

नई दिल्ली: प्रत्येक वर्ष गर्मी में दिल्लीवासियों को जल संकट का सामना करना पड़ता है। पिछले वर्ष मई व जून में दिल्ली के कई क्षेत्रों में पानी की समस्या हुई थी। इसे लेकर खूब राजनीति हुई थी। इस बार भी मई के पहले सप्ताह में जल संकट और इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है। पिछले वर्ष दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, उसने हरियाणा की भाजपा सरकार पर कम पानी देने का आरोप लगाया था। इस बार दिल्ली में भाजपा की सरकार है। इसने पंजाब की आप सरकार पर भाखड़ा जलाशय का पानी रोककर दिल्ली में जल संकट उत्पन्न करने का आरोप लगाया है।

दिल्ली को प्रतिदिन लगभग 1,290 मिलियन गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) पानी की जरूरत है। इसकी तुलना में यमुना, भाखड़ा जलाशय, गंगा (उप्र के गंग नहर से) और दिल्ली जल बोर्ड के ट्यूबवेल व रेनीवेल से लगभग एक हजार एमजीडी पानी उपलब्ध होता है। पंजाब के भाखड़ा जलाशय से हरियाणा को मिलने वाले पानी में से 500 क्यूसेक (270 एमजीडी) दिल्ली को दिया जाता है। इस समय इसमें से लगभग 15 प्रतिशत कम पानी आ रहा है, जिससे दिल्ली में जल आपूर्ति बाधित हो रही है। इसे लेकर मंगलवार को दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी पर गंदी राजनीति करने का आरोप लगाया था।

भाजपा सरकार द्वारा उठाए गए कदम

- भाजपा सरकार ने अपने पहले बजट में जल आपूर्ति सुधारने के लिए लगभग छह सौ करोड़ रुपये खर्च करने का प्रविधान किया है।
- ट्यूबवेल लगाने पर 100 करोड़ खर्च होंगे।
- हरियाणा से कच्चे नहर से पानी की बर्बादी रोकने व अमोनिया की समस्या हल करने के लिए तीन सौ करोड़ खर्च कर 11 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाने की घोषणा की गई है।
- पानी की चोरी रोकने के लिए 1,111 टैंकरों में जीपीएस प्रणाली लगाई गई है।

रिश्वत लेते एमसीडी के दो निरीक्षक समेत तीन लोग गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: सीबीआइ ने एक व्यक्ति से 60 हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में दो एमसीडी नरेला जोन के सहायक जन स्वास्थ्य निरीक्षक और एक बाहरी व्यक्ति शामिल हैं। बाहरी व्यक्ति दोनों अधिकारियों के निर्देश पर उनके लिए रिश्वत वसूलने का काम करता था। सीबीआइ प्रवक्ता के मुताबिक गिरफ्तार आरोपितों के नाम सुनील कुमार (सहायक जन स्वास्थ्य निरीक्षक), प्रवीण (सहायक जन स्वास्थ्य निरीक्षक) व शुभम राणा (निजी व्यक्ति) हैं।

एक पीड़ित की शिकायत पर सीबीआइ ने छह मई को एमसीडी के नरेला जोन के दो एएसआइ (सहायक स्वच्छता निरीक्षक) व एक सरकारी कर्मचारी के खिलाफ केस दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया था कि तीनों आरोपितों ने ट्रेड लाइसेंस जारी करने के लिए उनसे 90 हजार रिश्वत मांगी थी। आरोपितों द्वारा दबाव बनाने पर तीन मई को उन्होंने एडवांस के तौर पर 30 हजार दे दिया था। शेष 60 हजार देने के लिए तीनों उन पर दबाव बना रहे थे। तंग आकर पीड़ित ने सीबीआइ को शिकायत कर दी थी। आरोपित खुद को सहायक स्वच्छता निरीक्षक के रूप में पेश किया था। सात मई को सीबीआइ ने 60 हजार रिश्वत लेते तीन को गिरफ्तार कर लिया।

वायु प्रदूषण से निपटने को क्लाउड सीडिंग ट्रायल को कैबिनेट की मंजूरी

- एनसीआर में पांच ट्रायल के लिए 3.21 करोड़ के प्रोजेक्ट को हरी झंडी
- आइआइटी कानपुर करेगा प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन और मूल्यांकन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में बुधवार को वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया। सरकार ने 'दिल्ली-एनसीआर के लिए क्लाउड-सीडिंग का तकनीकी परीक्षण और मूल्यांकन' प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना का उद्देश्य राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण और कम बारिश से प्रभावी ढंग से निपटना है।

पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि 'हर क्लाउड-सीडिंग ट्रायल की लागत लगभग 55 लाख होगी। पांच ट्रायल के लिए कुल अनुमानित खर्च 2.75 करोड़ है। इसके अलावा, एक बार की व्यवस्था जैसे एयरक्राफ्ट की कैलिब्रेशन, कैमिकल स्टोरेज और लाजिस्टिक के लिए 66 लाख का खर्च तय किया गया है। इस तरह प्रोजेक्ट की कुल लागत 3.21 करोड़ होगी।'

इस प्रोजेक्ट को आइआइटी कानपुर के दिशा निर्देश में संचालित किया जाएगा, जो पूरे प्रोजेक्ट की योजना, एयरक्राफ्ट की तैनाती, कैमिकल के छिड़काव, वैज्ञानिक मॉडलिंग और ट्रायल्स की निगरानी करेगा। दिल्ली सरकार इस ट्रायल के लिए आइआइटी कानपुर को फंड जारी करेगी। पहला ट्रायल मई के अंत या जून 2025 में हो सकती है, जो लगभग 100 वर्ग किमी के क्षेत्र में, मुख्यतया दिल्ली के बाहरी

कैबिनेट की बैठक के दौरान सीएम रेखा गुप्ता और अन्य मंत्री। सौजन्य : दिल्ली सरकार

इलाकों में की जाएगी। इस चरण में कुल पांच ट्रायल्स प्रस्तावित हैं। ट्रायल के बाद वैज्ञानिक रूप से इसका मूल्यांकन किया जाएगा कि क्लाउड-सीडिंग वायु गुणवत्ता और वर्षा पर कितना प्रभाव डालती है। सिरसा ने बताया कि प्रोजेक्ट के संचालन से पहले सरकार को 13 अहम विभागों और एजेंसियों से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) लेनी होगी। इनमें नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, रक्षा मंत्रालय, गृह मंत्रालय, पर्यावरण मंत्रालय, भारतीय विमान प्राधिकरण और अन्य विभाग शामिल हैं। सिरसा ने कहा, ''यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता वाली कैबिनेट में पास हो चुका है। हम जल्द से जल्द ट्रायल शुरू करना चाहते हैं।

आपरेशन सिंदूर एकता व ताकत का प्रमाण है : दिल्ली सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नईदिल्ली

रेखा गुप्ता।

कपिल मिश्रा।

दिल्ली सरकार और भाजपा ने आपरेशन सिंदूर की सराहना की है। कहा, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों व उनके स्वजन को न्याय मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई दिल्ली सरकार की कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव पारित कर इस आपरेशन को क्रियान्वित करने में भारतीय सेना को नेतृत्व व समर्थन देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया गया।

कहा कि, सेना ने बहादुरी, सटीकता के साथ आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई की है। आतंकवाद के विरुद्ध भारत एकजुट है। यह आपरेशन हमारी ताकत, एकता और देश के नागरिकों और देश की भूमि की रक्षा करने के संकल्प का प्रमाण है। पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के स्वजन के प्रति संवेदना जताई गई। दिल्ली सरकार उनके साथ खड़ी है। दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, इस आपरेशन के बाद एक चुटकी सिंदूर की कीमत आतंकवादियों को बहुत अच्छे से समझ में आ गई होगी। पूरी दुनिया भारत के सैन्य पराक्रम को देख रही है। पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों ने कहा था कि जाकर मोदी को बता देना और आज मोदी ने बता दिया कि ये नया भारत है। महाकाल ने हाथों से नियति को लिखा है, आतंकियों के पूरे नेटवर्क को प्रधानमंत्री के हाथों से ही ध्वस्त होना है। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, आपरेशन सिंदूर हमारे सैन्य बलों के पराक्रम की पराकाष्ठा है। वायुसेना ने सभी आतंकी ठिकानों को तो नष्ट कर डाला पर किसी नागरिक को क्षति पहुंचे ऐसी गलती नहीं की। भाजपा के सभी कार्यकर्ता इस आपरेशन के लिए सेना के प्रति आभार प्रकट करते हैं।

आप और कांग्रेस ने भी की सेना की सराहना

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली :आपरेशन सिंदूर को प्रमुख विपक्षी दल आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं की भी सराहना मिली है। दोनों पार्टियों के प्रमुख नेताओं ने इस आपरेशन की कामयाबी के लिए सेना को बधाई देते हुए हौसलाअफजाई भी की है।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर आपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए सेना को बधाई दी और कहा कि हमें भारतीय सेना और वीर जवानों पर गर्व है। आतंकवाद के खिलाफ़ इस लड़ाई में 140 करोड़ भारतवासी भारतीय सेना के साथ खड़े हैं। सेना का साहस, हर देशवासी का विश्वास है। हम सब साथ हैं। आतंकवाद के खिलाफ़ एकजुट हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा, जय हिंद की सेना। आपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर भारतीय सेना को बधाई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि भारत की तीनों सेनाएं मजबूत है और जो भी देश की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने के लिए आतंकवादी गतिविधियों को देश में प्रायोजित करेगा उसका जवाब देने के लिए सेनाएं पूरी तरह से सक्षम है।

एक सप्ताह तक करेंगे इंतजार, उसके बाद कानून अपना काम करेगा : कोर्ट

- डीएमआरसी एवं डीएएमईपीएल के बीच विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी
- दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन को 2,500 करोड़ रुपये लौटाने से जुड़ा है विवाद

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की सहायक कंपनी दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड (डीएएमईपीएल) और एक्सिस बैंक द्वारा दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) को लगभग 2,500 करोड़ रुपये लौटाने के विवाद के निपटारे के लिए एक सप्ताह तक इंतजार करेगा। अगर वे एक सप्ताह के भीतर विवाद नहीं सुलझाते हैं तो कानून अपना काम करेगा।

एक्सिस बैंक की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ को बताया कि विवाद को सुलझाने के लिए दोनों पक्षों के बीच बैठकें चल रही हैं। सिंघवी ने कहा कि अगर अटार्नी जनरल आर. वेंकटरमानी मध्यस्थ के रूप में काम कर सकें, भले ही अपनी आधिकारिक क्षमता में नहीं, तो भी इससे विवाद को बहुत तेजी से सुलझाने में मदद मिलेगी। पीठ ने वेंकटरमानी से कहा कि वे निजी फर्म

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

और बैंकों के प्रबंध निदेशकों तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का ब्यौरा तैयार रखें। पीठ ने कहा, ''हम एक सप्ताह तक इंतजार करेंगे। यदि वे विवाद सुलझा लेते हैं तो ठीक है, अन्यथा कानून अपना काम करेगा।'' पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 14 मई तय की। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने तीन मार्च को कहा था कि पिछले वर्ष डीएमआरसी-डीएएमईपीएल विवाद पर फैसले का अक्षरशः पालन किया जाना चाहिए, अन्यथा वह निजी कंपनी और एक्सिस बैंक के संबंधित अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने के लिए बाध्य होगा।''

क्या है विवाद: यह विवाद दिल्ली में एयरपोर्ट एक्सप्रेस मेट्रो लाइन के संचालन से संबंधित है। दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लिमिटेड के कंसोर्टियम डीएएमईपीएल. व डीएमआरसी के बीच एयरपोर्ट लाइन के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए 2008 में समझौता किया था। स्टेशनों तक पहुंच प्रदान करने में देरी व खराब निर्माण के चलते डीएएमईपीएल. ने 2012 में समझौते को स्थगित करने की मांग की। जुलाई, 2012 में डीएएमईपीएल ने परिचालन बंद कर दिया और उसके बाद अक्टूबर, 2012 में मध्यस्थता की कार्यवाही शुरू की गई।

अतिक्रमणकारियों को अधिकारों का दावा करने की नहीं दी जा सकती अनुमति : कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- तैमूर नगर में नाले के पास सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई पर रोक से हाई कोर्ट का इन्कार
- तस्वीरें देख कोर्ट ने कहा- आवेदकों ने सार्वजनिक भूमि पर बनाए अनधिकृत पक्के ढांचे

तैमूरनगर में नाले के किनारे अतिक्रमण कर बने मकानों को ढहाता बुल्डोजर। चंद्र प्रकाश मिश्र

तैमूर नगर नाले को अवरुद्ध करने वाले अतिक्रमणकारियों को सख्त संदेश देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण कर अनधिकृत ढांचे बनाने वालों को अन्य नागरिकों की तुलना में अपने अधिकारों का दावा करने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि अतिक्रमण करने वालों से वैध रूप से रहने वाले नागरिक बाढ़-मुक्त स्थिति के हकदार हैं। जल्द आने वाले मानसून को देखते हुए नाले का विस्तार न जरूरी है। उक्त

अदालत ने उक्त टिप्पणी तैमूर नगर में चल रहे ध्वस्तीकरण अभियान के खिलाफ दायर आवेदन पर की। अनधिकृत कब्जा करने वालों को राहत देने से इन्कार करते हुए पीठ ने कहा कि प्रभावित अनधिकृत निवासी अस्थायी आधार पर रैन बसेरों और रैन बसेरों में जाने के लिए स्वतंत्र हैं। मामले पर आगे की सुनवाई 26 मई को होगी। सुनवाई के दौरान पेश की गई तस्वीरों को देखने के बाद अदालत ने पाया कि आवेदकों ने वास्तव में सार्वजनिक भूमि पर अनधिकृत रूप से पक्के ढांचे बनाए हैं और इसके कारण नाले का प्राकृतिक प्रवाह बाधित हो रहा है। अदालत ने यह भी कहा कि आवेदकों में से किसी के पास भूमि पर कोई कानूनी अधिकार नहीं है और यह साफ है कि विवादित ढांचे सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण हैं। डीडीए ने कहा कि कोई भी आवेदक पुनर्वास का पात्र नहीं है, क्योंकि वे दिल्ली स्लम और जेजे पुनर्वास और पुनर्वास नीति- 2015 के अनुसार मान्यता प्राप्त झुग्गी समूहों का हिस्सा नहीं हैं।

रैन बसेरा की सुविधा पर डूसिब के रुख पर अदालत ने जताई आपत्ति : सुनवाई के दौरान दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) ने कहा कि रैन बसेरों को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाता है, इसलिए सभी आवेदकों के परिवारों को समायोजित करना संभव नहीं हो सकता है। अदालत ने डूसिब के इस बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि डूसिब आम तौर पर इन मामलों में असहयोग का रवैया अपना रहा है।

घायल इनामी अस्पताल से फरार, दारोगा और सिपाही निलंबित

जागरण संवाददाता, गाजियाबाद: संजय नगर स्थित संयुक्त अस्पताल से मुरादनगर पुलिस द्वारा मुठभेड़ के बाद भर्ती कराया गया 25 हजार का इनामी बदमाश अरकश पुत्र रियाजुद्दीन बुधवार सुबह सुरक्षा में सेंध लगाकर फरार हो गया। चेन स्नेचिंग के आरोप में गिरफ्तार इस बदमाश को मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इस घटना के बाद डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी ने दारोगा सचिन सोलंकी और सिपाही कृष्ण कुमार को निलंबित कर दिया है। इस घटना ने पुलिस और अस्पताल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अस्पताल प्रशासन ने मधुबन बापूधाम थाना प्रभारी को इस घटना की सूचना दी है। सीएमएस डा.संजय गुप्ता के अनुसार, ईएमओ डा.अनुज ने पुलिस को सूचना भेजी थी। पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सतर्क हो गए हैं और अस्पताल से लेकर संजयनगर और राजनगर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मोटापे से मानसिक स्वास्थ्य भी होता है प्रभावित : चिराग पासवान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- चिराग ने किया वसंत कुंज में फोर्टिस के ओबेसिटी क्लीनिक के उद्घाटन
- कहा-लाइफस्टाइल से जुड़े रोगों से भी पूरी गंभीरता से लें

वसंत कुंज स्थित फोर्टिस अस्पताल में उद्घाटन के मौके पर मंत्री चिराग पासवान। सौ. अस्पताल

मोटापा देश की सबसे चुनौतीपूर्ण स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन चुका है। यह केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, उत्पादकता और जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। जब हम सेहतमंद भारत के लिए प्रयासरत हैं, तो ऐसे में ये क्लीनिक खुलना सराहनीय है। ये बातें केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने फोर्टिस अस्पताल वसंत कुंज में ओबेसिटी क्लीनिक के उद्घाटन के मौके पर कही।

उन्होंने कहा कि लाइफस्टाइल से जुड़े रोगों से भी पूरी गंभीरता से लें। इस पहल से लोगों को विशेषज्ञों की देखरेख में बेहतर सुविधा मिलेगी। डा. आशुतोष रघुवंशी ने कहा कि मोटापा तेजी से बढ़ रही समस्या है इसलिए इस क्लीनिक को शुरू किया है। ये मोटापे से ग्रस्त लोगों को वजन पर नियंत्रण के उपाय सुझाएगा। इसमें विस्तृत जांच, शारीरिक परीक्षण और स्वास्थ्य मापदंडों के आधार पर डाक्टर, साइकोलाजिस्ट, डायटिशियन और फिजियोथेरेपिस्ट का उचित मार्गदर्शन मिलेगा।

इस अवसर पर फोर्टिस हेल्थकेयर के एमडी एवं सीईओ डा. आशुतोष रघुवंशी समेत डा. बिष्णु प्रसाद पाणिग्रहि, डा. मुग्धा तापड़िया, डा. गुरविंदर कौर आदि मौजूद रहीं।

जांच के आदेश के खिलाफ कपिल मिश्रा की याचिका पर सुनवाई टली

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: अदालत ने वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगे के मामले में दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा की मजिस्ट्रेट कोर्ट की ओर से जांच के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टाल दी। राउज एवेन्यू स्थित सत्र न्यायाधीश दिग्विनय सिंह ने 26 मई की अगली सुनवाई की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान अदालत को सूचित किया गया कि मामले के दो पक्षकारों को समन की प्रति तामील नहीं हो सकी, क्योंकि उनके पते अधूरे थे।

अदालत ने इस मामले में जांच करने के मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश पर लगी रोक को अगले आदेश तक बढ़ा दिया। इसके पहले सत्र अदालत ने नौ अप्रैल को मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश पर रोक लगाते हुए याचिकाकर्ता मोहम्मद इलियास को नोटिस जारी किया था। सत्र अदालत में कपिल मिश्रा और दिल्ली पुलिस ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने दिल्ली दंगों में शामिल होने के मामले में कपिल मिश्रा के खिलाफ जांच करने का आदेश दिया था।

निगरानी

मौसम विभाग ने कहा- सेंसर नए, कैलीब्रेशन की जरूरत, अभी रीडिंग का होगा अध्ययन

फिर मुंगेशपुर का वेदर स्टेशन शुरू, अभी नहीं मिलेगा तापमान

संजीव गुप्ता ● जागरण

मुंगेशपुर स्थित मौसम विभाग का आटोमैटिक वेदर स्टेशन। जागरण

नई दिल्ली : मुंगेशपुर को याद कीजिए, दिल्ली का वह इलाका जो 29 मई 2024 को 52.9 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रिकार्ड करने के बाद एकाएक सुर्खियों में आ गया था। तापमान यहां स्थित आटोमैटिक वेदर स्टेशन ने रिकार्ड किया था। यह बात अलग है कि मौसम विभाग ने रीडिंग के इस आंकड़े को सेंसर की गलती बताकर तुरंत खारिज कर दिया था। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में स्थित इस स्वचालित मौसम केंद्र (एडब्ल्यूएस) ने एक दिन पूर्व 28 मई 2024 को 49.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया था। मौसम विभाग ने इस स्टेशन को ही बंद कर दिया।

लगभग एक साल बाद अब इस स्टेशन को फिर से चालू किया गया है। इसके सेंसर भी बदल दिए गए हैं। लेकिन मौसम विभाग का कहना है कि चूंकि सेंसर अभी नए हैं और उन्हें कैलिब्रेशन की भी आवश्यकता है। इसलिए कम से कम इस माह मुंगेशपुर के लिए कोई रीडिंग जारी नहीं की जाएगी, जो ऐतिहासिक रूप से दिल्ली का सबसे गर्म माह है। मालूम हो कि कैलिब्रेशन वह प्रक्रिया है, जिसमें किसी उपकरण या मशीन की सटीकता को ज्ञात मानक के साथ तुलना करके जांचा जाता है और आवश्यक होने पर उसे ठीक किया जाता है। मई में मुंगेशपुर के रीडिंग आंकड़े जारी नहीं किए जाने के कारण उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के कई अन्य हिस्सों को भी तापमान माप में शामिल किए जाने की संभावना नहीं है। मसलन मुंगेशपुर से करीब 10 किमी दूर नरेला में स्थित एडब्ल्यूएस भी इस वर्ष फरवरी से ही बंद पड़ा है। ऐसे ही दिल्ली विश्वविद्यालय का एडब्ल्यूएस भी चालू नहीं है।

मालूम हो कि दिल्ली में मौसम विभाग की पांच मुख्य वेधशालाएं हैं, जहां रीडिंग मैन्युअल रूप से ली जाती हैं। सफदरजंग- मौसम के लिए आधार स्टेशन है जबकि रिज, पालम, लोधी रोड और आयानगर अन्य चार हैं। इसमें 15 एडब्ल्यूएस भी हैं, जहां से रीडिंग सेंसर से स्वचालित रूप से मौसम विभाग के डेटाबेस में साझा की जाती है। इनमें मुंगेशपुर, नरेला, नजफगढ़, पूसा, पीतमपुरा, स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स (अक्षरधाम), मयूर विहार (सलवान पब्लिक स्कूल), भारत मंडपम एवं राजघाट में निश्चित समय पर रीडिंग लेते हैं। दिल्ली में स्टेशनों को इस तरह से स्थापित किया गया है कि वे शहर के विभिन्न हिस्सों को कवर कर सकें।

मुंगेशपुर एडब्ल्यूएस को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जाने चाहिए, क्योंकि डाटा पारदर्शिता महत्वपूर्ण है। इससे जनता को भी मदद मिलेगी। नेटवर्क जितना सघन होगा, मौसम की चरम स्थितियों की पहचान करने में उतनी ही मदद मिलेगी। मई के अंत व जून की शुरुआत में तापमान चरम पर होता है।

-महेश पलावत, उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन), स्काईमेट वेदर

मुंगेशपुर एडब्ल्यूएस में आने वाले कुछ सप्ताह तक डाटा का अध्ययन किया जाएगा। यह निगरानी में है, जब हमें लगेगा कि डाटा सही आ रहा तो इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

-डा मृत्युंजय महापात्रा, महानिदेशक, मौसम विभाग

भगत सिंह से खुद की तुलना नहीं कर सकते आरोपित

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस से पूछा- इसके बावजूद आरोपितों पर कैसे लगाया जा सकता है यूएपीए

संसद की सुरक्षा में सेंधमारी के आरोपितों की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि देश का गौरव कहे जाने वाले संसद भवन में कोई शरारत नहीं कर सकता। साथ ही अदालत ने यह भी कहा कि आरोपित खुद की तुलना भगत सिंह जैसे बलिदानियों से नहीं कर सकते।

हालांकि, न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद व न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने पुलिस से आरोपितों पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) लगाने पर सवाल उठाया। अदालत ने कहा कि भले ही संसद के अंदर प्रवेश करना न तो कोई मजाक है और न ही यह विरोध-प्रदर्शन का तरीका हो सकता है, लेकिन सवाल यह है कि आरोपितों के खिलाफ यूएपीए कैसे लगाया गया? अदालत आरोपित नीलम आजाद और महेश कुमावत द्वारा दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। ये दोनों आरोपित संसद भवन के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। पीठ ने कहा कि सवाल सख्त प्रविधान वाले यूएपीए के तहत आरोपपत्र दाखिल करने पर है। मुद्दा यह है कि स्प्रे-कंटेनर में धातु नहीं है। यह होली और आइपीएल में इस्तेमाल किए जाने वाले स्प्रे कंटेनर जैसा है और हानिकारक नहीं है। पीठ ने पुलिस को यह भी बताने को कहा कि आरोपितों को आगे भी हिरासत में क्यों रखा जाए, जबकि वे तर्क दे रहे हैं कि प्रथम दृष्टया यूएपीए की किसी भी धारा के तहत कोई अपराध नहीं बनता है।

धर्मशाला की जगह मुंबई में हो सकता है 11 मई का मैच

नई दिल्ली/मुंबई, प्रेट्र: पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर भारत के मिसाइल हमले के बाद धर्मशाला के कांगड़ा हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस का यात्रा कार्यक्रम प्रभावित हुआ है। दिल्ली और पंजाब का मैच गुरुवार को होना है, जिसके लिए बीसीसीआइ को सरकार की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। लेकिन 11 मई को होने वाले पंजाब और मुंबई के मुकाबले में संशय बना हुआ है। बीसीसीआइ सूत्रों के अनुसार, यह मुकाबला धर्मशाला की जगह मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में कराया जा सकता है।

धर्मशाला पंजाब किंग्स टीम का दूसरा घरेलू मैदान है। पंजाब टीम को यात्रा संबंधी फिलहाल कोई दिक्कत नहीं है, क्योंकि वे इस सप्ताह के अंत तक वहीं रहेंगे। दिल्ली कैपिटल्स को देखना होगा

कांगड़ा हवाई अड्डा बंद होने से मुंबई इंडियंस का धर्मशाला पहुंचने का यात्रा कार्यक्रम हुआ प्रभावित

कि उसके खिलाड़ी वापस कैसे आएंगे, जिन्हें रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलना है। मुंबई टीम का यात्रा कार्यक्रम भी अभी अनिश्चित है।

बीसीसीआइ के एक सूत्र ने कहा कि इस समय सब कुछ अनिश्चित है। टीमों से बात चल रही है और वे भी विचार कर रहे हैं कि हवाई अड्डा बंद रहने पर धर्मशाला से दिल्ली वापस कैसे आना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक विकल्प बस से लौटने का है, लेकिन सिर्फ टीमें नहीं, बल्कि प्रसारण टीम और उपकरण भी हैं। मुंबई की टीम को बुधवार शाम को चंडीगढ़ से धर्मशाला पहुंचना था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया है। ऐसे में यह मुकाबला शिफ्ट हो सकता है।

पंजाब के विरुद्ध दिल्ली के लिए 'करो या मरो' मुकाबला

श्रेयस अय्यर ● फाइल

नीरज व्यास ● जागरण

धर्मशाला: दिल्ली कैपिटल्स को आइपीएल प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिए फार्म में चल रही पंजाब किंग्स के विरुद्ध 'करो या मरो' के मुकाबले में हर हालत में जीत दर्ज करनी होगी। पिछले पांच मैचों में तीन हारने और एक बेनतीजा रहने के बाद दिल्ली 11 मैचों में 13 अंक लेकर पांचवें स्थान पर है। अक्षर पटेल की कप्तानी वाली टीम अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली स्टेडियम पर सिर्फ एक मैच सुपर ओवर में जीत पाई है। पहले चार मैच जीतने वाली दिल्ली की टीम को उम्मीद है कि मैदान बदलने से उसकी तकदीर भी बदलेगी। सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध बारिश में धुले पिछले मैच में दिल्ली की बल्लेबाजी विभाग ने निराश किया। उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज 29 रन के स्कोर पर पवेलियन में थे और आशुतोष वर्मा की पारी के दम पर ही टीम 133 रन बना सकी। पिछले मैच में करुण नायर से पारी की शुरुआत कराने का दाव भी नहीं चला और वह खाता भी नहीं खोल पाए। दक्षिण अफ्रीका के फाफ डुप्लेसिस गेंदबाजों की मददगार पिच पर शुरू ही से चौके छक्के लगाने के प्रयास में आउट हो गए। अभिषेक पोरेल अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठा पा रहे हैं। वहीं, अब तक 381 रन बना चुके केएल राहुल लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे हैं। अक्षर खुद जल्दी आउट हो गए थे। हालांकि, दिल्ली की बल्लेबाजी में अभी भी गहराई है। ट्रिस्टन स्टब्स, विप्रज निगम और आशुतोष ने उसे सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।

सलामी बल्लेबाजों ने हमेशा शानदार शुरुआत दी: हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम बल्लेबाजों का मददगार रहा है। यहां पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच मैच में बड़ा स्कोर बना था। दूसरी ओर पंजाब किंग्स ने 11 में से सिर्फ तीन मैच गंवाये हैं और तालिका में तीसरे स्थान पर है। दिल्ली की बल्लेबाजी में निरंतरता का अभाव रहा है, जबकि पंजाब के सलामी बल्लेबाजों ने उसे हमेशा शानदार शुरूआत दी है।

वर्षा की संभावना

धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जाती है। इस पिच पर काफी उछाल है, जिससे गेंद बल्ले पर अच्छे से आती है। इसके अलावा खेल के शुरुआत में तेज गेंदबाजों को मदद मिलती है। वहीं, मौसम की बात करें तो मौसम विभाग ने आठ मई को वर्षा की संभावना जताई है।

पडिक्कल की जगह आरसीबी से जुड़े मयंक

नई दिल्ली, प्रेट्र: रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने बुधवार को चोटिल देवदत्त पडिक्कल की जगह मयंक अग्रवाल को टीम में शामिल किया, जबकि दिल्ली कैपिटल्स ने आइपीएल के शेष मैचों के लिए इंग्लैंड के हैरी ब्रूक की जगह अफगानिस्तान के सेदिकुल्लाह अटल से अनुबंध किया। मौजूदा सत्र में आरसीबी के लिए 10 मैच में दो अर्धशतक की मदद से 247 रन बनाने वाले पडिक्कल दाहिने पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण बाहर हो गए हैं। मयंक ने अब तक 127 आइपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 2661 रन बनाए हैं। उनके नाम एक आइपीएल शतक और 13 अर्द्धशतक हैं। वह एक करोड़ रुपये में आरसीबी में शामिल हुए। दूसरी ओर, दिल्ली ने 23 वर्षीय अफगान बल्लेबाज अटल को अनुबंधित किया है, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में आइसीसी चैंपियंस ट्राफी में आस्ट्रेलिया के विरुद्ध 85 रन की शानदार पारी खेलकर सुर्खियां बटोरी थीं। अटल ने 49 टी20 मुकाबलों में 34.25 की औसत से 1,507 रन बनाए हैं, जिसमें 13 अर्धशतक शामिल हैं। वह पहली बार काबुल प्रीमियर लीग 2023 के दौरान चर्चा में आए जब उन्होंने एक ही ओवर में 48 रन बनाए। उस पारी में वह 56 गेंद पर 118 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसमें सात चौके और दस छक्के शामिल थे। उन्होंने टूर्नामेंट के फाइनल में शतक भी बनाया, जिसमें उन्होंने सिर्फ 42 गेंदों पर 103 रन बनाए। अटल ने एसीसी पुरुष टी20 इमर्जिंग टीम एशिया कप 2024 में अफगानिस्तान की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जहां वह पांच मैच में 368 रन बनाकर सबसे सफल बल्लेबाज रहे।

रोहित गए, गिल हो सकते हैं कप्तान

रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक और बड़े खिलाड़ी पर नजरें

अभिषेक त्रिपाठी, जागरण

नई दिल्ली : पिछले साल टी-20 विश्व कप जीतने के बाद इस प्रारूप से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा ने बुधवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी अटकलों को विराम दे दिया। रोहित ने तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट छोड़ने की घोषणा की। रोहित अब केवल वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रोहित के टेस्ट से संन्यास की घोषणा के साथ शुभमन गिल अगले टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हैं क्योंकि मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहती है। 25 वर्षीय गिल सफेद गेंद के प्रारूपों में उपकप्तान थे वह वर्तमान में आइपीएल में गुजरात टाइटंस की कप्तानी कर रहे हैं।

इस वर्ष जनवरी में खराब फार्म के कारण खुद को सिडनी टेस्ट से बाहर करने के बाद ही 'दैनिक जागरण' ने अपनी खबर में बता दिया था कि रोहित ने इस प्रारूप में अपना अंतिम टेस्ट मैच खेल लिया है। रोहित ने दिसंबर 2024 में मेलबर्न में अंतिम टेस्ट मैच खेला था। सूत्रों ने बताया कि इस साल जून में भारतीय टीम को इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है और रोहित को पहले ही बता दिया गया था उन्हें टीम में नहीं चुना जाएगा। इसके बाद माना जा रहा था कि रोहित 14 या 15 को संन्यास की घोषणा करेंगे, लेकिन उन्होंने बुधवार को ही इंटरनेट मीडिया पर इसकी घोषणा कर दी। इसके साथ ही सूत्रों का कहना है कि भारतीय टीम के एक और बड़े खिलाड़ी से भी कह दिया गया कि अब भविष्य की टीम में उनकी जगह नहीं बन रही है। संन्यास का निर्णय उन्हीं पर छोड़ दिया गया है। अब देखना है कि वह कब संन्यास की घोषणा करते हैं। ये भी देखना होगा कि वह खिलाड़ी आने वाले समय में बीसीसीआइ को सेट कर पाते हैं या नहीं।

आस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही रोहित का करियर डगमगा रहा था। गंभीर ने भारतीय क्रिकेट में स्टार संस्कृति समाप्त करने की वकालत की थी। हालांकि दोनों ने कभी इसको लेकर सार्वजनिक रूप से कुछ नहीं कहा, लेकिन गंभीर ने लगातार यह कहा कि भारतीय टीम में जगह बनाने का एकमात्र रास्ता अच्छा प्रदर्शन है। इंग्लैंड दौरे को लेकर रोहित के चयन पर गंभीर ने कहा था कि यह तय करना चयनकर्ताओं का काम है। अगर टीम में चयन का एकमात्र पैमाना प्रदर्शन है तो रोहित टेस्ट टीम में फिट नहीं बैठ रहे थे। रोहित ने बार्डर-गावस्कर ट्राफी में पांच पारियों में केवल 6.20 की औसत से सिर्फ 31 रन बनाए थे और सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में अंतिम टेस्ट के लिए खुद को बाहर भी कर लिया। वहीं रोहित की कप्तानी में ही भारत को न्यूजीलैंड से घर में पहली बार टेस्ट सीरीज में 0-3 से हार मिली। उस सीरीज में रोहित का औसत केवल 15.16 का रहा था।

रोहित का टेस्ट करियर खत्म, वनडे पर निगाहें

दैनिक जागरण में इस वर्ष चार जनवरी को प्रकाशित समाचार ●

रोहित का टेस्ट करियर						
मैच	पारी	रन	औसत	स्ट्राइक रेट	100	50
67	116	4301	40.57	57.05	12	18

- रोहित एक टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ चुके हैं। 02 अक्टूबर 2019 को विशाखापत्तनम में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध पहली पारी में 176 रन और दूसरी पारी में 127 रन बनाए थे।
- रोहित शर्मा (177) टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण मुकाबले में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दुनिया के 23वें खिलाड़ी हैं, जबकि भारत के दूसरे बल्लेबाज हैं। रोहित से पहले शिखर धवन (187) हैं।

2013 में हिटमैन रोहित ने किया था टेस्ट पदार्पण

रोहित ने 2013 में टेस्ट पदार्पण किया था और पहले ही मैच में शतक जड़ा था। टेस्ट में रोहित का सर्वोच्च स्कोर 212 रन है, जो उन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध बनाया था। कप्तान के तौर पर रोहित ने 24 टेस्ट मैच खेले, जिसमें से टीम को 12 में जीत मिली और नौ में हार। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम 2023 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी पहुंची थी, जहां उसे आस्ट्रेलिया से हार मिली थी।

रोहित शर्मा ● फाइल

टेस्ट कैप की फोटो साझा कर दिया धन्यवाद

रोहित ने इंस्टाग्राम पर अपनी टेस्ट कैप की फोटो साझा करते हुए लिखा, सभी को नमस्कार, मैं यह बताना चाहता हूं कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले रहा हूं। सफेद जर्सी में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। इतने वर्षों तक प्यार व समर्थन देने के लिए आप सभी का धन्यवाद। मैं वनडे प्रारूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना जारी रखूंगा।

> आपके साहसिक नेतृत्व के लिए धन्यवाद, जिसने टेस्ट क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया, और आपकी शानदार पारियों ने इस खेल के सबसे लंबे प्रारूप के प्रशंसकों का भरपूर मनोरंजन किया। आपके आने वाले जीवन और क्रिकेट के नए अध्यायों के लिए शुभकामनाएं।
> – **जय शाह**, चेयरमैन, आइसीसी

चेन्नई ने कोलकाता को दो विकेट से हराया, ईडन में अहमद ने बिखेरा नूर

चेन्नई ने बिगाड़ा कोलकाता का खेल

विशाल श्रेष्ठ ● जागरण

कोलकाता: 'हम तो डूबेंगे सनम, तुम्हें भी ले डूबेंगे।' यह डायलाग चेन्नई सुपर किंग्स पर सटीक बैठा है। टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी चेन्नई सुपर किंग्स ने बुधवार को ईडन गार्डेंस स्टेडियम में कोलकाता नाइटराइडर्स को दो विकेट से हराकर उसका सारा खेल बिगाड़ दिया। इस हार के साथ कोलकाता की प्लेआफ में पहुंचने की संभावना बेहद क्षीण हो गई है। बेहद जटिल गणितीय आंकड़े ही उसे अब अंतिम चार में पहुंचा सकते हैं। नूर अहमद (4/31) की घातक गेंदबाजी के बाद डेवाल्ड ब्रेविस (52) और शिवम दुबे (45) की शानदार बल्लेबाजी के बल पर चेन्नई ने कोलकाता को मात दे दी। कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 179 रन बनाए। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 48 और विस्फोटक बल्लेबाज आंद्रे रसेल ने 38 रन बनाए। इसके जवाब में चेन्नई ने 19.4 ओवर में 8 विकेट पर 183 रन बना डाले। चेन्नई के एक समय मात्र 60 रन पर पांच विकेट गिर गए थे। उसके आरंभिक बल्लेबाज आयुष म्हात्रे और डेवोन कान्वे खाता तक नहीं खोल पाए थे। तब लगा था कि कोलकाता आसानी से मैच जीत लेगी, लेकिन वहां से ब्रेविस और शिवम मैच निकाल ले गए। चेन्नई की लगातार चार हार के बाद यह पहली जीत है। इसके साथ ही चेन्नई ने कोलकाता से पिछली हार का बदला भी ले लिया। उस मैच में कोलकाता ने चेन्नई को आठ विकेट से हराया था।

नेट गेंदबाज से प्रमुख गेंदबाज: नूर को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 2021 में नेट गेंदबाज के तौर पर रखा था, आज वे उसी टीम के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हैं। नूर ने 2023 में गुजरात टाइटंस की ओर से आइपीएल में पदार्पण किया और पहले ही सत्र में 13 मैचों में 16 विकेट लेकर चमक बिखेरी। पिछली नीलामी में चेन्नई ने नूर की अहमियत समझते हुए उन्हें 10 करोड़ रुपये में खरीदा। नूर ने कोलकाता के विरुद्ध अपने पहले ही ओवर में दो विकेट चटकाए। रहाणे-नारायण की जोड़ी जब बड़ी साझेदारी की ओर बढ़ रही थी, तभी नूर ने दो विकेट लेकर कोलकाता को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद कोलकाता जब आंद्रे रसेल के प्रहार से फिर संभली तो नूर ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। खतरनाक रूप अख्तियार कर रहे रिंकू सिंह (09) को भी नूर ने पवेलियन भेजा। नूर के अब 12 मैचों में गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के साथ संयुक्त रूप से 20-20 विकेट हो गए हैं।

ब्रेविस-शिवम ने संभाली पारी: डेवाल्ड ब्रेविस (52) और शिवम दुबे ने पारी को संभाला और छठे विकेट के लिए 67 रन जोड़े। ब्रेविस ने वैभव की ओवर में तीन छक्के व तीन चौके लगाकर 30 रन बटोरे। ब्रेविस ने मात्र 22 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया।

नूर अहमद ● प्रेट्र

स्कोर बोर्ड

कोलकाता : 179/6 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
गुरबाज का. नूर बो. अंशुल	11	09	1/1
नारायण स्टं. धौनी बो. नूर	26	17	4/1
रहाणे का. कान्वे बो. जडेजा	48	33	4/2
अंगकृष का. धौनी बो. नूर	01	02	0/0
मनीष अविजित	36	28	1/1
रसेल का. ब्रेविस बो. नूर	38	21	4/3
रिंकू का. आयुष बो. नूर	09	06	2/0
रमनदीप अविजित	04	04	0/0

अतिरिक्त : 06 (लेबा : 04, वा-02)
विकेटपतन : 1-11 (गुरबाज, 1.3), 2-69 (नारायण, 7.1), 3-71 (अंगकृष, 7.4), 4-103 (रहाणे, 12.2), 5-149 (रसेल, 16.6), 6-167 (रिंकू, 18.3)
गेंदबाजी : खलील 2-0-14-0, अंशुल 3-0-38-1, अश्विन 3-0-19-0, नूर 4-0-31-4, जडेजा 4-0-34-1, पथिराना 4-0-39-0

चेन्नई : 183/8 (19.4 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
आयुष का. हर्षित बो. वैभव	00	02	0/0
कान्वे बो. मोइन	00	02	0/0
उर्विल का. वरुण बो. हर्षित	31	11	1/4
अश्विन का. अंगकृष बो. हर्षित	08	07	1/0
जडेजा बो. वरुण	19	10	2/1
ब्रेविस का. रिंकू बो. वरुण	52	25	4/4
शिवम का. रिंकू बो. वैभव	45	40	2/3
धौनी अविजित	17	18	0/1
नूर का. रिंकू बो. वैभव	02	02	0/0
अंशुल अविजित	04	01	1/0

अतिरिक्त : 05 (लेबा- 01, वा-04)
विकेटपतन : 1-0 (आयुष, 0.2), 2-25 (कान्वे, 1.5), 3-37 (उर्विल, 2.6), 4-56 (अश्विन, 4.6), 5-60 (जडेजा, 5.2), 6-127 (ब्रेविस, 12.1), 7-170 (शिवम, 18.4), 8-172 (नूर, 18.6)
गेंदबाजी : वैभव 3-0-48-3, मोइन 2-0-23-1, हर्षित 4-0-43-2, वरुण 4-0-18-2, नारायण 4-0-28-0, रसेल 2.4-0-22-0

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	टाई/रद	नेट रन रेट	अंक
1	गुजरात	11	8	3	0	+0.793	16
2	आरसीबी	11	8	3	0	+0.482	16
3	पंजाब	11	7	3	1	+0.376	15
4	मुंबई	12	7	5	0	+1.156	14
5	दिल्ली	11	6	4	1	+0.362	13
6	केकेआर	12	5	6	1	+0.193	11
7	लखनऊ	11	5	6	0	-0.469	10
8	हैदराबाद (E)	11	3	7	1	-1.192	7
9	राजस्थान (E)	12	3	9	0	-0.718	6
10	सीएसके (E)	12	3	9	0	-0.992	6

स्टेडियम में बम रखे जाने की अफवाह

कोलकाता नाइटराइडर्स-चेन्नई सुपर किंग्स के मैच के दौरान बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) को अज्ञात आइडी से धमकी भरा मेल मिला। इसमें लिखा था कि स्टेडियम में बम रखा हुआ है। कैब सूत्रों के मुताबिक इसके बाद सुरक्षा और बढ़ा दी गई। पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर सेना की कार्रवाई के बाद पहले से ही सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। स्टेडियम के अंदर-बाहर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात थे।

सेना के सम्मान में बजाया गया राष्ट्रगान

मैच शुरू होने से पहले पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर किए गए एयर स्ट्राइक को लेकर भारतीय सेना के सम्मान में राष्ट्रगान बजाया गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों के साथ स्टेडियम में उपस्थित सारे दर्शक राष्ट्रगान पर खड़े हुए। मालूम हो कि अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान ही राष्ट्रगान बजाया जाता है।

टीम आउट, महेंद्र सिंह धौनी का क्रेज कायम

ईडन गार्डेंस में महेंद्र सिंह धौनी खेल रहे हों और भीड़ न उमड़े, ऐसा हो नहीं सकता। धौनी और उनकी टीम चेन्नई सुपरकिंग्स का आइपीएल के वर्तमान सत्र में प्रदर्शन भले बेहद खराब रहा हो, लेकिन कोलकाता में उनके प्रशंसकों की संख्या में कमी नहीं आई है। दर्शकों का एक वर्ग सिर्फ धौनी का खेल देखने ईडन पहुंचा था। अधिकांश ने धौनी की सात नंबर जर्सी पहन रखी थी।

जेमिमा के शतक से भारतीय महिला टीम फाइनल में

कोलंबो, प्रेट्र: जेमिमा रोड्रिग्स (123) के करियर के सर्वश्रेष्ठ शतक की बदौलत भारत ने बुधवार को महिला त्रिकोणीय वनडे सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को 23 रन से हराया। इसी जीत के साथ भारतीय महिला टीम ने सीरीज के फाइनल में प्रवेश किया। कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने टास जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

टास हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 50 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 337 रन बनाए। 24 वर्षीय जेमिमा रोड्रिग्स ने 101 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 123 रन की तेज पारी खेली। यह उनका दूसरा वनडे शतक है। उनकी शतकीय पारी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 338 रन का विशाल लक्ष्य दिया। स्मृति मंधाना (51) और दीप्ति शर्मा (93) ने अर्धशतक जमाए। जवाब में खेलने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 50 ओवर में सात विकेट पर 314 रन ही बना सकी, जिसमें एनेरी डर्कसेन ने 81 रन बनाए और कप्तान क्लो ट्रायोन ने 67 रन का योगदान दिया। भारत के लिए अमनजोत तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहीं, जबकि दीप्ति शर्मा ने दो विकेट चटकाए।

जेमिमा रोड्रिग्स ● एक्स

तेंदुलकर और सहवाग ने सेना की कार्रवाई की सराहना की

नई दिल्ली, प्रेट्र: पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए भारतीय सेना के 'आपरेशन सिंदूर' की भारतीय खेल जगत ने सराहना की है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने कहा कि एकता में निडर, शक्ति में असीम। भारत की ढाल उसके लोग हैं। दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। हम एक टीम हैं। जय हिंद। वहीं, पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने लिखा कि अगर कोई आप पर पत्थर फेंके तो उस पर फूल फेंको, लेकिन गमले के साथ।

मुक्केबाज विजेंदर सिंह और पहलवान योगेश्वर दत्त ने भी 'आपरेशन सिंदूर' की सराहना की। विजेंदर ने लिखा कि भारत माता की जय। योगेश्वर ने लिखा कि आतंकवाद अब बर्दाश्त नहीं करेगा भारत। शतरंज खिलाड़ी विदित गुजराती ने लिखा कि मुझे खुशी है कि भयानक पहलगाम हमले के बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर के जरिए माकूल जवाब दिया। आतंकवाद का जवाब दिया ही जाना चाहिए।

बार्सिलोना पर 'चमत्कारिक' जीत से फाइनल में इंटर मिलान

मिलान, एपी : एक ऐतिहासिक रात, सात गोल और दो रोमांचक वापसी। यही वो दृश्य था जो इंटर मिलान और बार्सिलोना के बीच हुए मंगलवार रात हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल मुकाबले को यादगार बना गया। इंटर मिलान ने सेमीफाइनल के दूसरे लेग के इस मुकाबले में अतिरिक्त समय में 4-3 की जीत के साथ कुल स्कोर 7-6 करते हुए फाइनल मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। मुकाबले के नायक रहे इंटर मिलान के सब्स्टीट्यूट मिडफील्डर डेविडे फ्राटेसी, जिन्होंने 99वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर बार्सिलोना के खिलाड़ियों को मैदान पर ही निराश छोड़ दिया। 2023 के फाइनल में मैनचेस्टर सिटी से हारने वाली इंटर मिलान अब 31 मई को म्यूनिख में फाइनल खेलेगी। उसका मुकाबला पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) या आर्सेनल से होगा।

मैच का रोमांच: पहले हाफ में मिलान 2-0 से आगे था। मिलान के लिए लाउतोरो मार्टिनेज ने पहला गोल दागा और फिर हाकन चालनोग्लू ने पेनाल्टी पर गोल किया, लेकिन बार्सिलोना ने दूसरे हाफ में वापसी की। एरिक गार्सिया और दानी ओल्मो के अद्भुत गोल ने मैच को बराबरी पर ला दिया। फिर 88वें मिनट में राफिन्हा ने गोल कर बार्सिलोना को जीत की ओर अग्रसर किया। लेकिन डिफेंडर फ्रांसेस्को एचेर्बी ने इंजुरी टाइम में गोल कर स्कोर 3-3 किया, जिससे मुकाबला अतिरिक्त समय में गया। फिर आया वह पल, जब फ्राटेसी ने 99वें मिनट में गोल कर मुकाबले का पासा पलट दिया और सैन सिरो एरिना में बैठे दर्शकों का शोर बता रहा था कि मैदान पर कुछ अविश्वनीय हुआ है। हालांकि बार्सिलोना के यमाल ने आखिरी क्षणों में एक शानदार शाट लगाया जिसे गोलकीपर सोमर ने बचाकर टीम को जीत दिलाई। मैच के बाद फ्राटेसी ने कहा, मुझे नहीं पता कि आज रात क्या हुआ। मैं भाग्यशाली हूं कि मैं अपनी टीम को जीत दिला पाया।

जीत के बाद कोच सिमोने इंजाघी के साथ जश्न मनाते हुए फ्रांसेस्को एचेर्बी ● रायटर

मिलान ने सेमीफाइनल के दूसरे लेग में बार्सिलोना को 4-3 से हराया, सब्स्टीट्यूट फ्राटेसी बने नायक

> मेरे खिलाड़ियों ने बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख जैसे यूरोप के दो सर्वश्रेष्ठ क्लबों के खिलाफ अद्भुत प्रदर्शन किया है। हम फाइनल के लिए पूरी तरह तैयार हैं, चाहे सामने कोई भी टीम हो। – **सिमोने इंजाघी**, कोच, इंटर मिलान

> हर कोई निराश है, लेकिन मुझे अपनी टीम पर गर्व है। हम इसे स्वीकार करते हैं और अगला सीजन फिर से शुरू करेंगे।
> – **हांसी फ्लिक**, बार्सिलोना कोच

डेविडे फ्राटेसी ● एएफपी

****

पांच आइआइटी की बुनियादी संरचना, शैक्षणिक क्षमता के विस्तार को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी, चार साल की अवधि में कुल लागत 11,828 .79 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को आंध्र प्रदेश, केरल, छत्तीसगढ़, जम्मू- कश्मीर तथा कर्नाटक में स्थापित पांच नए आइआइटी की शैक्षणिक और बुनियादी संरचना क्षमता के विस्तार को मंजूरी दे दी। 2025-26 से 2028-29 तक चार साल की अवधि में प्रस्तावित विस्तार की कुल लागत 11,828.79 करोड़ रुपये आंकी गई है।

मंत्रिमंडल ने इन आइआइटी में प्रोफेसर स्तर पर 130 संकाय पदों के सृजन को भी मंजूरी दी। बयान में कहा गया है कि उद्योग-अकादमिक संबंध को मजबूत करने के लिए पांच नए अत्याधुनिक अनुसंधान पार्क भी बनाए जा रहे हैं। ये आइआइटी तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, कर्नाटक के धारवाड़ में स्थित हैं।

अगले चार वर्षों में इन आइआइटी में छात्र संख्या में 6,500 की वृद्धि की जाएगी। इसमें स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों में प्रथम वर्ष में 1,364 छात्र, द्वितीय वर्ष में 1,738 छात्र, तृतीय वर्ष में 1,767 छात्र और चतुर्थ वर्ष में 1,707 छात्र बढ़ेंगे। वर्तमान में 7,111 के मुकाबले 13,687 छात्र पढ़ाई कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करते हुए। साथ हैं कैबिनेट के सदस्य नितिन गडकरी, राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा। एएनआइ

आइटीआइ उन्नयन के लिए 60,000 करोड़ की राष्ट्रीय योजना को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में सरकार ने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आइटीआइ) उन्नयन के लिए राष्ट्रीय योजना और कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने को भी मंजूरी दे दी। इस योजना के लिए कुल 60,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह भारत की व्यावसायिक शिक्षा में बदलाव की दिशा में एक बड़ा कदम है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया, 'इस योजना में उद्योग से जुड़े नए पाठ्यक्रम के साथ नई व्यवस्था में 1,000 सरकारी आइटीआइ के उन्नयन और पांच राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों की क्षमता वृद्धि पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसमें इन संस्थानों में कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करना शामिल है।'

विद्युत क्षेत्र को कोयला आवंटन

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने विद्युत उत्पादकों के ताप विद्युत संयंत्रों को नए कोयला लिंकेज प्रदान करने को मंजूरी दे दी है। इसमें केंद्रीय विद्युत उत्पादन कंपनियों/राज्यों को अधिसूचित मूल्य पर कोयला लिंकेज; और सभी उत्पादन कंपनियों को अधिसूचित मूल्य से अधिक प्रीमियम पर कोयला लिंकेज प्रविधान है।

जस्टिस यशवंत वर्मा के दिल्ली स्थित घर में मिली थी नकदी : जांच समिति

- नकदी मामले में जस्टिस वर्मा के खिलाफ आरोप सही, चीफ जस्टिस ने मांगा जवाब
- जस्टिस वर्मा पर पद छोड़ने या महाभियोग का सामना करने का संकट
- तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट में 50 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए गए

जस्टिस यशवंत वर्मा। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिल्ली हाई कोर्ट के जज रहने के कार्यकाल में जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से नकदी बरामद होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त समिति ने आरोप सही पाए हैं। माना जा रहा है कि चीफ जस्टिस संजीव खन्ना ने भी रिपोर्ट में सामने आए गंभीर आरोपों के चलते जस्टिस वर्मा से पद छोड़ने को कहा है। वह फिलहाल इलाहाबाद हाई कोर्ट में जज हैं। सूत्रों ने बताया कि या तो जस्टिस वर्मा को पद छोड़ना होगा या फिर महाभियोग का सामना करना पड़ेगा।

सूत्रों का कहना है कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के तहत प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) ने समिति की रिपोर्ट को जस्टिस वर्मा के पास भेज दिया है और उनका जवाब मांगा है। सीजेआइ को रिपोर्ट सौंपने वाली तीन सदस्यीय समिति में पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस जीएस संधवालिया और कर्नाटक हाई कोर्ट की जस्टिस अनु शिवरामन शामिल थे। यह रिपोर्ट तीन मई को फाइनल कर चार मई को सीजेआइ को सौंपी गई थी।

समिति ने अपनी जांच के दौरान सुबूतों का विश्लेषण किया और 50 से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज किए। इनमें दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और दिल्ली अग्निशमन सेवा के प्रमुख शामिल थे, जिन्होंने 14 मार्च की रात करीब 11.35 बजे लुटियंस दिल्ली स्थित जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास पर आग लगने पर सबसे पहले प्रतिक्रियात्मक कार्रवाई की थी। जस्टिस वर्मा उस वक्त दिल्ली हाई कोर्ट के जज थे।

सूत्रों का कहना है कि समिति को मिले स्पष्ट सुबूत, आग लगने के दौरान जस्टिस वर्मा के आधिकारिक आवास के स्टोर रूम से भारी मात्रा में नकदी बरामद किए जाने संबंधी गंभीर आरोपों को सही साबित करते हैं। जबकि दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को दिए अपने जवाब में जस्टिस वर्मा ने बार-बार इन आरोपों से इन्कार किया था।

सूत्रों के अनुसार आगामी 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले चीफ जस्टिस खन्ना ने रिपोर्ट के निष्कर्षों पर सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम के वरिष्ठ सदस्यों से चर्चा की है और संभवतः इस मामले को इसके तार्किक निष्कर्ष पर ले जाएंगे।

नकदी बरामदगी के बाद कई स्तरों पर सामने आया विवाद

यह विवाद नकदी की बरामदगी के साथ सामने आने के बाद कई स्तरों पर पहुंचा। इसमें दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की प्राथमिक जांच, फिर दिल्ली हाई कोर्ट में जस्टिस वर्मा से न्यायिक कार्य को वापस ले लेना और बाद में उन्हें न्यायिक कार्य से मुक्त करके वापस इलाहाबाद हाई कोर्ट भेज देना शामिल था। 24 मार्च को सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम ने जस्टिस वर्मा को उनके मूल इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने की सिफारिश की थी। 28 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से जस्टिस वर्मा को कोई भी न्यायिक कार्य ना देने के लिए कहा था।

चंद्रमा पर होंगे भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के पैरों के निशान : मोदी

- कहा-देश के रडार पर मंगल और शुक्र ग्रह के खोजी मिशन भी हैं
- भारत की अंतरिक्ष यात्रा दूसरों से आगे जाने की नहीं, साथ आगे बढ़ने की

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा औरों से होड़ करने के लिए नहीं बल्कि 'वसुधैव कुटुंबकम' (विश्व एक परिवार है) की मान्यता को स्थापित करने में है। वैश्विक महाशक्तियों के बीच अंतरिक्ष में खोज की होड़ पर पीएम मोदी ने कहा कि भारत की अंतरिक्ष यात्रा दूसरों से आगे निकलने के लिए नहीं है। बल्कि यह मिल-जुलकर साथ आगे बढ़ने के लिए है। उन्होंने कहा कि भारत नए विश्वास के साथ अंतरिक्ष की खोज करने निकला है और उसके अंतरिक्ष यात्रियों के पैरों के निशान चंद्रमा पर होंगे। देश के रडार पर मंगल और शुक्र के खोजी मिशन भी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को अंतरिक्ष अन्वेषण (ग्लेक्स 2025) को एक वीडियो संदेश में कहा कि अंतरिक्ष में खोज समेकित विकास के लिए होनी चाहिए। भारत के लिए अंतरिक्ष सिर्फ खोज का विषय नहीं, यह सशक्तीकरण का भी जरिया है। देश भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन 2035 और चंद्रमा पर भारतीय अंतरिक्ष यात्री को वर्ष 2040 तक भेजेगा। मोदी ने कहा कि पहला मानव मिशन 'गगनयान' वर्ष 2027 की शुरुआत में लांच होगा। भारत ने दक्षिण एशियाई देशों के लिए भी सैटेलाइट और जी20 सैटेलाइट भी स्थापित किए जा रहे हैं। जी20 समूह की अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल साउथ के लिए यह तोहफा होगा।

मोदी ने कहा कि आने वाले हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) जाने वाले इसरो और नासा के संयुक्त अभियान के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में यात्रा करेगा। एक्जियोम-4 नामक मिशन 29 मई को लांच होगा और भारतीय अंतरिक्ष यात्री सुधांशु शुक्ला तीन और अंतरिक्ष यात्रियों के साथ आइएसएस जाएंगे। अंतरिक्ष का उनका 14 दिन का यह सफर उन्हें पृथ्वी की कक्षा में स्थित आइएसएस में प्रवास कराएगा। भारत की अंतरिक्ष यात्रा एक छोटे से राकेट को 1963 में लांच करके हुई थी।

ईडी जांच में आरोपित को दिए जाएं दस्तावेज और बयानों की प्रति

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को निष्पक्ष सुनवाई की संवैधानिक गारंटी की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि जांच के दौरान आरोपित को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा इकट्ठा किए गए दस्तावेज और बयानों की एक प्रति पाने का अधिकार है। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि एक बार अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान ले लिया गया, तब मामला देख रहे विशेष जज को यह बिल्कुल निर्देशित करना चाहिए कि आरोपित को शिकायत और दस्तावेज की प्रति मुहैया कराई जाए। पीठ ने कहा, 'जांच अधिकारी ने जिन बयानों, दस्तावेज और साक्ष्यों पर भरोसा नहीं किया, उनकी सूची की एक प्रति भी आरोपित को दी जानी चाहिए।' अदालत का यह आदेश मनी लांड्रिंग मामले की एक आरोपित सरला गुप्ता द्वारा दायर याचिका पर आया है। गुप्ता ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि अभियोजन पक्ष सुनवाई से पूर्व के चरणों में दस्तावेज मुहैया कराने के लिए बाध्य नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश की अनदेखी करने पर एडिशनल सेशंस जज से मांगा स्पष्टीकरण

माला दीक्षित ● जागरण

- मध्य प्रदेश के दतिया के एडिशनल सेशंस जज से जुड़ा है यह मामला
- हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से जज को ट्रेनिंग पर भेजने का किया अनुरोध

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने आदेश की अनदेखी करने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए मध्य प्रदेश में दतिया के एक एडिशनल सेशंस जज से स्पष्टीकरण मांग लिया है। शीर्ष अदालत ने प्रथम एडिशनल सेशंस जज उत्सव चतुर्वेदी से स्पष्टीकरण मांगा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अनदेखी करने के लिए उनके खिलाफ क्यों न सख्त रुख अपनाया जाए। इतना ही नहीं सर्वोच्च अदालत ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से संबंधित जज को एक सप्ताह के लिए ट्रेनिंग पर भेजने का अनुरोध किया है ताकि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश के प्रति संवेदनशील बनें और उस पर अमल करें। मामले में 21 जुलाई को फिर सुनवाई होगी।

जिस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश दिया है, उसमें अभियुक्त गोविंदशरण श्रीवास्तव को सुप्रीम कोर्ट द्वारा जमानत दिए जाने के बावजूद निचली अदालत से तब तक रिहाई नहीं मिली, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा आदेश नहीं दिया। इसलिए जमानत मिलने के बावजूद वह करीब डेढ़ महीने तक जेल में रहा।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने दो मई को गोविंदशरण के वकील जसबीर सिंह मलिक की दलीलें सुनने के बाद तब ये आदेश जारी किए, जब कोर्ट को पता चला कि जज उत्सव चतुर्वेदी सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद अभियुक्त की रिहाई के लिए शर्तें लगा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश को सही ढंग से नहीं समझ रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जज चतुर्वेदी के रवैये पर नाराजगी जताते हुए आदेश में कहा है कि यह न सिर्फ अनोखा बल्कि चौंकाने वाला मामला है। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 24 जनवरी, 2025 को याचिकाकर्ता (गोविंदशरण श्रीवास्तव) को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। हालांकि कहा था कि ट्रायल कोर्ट की लगाई शर्तों पर रिहाई होगी। इस आदेश के बाद जब अभियुक्त जमानत पर रिहाई के लिए ट्रायल कोर्ट पहुंचा तो ट्रायल कोर्ट ने रिहाई के लिए सजा के साथ लगाए गए जुर्माने के भुगतान की शर्त लगा दी। जब रिहाई नहीं मिली तो गोविंदशरण ने फिर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सात मार्च को फिर से गोविंदशरण को 25000 के मुचलके और इतनी राशि के दो जमानती पर रिहा करने का आदेश दिया। जज उत्सव चतुर्वेदी ने सुप्रीम कोर्ट के इस नए आदेश को देखकर कहा कि यह पहले के आदेश के अनुक्रम में ही है, उसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा जोड़ी गई शर्त को न हटाया गया है और न ही निलंबित किया गया है।

सीबीआइ निदेशक प्रवीण सूद को मिला एक साल का सेवा विस्तार

प्रवीण सूद। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र ने बुधवार को सीबीआइ निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। उन्होंने 25 मई, 2023 में दो साल के लिए सीबीआइ निदेशक का पदभार संभाला था। अधिकारियों ने बताया कि उनका कार्यकाल बढ़ाने का फैसला सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की बैठक में लिया गया। इसमें प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी मौजूद थे।

चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 24 मई से आगे एक साल की अवधि के लिए सूद के कार्यकाल विस्तार को मंजूरी दी। सूद कर्नाटक कैडर के 1986 बैच के आइपीएस अधिकारी हैं। जब उन्हें सीबीआइ का निदेशक नियुक्त किया गया था, तब वह कर्नाटक के डीजीपी पद पर कार्यरत थे।

बिहार में दिनदहाड़े बैंक आफ महाराष्ट्र से पांच करोड़ का सोना और 15 लाख लूटे

जासं, समस्तीपुर: बिहार के समस्तीपुर में बैंक आफ महाराष्ट्र की काशीपुर शाखा से आठ बदमाशों ने बुधवार दिनदहाड़े ग्राहकों के गिरवी रखे करीब पांच करोड़ के सोने के जेवरात और 15 लाख रुपये लूट लिए। बदमाश खाता खोलने के बहाने बैंक में घुसे और गन प्वाइंट पर कर्मियों एवं ग्राहकों को बंधक बना 20 मिनट में वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। बदमाशों ने दहशत फैलाने को लेकर एक राउंड फायरिंग भी की। कैशियर ने लाकर खोलने का विरोध किया तो पिस्टल के बट से उसकी पिटाई की। डीआइजी व एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने मौके पर पहुंच जांच की। फोरेंसिक टीम ने नमूने लिए। लूट के दौरान बैंक कर्मियों और ग्राहकों के मोबाइल तथा सीसी कैमरे की हार्ड डिस्क भी बदमाश उखाड़ ले गए। बैंक में सुरक्षा गार्ड की तैनाती नहीं थी। उसका अलार्म भी लूट के बाद नहीं बजा। समस्तीपुर के एसपी अशोक मिश्रा ने कहा कि बैंक कर्मियों से प्रारंभिक पूछताछ में 15 लाख की नकदी और 4.5 करोड़ के सोने के जेवरात लूट की बात सामने आई है। ग्राहकों के मोबाइल फोन को ट्रैक किया जा रहा है।

पंजाब सरकार बीबीएमबी के कार्य में हस्तक्षेप नहीं कर सकती : हाई कोर्ट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- हाई कोर्ट ने पंजाब को दिया निर्देश, केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित रहे
- हरियाणा को 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी देने के आदेश का करे पालन

प्रतीकात्मक।

पंजाब और हरियाणा के बीच पानी को लेकर विवाद में हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्देश दिया है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू और जस्टिस सुमित गोयल की खंडपीठ ने कहा कि पंजाब सरकार भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के कार्य में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। वह भारत सरकार के गृह सचिव की अध्यक्षता में दो मई को हुई बैठक के निर्णय का पालन करे, जिसमें हरियाणा के लिए 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने का फैसला हुआ था।

हाई कोर्ट ने इस संबंध में दायर तीन याचिकाओं पर सुनवाई के बाद बुधवार को यह निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने कहा कि पंजाब सरकार बीबीएमबी के कार्य में हस्तक्षेप से परहेज करे और केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित रहे। बांध की सुरक्षा के नाम पर उसके संचालन में बाधा डालना स्वीकार्य नहीं है। पीठ ने पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड नियम, 1974 का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि बीबीएमबी एक केंद्रीय निकाय है और उसका नियंत्रण केंद्र सरकार के अधीन है। किसी भी असहमति की स्थिति में राज्य सरकार को केंद्र के माध्यम से ही आपत्ति दर्ज करनी चाहिए, न कि सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए।

सुनवाई के दौरान पंजाब ने कहा कि उसने केवल बांध की सुरक्षा के लिए पुलिस भेजी थी, क्योंकि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य की है। वहीं, हरियाणा ने पेयजल संकट को उजागर करते हुए पानी की मांग को उचित ठहराया। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सालिसिटर जनरल सत्य पाल जैन ने सुझाव दिया कि इस प्रकार की स्थिति से बचने को भाखड़ा बांध की सुरक्षा अर्धसैनिक बलों को सौंपी जाए। कोर्ट ने इस सुझाव पर कोई आदेश नहीं दिया, लेकिन इसे बीबीएमबी और केंद्र सरकार के विचारार्थ छोड़ दिया।

बीते 23 अप्रैल को बीबीएमबी की तकनीकी समिति ने हरियाणा को 8,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्णय लिया था, जिसमें राजस्थान और दिल्ली के हिस्से का जल भी शामिल था। पंजाब ने इसका विरोध शुरू कर दिया। उसका कहना था कि हरियाणा और राजस्थान अपनी तय हिस्सेदारी से अधिक पानी मांग रहे हैं। एक मई को भाखड़ा नंगल बांध और लोहंड कंट्रोल रूम पर पुलिस की तैनाती ने स्थिति को जटिल बना दिया। बीबीएमबी ने इसे अवैध हस्तक्षेप बताते हुए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

सुप्रीम कोर्ट में गोधरा कांड के एक दोषी की बरी करने की याचिका का विरोध

नई दिल्ली, प्रेट्र: गुजरात सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड मामले में एक दोषी की बरी करने की मांग वाली याचिका का विरोध किया। राज्य सरकार ने अपनी दलील में कहा कि उसने हिंसा पर उतारू भीड़ को भड़काया था, जिसने भारत विरोधी नारे लगाए थे।

राज्य सरकार के वकील ने कहा, 'एक नेता (गोधरा नगर पालिका का पूर्व सदस्य अब्दुल रहमान धंतिया) हिंसक भीड़ का हिस्सा था, जिसने भारत विरोधी नारे लगाए थे और हमारे जैसे समाज में इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।' उन्होंने जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अरविंद कुमार की पीठ के समक्ष यह दलील दी। जबकि अब्दुल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील संजय हेगड़े ने इस दलील का विरोध किया और कहा कि उनके मुवक्किल को बरी किया जाना चाहिए। वह कथित साजिश का हिस्सा नहीं था। केवल एक गवाह ने उसकी पहचान की थी। ज्ञात हो, 2002 में गोधरा में उग्र भीड़ ने रामभक्तों को लेकर लौट रही ट्रेन में आग लगा दी थी जिसमें 50 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए थे।

हिंदू लड़कियों से दुष्कर्म के आरोपित शिक्षक का दिल्ली व नोएडा कनेक्शन

टीम नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश के मुरैना में अपना नाम अभि ठाकुर बताकर इंसानियत नाम से कंप्यूटर सेंटर चलाने वाले शिक्षक असलम खान ने कई हिंदू छात्राओं को झांसे में लेकर उनके साथ न सिर्फ दुष्कर्म किया, बल्कि उनके अश्लील वीडियो भी बनाए। उसके पास से तीन छात्राओं के अश्लील वीडियो बरामद हुए हैं। मंगलवार को पुलिस ने हिरासत में लेने के बाद असलम के खिलाफ एक पीड़ित छात्रा के पिता की ओर से एफआइआर दर्ज कर ली तो उसे छुड़ाने के लिए दिल्ली, नोएडा और मेरठ तक से कुछ लोग थाने में आकर सक्रिय हो गए। पुलिस ने जब उनसे पूछताछ की तो वे खिसक गए। सीएसपी दीपाली चंदौरिया का कहना है कि असलम के नेटवर्क की जांच की जा रही है। आशंका है कि वह पोर्न इंडस्ट्री अथवा किसी जिहादी संगठन से जुड़ा हो सकता है।

उज्जैन में दुष्कर्म व ब्लैकमेल के आरोपित का शार्ट एनकाउंटर

उधर, उज्जैन में सामने आए लव जिहाद के लिए हिंदू लड़कियों को फंसाने और उनसे दुष्कर्म कर ब्लैकमेल करने वाले मुस्लिम युवाओं के गिरोह के मुख्य आरोपित घट्टिया तहसील के बिछड़ौद गांव निवासी फरमान मंसूरी का पुलिस ने शार्ट एनकाउंटर कर दिया। मंगलवार रात आरोपित ने सीने में दर्द की शिकायत की थी। उपचार के लिए उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। उसी दौरान उसने उल्टी आने की बात कही। जैसे ही पुलिसकर्मियों ने गाड़ी रोकी, फरमान ने एक पुलिसकर्मी की राइफल छीन ली और दो फायर भी कर दिए। जवाबी कार्रवाई में आरोपित के पैर में गोली लगी। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छग में ब्लड कैंसर पीड़ित छात्रा बनी 10वीं की टापर

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर

इशिका बाला। नईदुनिया

छत्तीसगढ़ के माओवाद प्रभावित कांकेर जिले की ब्लड कैंसर से पीड़ित छात्रा इशिका बाला ने 10वीं में 99.17 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोंडाहुर की छात्रा इशिका बाला दो वर्षों से ब्लड कैंसर से जूझ रही है। आदिवासी बहुल गांव में साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली इशिका ने बताया कि मैं इंजीनियरिंग करना चाहती हूं और अगली कक्षा में गणित का विकल्प चुनूंगी। फिर मैं यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करूंगी, क्योंकि मेरा सपना आइएएस अधिकारी बनने का है। इशिका के पिता शंकर ने बताया कि नवंबर 2023 में तिमाही परीक्षा के दौरान बेटी की तबीयत ज्यादा खराब हो गई थी। इलाज के दौरान ब्लड कैंसर का पता चला। इस कारण वह पिछले साल परीक्षा में शामिल नहीं हो पाई थी। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने बुधवार को 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम घोषित किए हैं।

क्षमता से अधिक छात्रों को ले जा रही इनोवा दुर्घटनाग्रस्त, छह की मौत

जागरण संवाददाता, पटियाला : पटियाला-समाना रोड पर एक ओवरस्पीड टिप्पर ने ओवरटेक करने के चक्कर में इनोवा को टक्कर मार दी। बुधवार दोपहर तीन बजे हुए इस हादसे में स्कूल के पांच छात्रों व इनोवा चालक की मौत हो गई। इनोवा में क्षमता से अधिक बच्चे सवार थे। जानकारी के मुताबिक, इनोवा में भूपिंदरा इंटरनेशनल स्कूल के 13 छात्र सवार थे। चार की मौत मौके पर हो गई। एक ने अस्पताल दम तोड़ा। सभी बच्चे समाना के ग्रीन टाउन कालोनी के रहने वाले थे, जो इनोवा से रोजाना पटियाला के स्कूल आते-जाते थे। फतेहपुर समाना के 45 वर्षीय बलविंदर पाल सिंह ने कुछ समय पहले ही नौकरी छोड़ स्कूल के बच्चों के लाने व ले जाने के लिए इनोवा चलानी शुरू की थी। वह इनोवा में 12 बच्चों को लेकर स्कूल आता-जाता था।

एसएसबी ने नेपाल से भारत में प्रवेश करते चीन के चार नागरिकों को किया गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, रक्सौल (पूर्वी चंपारण) :

हरैया थाने में गिरफ्तार चीनी नागरिक के साथ पुलिस। जागरण

सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बुधवार की शाम चीन के चार नागरिकों को रक्सौल से गिरफ्तार किया है। चारों चीन के हुनान प्रांत के निवासी बताए जा रहे हैं। उनके पास भारत का वीजा नहीं है। चारों अवैध तरीके से नेपाल से भारत में प्रवेश करने के बाद रक्सौल के रास्ते अन्यत्र जाने की फिराक में थे।

बताया जाता है कि पुलिस व एसएसबी जवानों ने विदेशी नागरिकों को देखकर छानबीन की। चारों के पास से पासपोर्ट, मोबाइल, घड़ी व आठ हजार युवान बरामद हुए। पासपोर्ट चीन से निर्गत हुआ है। उनसे बार्डर पर तैनात सुरक्षा एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। एजेंसियां उनके पाकिस्तान कनेक्शन की जांच में भी जुटी हैं। एसएसबी ने आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें पुलिस को सौंप दिया। इस संबंध में एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि सीमा पर जारी अलर्ट के बीच पुलिस व एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में चीन के चार नागरिक पकड़े गए हैं। सभी बिना वीजा के भारत में प्रवेश कर रहे थे। प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

****

रिश्वतखोरी में गिरफ्तार बीएपी के विधायक को भेजा गया जेल

जागरण संवाददाता, जयपुर : विधानसभा में उठाए प्रश्न वापस लेने के लिए खनन कंपनी से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते जयपुर में रंगेहाथ गिरफ्तार किए गए भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक जयकृष्ण पटेल और उनके चचेरे भाई विजय पटेल को बुधवार को न्यायालय ने जेल भेज दिया। वहीं, जमीन में 20 लाख रुपये दबाने वाले विधायक के निजी सचिव रोहित मीणा और जगराम को पूछताछ के लिए दो दिनों को रिमांड पर भेज दिया है। एसीबी ने विधायक सहित चारों को रिमांड पर देने का आग्रह किया था, पर न्यायालय ने विधायक और उनके भाई को जेल भेजने के निर्देश दिए। इस मामले में एक अन्य आरोपित रोहित अभी एसीबी की पकड़ से बाहर है। एसीबी की टीमें उसकी तलाश कर रही है।

रेनहोल्ड व पीटर ने बिना आक्सीजन एवरेस्ट पर चढ़ाई की

1978 में आज ही इतालवी और आस्ट्रियाई पर्वतारोहियों, रेनहोल्ड मेसनर और पीटर हेबेलर ने आक्सीजन की आपूर्ति के बिना माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई की थी। इससे पहले पूरक आक्सीजन के बिना एवरेस्ट पर विजय प्राप्त करना असंभव माना जाता था।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेचक के उन्मूलन की घोषणा की

1980 में आज ही विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेचक के उन्मूलन की घोषणा की थी। यह एक ऐसी बीमारी का अंत था जिसने मानवता को कम से कम 3,000 वर्षों तक परेशान किया था। यह उन्मूलन डब्ल्यूएचओ के नेतृत्व में 10 साल के वैश्विक प्रयास का परिणाम था।

आजीवन देश के प्रति समर्पित रहे सेनानी गोपबंधु चौधरी

गोपबंधु चौधरी का जन्म 1895 में आज ही ओडिशा में हुआ था। 1921 में डिप्टी मजिस्ट्रेट के रूप में जाजपुर में तैनात हुए। यहां बाढ़ आने पर पीड़ितों की दुर्दशा की असली तस्वीर अंग्रेजी सरकार को दिखाई। इसे संशोधित करने के लिए कहने पर इस्तीफा देकर स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ गए। 1928 में ओडिशा में कांग्रेस नेतृत्व की बागडोर संभाली। उनके द्वारा स्थापित अलकाश्रम ओडिशा में सविनय अवज्ञा और नमक सत्याग्रह का केंद्र बन गया था। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भागीदारी के कारण जेल गए। वह प्रसिद्ध भूदान आंदोलन से भी जुड़े थे।

क्वांटम–एआइ नैनोटेक्नोलाजी से जल्द हो सकेगी डीएनए की जांच

संभावनाएं ▶ आइआइटी इंदौर के विज्ञानियों ने विकसित की तकनीक

प्रारंभिक स्तर पर चल सकेगा गंभीर रोगों का पता

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

आइआइटी इंदौर के विज्ञानियों ने डीएनए जांच के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के शोधकर्ताओं ने 'क्वांटम-एआइ नैनो टेक्नोलाजी' नामक नई तकनीक विकसित की है, जो न केवल चिकित्सा विज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी, बल्कि आम जनजीवन को भी बेहतर बनाएगी। यह तकनीक डीएनए की तेज, सटीक और कम लागत वाली जांच में सहायक सिद्ध होगी। इससे कैंसर जैसे गंभीर रोगों का प्रारंभिक स्तर पर पता भी लगाया जा सकेगा।

आइआइटी इंदौर। फाइल

यह तकनीक जीनोमिक्स, व्यक्तिगत चिकित्सा और कैंसर निदान के क्षेत्र में परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकती है। जेनेटिक म्यूटेशन और कैंसर से जुड़े बदलाव का शीघ्र पता लगाने में यह सक्षम है। – **प्रो. बिस्वरूप पाठक,** विज्ञानी, आइआइटी इंदौर।

शोध टीम का नेतृत्व रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर बिस्वरूप पाठक कर रहे हैं। उनकी टीम में डा. स्नेहा मित्तल और डा. मिलन कुमार जेना हैं। इन विज्ञानियों ने जो तकनीक विकसित की है, वह डीएनए में होने वाले जटिल परिवर्तनों को भी पकड़ने में सक्षम है। क्वांटम-एआइ नैनो टेक्नोलाजी एक उन्नत तकनीक है, जो दो अत्याधुनिक क्षेत्रों क्वांटम ट्रांसपोर्ट तकनीक व एआइ को एक साथ जोड़ती है। विज्ञानियों ने एक विशेष प्रकार की डिवाइस तैयार किया है, जिसे नैनोपोर या नैनोगैप डिवाइस कहा जाता है। यह डिवाइस डीएनए के न्यूक्लियोटाइड्स (इसके सूक्ष्म घटक) के इलेक्ट्रानिक संकेतों को पहचानती है। प्रत्येक न्यूक्लियोटाइड का एक विशिष्ट विद्युत संकेत होता है। इसे यह तकनीक पहचान कर डीएनए में हुए परिवर्तनों की जानकारी देती है।

इन्हें होगा लाभ

- **कैंसर मरीज :** जीन में होने वाले म्यूटेशन और बदलावों का त्वरित पता लगाकर समय पर सटीक इलाज शुरू किया जा सकेगा।
- **औषधि विज्ञान क्षेत्र :** प्रत्येक व्यक्ति के जीन प्रोफाइल के अनुसार दवा निर्धारित की जा सकेगी, जिससे इलाज की प्रभावशीलता बढ़ेगी।
- **शोधकर्ता :** जीन के विविध स्तरों और परिवर्तनों को बेहतर ढंग से समझने में सहायता मिलेगी, जिससे नई खोजों के रास्ते खुलेंगे।
- **नागरिक :** डीएनए जांच की लागत कम होने से यह तकनीक आम लोगों की पहुंच में भी आ सकेगी। इससे लोगों को आसानी होगी।

इंडोनेशिया में वेसाक उत्सव की तैयारी

इंडोनेशिया के पूर्वी जावा प्रांत के मोजोकर्टो में वेसाक उत्सव से पहले बुधवार को महाविहार मोजोपाहित मंदिर में लेटी हुई गौतम बुद्ध प्रतिमा को देखने के लिए एक इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल के छात्र पहुंचे। इसके जरिये इंडोनेशिया की सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता से परिचित होते हैं। वेसाक उत्सव बुद्ध के जन्म, ज्ञान और मृत्यु की याद में मनाया जाता है। एएफपी

डायबिटीज की दवा प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में कर सकती है मदद

नई दिल्ली, आइएएनएस : एक अध्ययन के अनुसार टाइप 2 डायबिटीज के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कुछ दवाओं का इस्तेमाल प्रोस्टेट कैंसर के इलाज के लिए भी किया जा सकता है। आस्ट्रिया में विएना के मेडिकल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने डायबिटीज और कैंसर के तंत्र में समानता की पहचान की है। उन्होंने दिखाया कि प्रोटीन पीपीएआर (पेरोक्सिसोम प्रोलिफरेटर एक्टिवेटेड रिसेप्टर गामा) मेटाबोलिज्म प्रक्रियाओं के केंद्रीय नियमन के लिए प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को भी प्रभावित कर सकता है, लेकिन पीपीएआर को पहले से ही कुछ दवाओं का लक्ष्य माना जाता है, जिनमें तथाकथित थियाजोलिडाइनडायन जैसे कि पियोग्लिटाजोन शामिल हैं, जिनका उपयोग टाइप 2 डायबिटीज के इलाज के लिए किया जाता है।

▶ 2020 में दुनिया भर में प्रोस्टेट कैंसर के 14 लाख मामले सामने आए और 375,000 मौतें हुईं

▶ प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को धीमा करेगी डायबिटीज की दवाएं

प्रतीकात्मक

एमिन एटास ने समझाया कि निष्कर्षों से पता चला कि डायबिटीज की दवा पियोग्लिटाजोन पीपीएआर की गतिविधि को प्रभावित करती है और इस प्रकार ट्यूमर कोशिकाओं के विकासशील व्यवहार और मेटाबोलिज्म को बाधित करती है। इसके अलावा प्रारंभिक परिणामों से पता चला है कि डायबिटीज के प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों को पीपीएआरएगोनिस्ट के साथ इलाज किया गया था, जो डाटा संग्रह के समय वापस नहीं आए थे। मालिक्यूलर कैंसर पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन से संकेत मिलता है कि डायबिटीज की दवाएं प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि को धीमा कर सकती हैं, जो प्रोस्टेट कैंसर के उपचार के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। शोधकर्ताओं ने रोगी समूहों से कोशिका संवर्धन और ऊतक नमूनों की जांच की। उन्होंने विश्लेषण किया कि प्रोटीन की विभिन्न सक्रियण अवस्थाएं कोशिकाओं को कैसे प्रभावित करती हैं।

प्रोस्टेट कैंसर तब होता है, जब प्रोस्टेट ग्रंथि में असामान्य कोशिकाएं नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं। हाल के वर्षों में चिकित्सा जगत में हुई भारी प्रगति के बावजूद प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों में होने वाला सबसे आम कैंसर है, जिसके 2020 में दुनिया भर में अनुमानित 14 लाख मामले सामने आए और 375,000 मौतें हुईं। शोधकर्ताओं ने कहा कि ट्यूमर के विकास के संभावित नियामक के रूप में पीपीएआर एक आशाजनक विकल्प है जिसकी अब आगे के अध्ययनों में जांच की जाएगी।

अनिद्रा, चिंता, अवसाद के लिए सामान्य हैं मस्तिष्क में असामान्यताएं

नई दिल्ली, प्रेट्र : मस्तिष्क में अनिद्रा, चिंता और अवसाद के लिए कुछ असामान्यताएं सामान्य मानी जाती हैं। ये असामान्यताएं मस्तिष्क के कामकाज, रसायन विज्ञान, और संरचना में बदलाव के रूप में दिखाई देती हैं। एक नए अध्ययन में पाया गया है कि मस्तिष्क में तीनों असामान्यताओं में छोटा थैलेमस से जुड़ा होता है, जो ध्यान और स्मृति समस्याओं से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा दो अन्य हैं एक कमजोर कनेक्टिविटी जो मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच संचार को बाधित करती है और सेरेब्रल कार्टेक्स का कम क्षेत्र मस्तिष्क क्षति का एक रूप जो स्मृति व भाषा को प्रभावित करता है। अनिद्रा या नींद आने या सोते रहने में परेशानी, चिंता व अवसाद सहित मानसिक विकारों के खतरे को बढ़ाने के लिए अध्ययन किया गया है।

कुछ असामान्यताएं प्रत्येक विकार के लिए अद्वितीय : नीदरलैंड के व्रीजे यूनिवर्सिटी एम्स्टर्डम से लेखक एलेके टिसिंक ने कहा, कुछ असामान्यताएं प्रत्येक विकार के लिए अद्वितीय हैं। उदाहरण के लिए अनिद्रा की गंभीरता मस्तिष्क के क्षेत्रों में छोटे वाल्यूम से अधिक निकटता से इनाम से जुड़ा प्रतीत होता है। यूके बायोबैंक डेटासेट से 40,000 से अधिक लोगों के मस्तिष्क स्कैन का विश्लेषण करते हुए टीम ने सामान्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के बीच समानता और अंतर का मानचित्रण किया। शोधकर्ताओं ने कहा कि 'नेचर मेंटल हेल्थ' पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्ष नए उपचार विकसित करने में मदद कर सकते हैं। वर्तमान में उपलब्ध उपचार केवल मध्यम रूप से प्रभावी हैं और कई लोगों में लक्षण फिर से दिखाई देते हैं। टिसिंक ने कहा, दूसरी ओर अवसाद की गंभीरता, भाषा और भावना से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्रों में पतले सेरेब्रल कॉर्टेक्स से अधिक मजबूती से संबंधित प्रतीत होती है।

▶ यूके बायोबैंक डेटासेट से 40,000 से अधिक लोगों के मस्तिष्क स्कैन का विश्लेषण किया गया

▶ शोध टीम ने सामान्य मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के बीच समानता और अंतर की मैपिंग की

▶ नेचर मेंटल हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित निष्कर्ष कर सकते हैं मदद

शोध लेखक ने कहा कि इसके अलावा चिंता अधिक गंभीर होती है क्योंकि एमिग्डाला की प्रतिक्रिया कमजोर होती है और मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच कनेक्टिविटी होती है, जहां डोपामाइन, ग्लूटामेट और हिस्टामाइन सभी मस्तिष्क रसायन संचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एमिग्डाला भावनाओं को प्रकट करने में मदद करता है, विशेष रूप से डर और खतरे से संबंधित, जबकि मस्तिष्क रसायन सीखने, स्मृति, प्रेरणा और जागते रहने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं।

प्रतीकात्मक

टिसिंक के अनुसार, हालांकि, प्रभावित मस्तिष्क क्षेत्र अलग-अलग क्षेत्र होते हैं, वे एक ही विभिन्न टुकड़ों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब आप उन्हें एक साथ मैप करते हैं, तो वे सभी एक ही सर्किट का हिस्सा बन जाते हैं– एमिग्डाला हिप्पोकैम्पस मीडियल प्रीफ्रंटल कार्टेक्स सर्किट।

अत्यधिक स्क्रीन समय बढ़ा सकता है अवसाद का जोखिम

हिप्पोकैम्पस मस्तिष्क का केंद्र है जो स्मृति बनाता है, जबकि प्रीफ्रंटल कार्टेक्स सेरेब्रल कार्टेक्स का हिस्सा है और उच्च स्तर के कामों जैसे आत्म-नियंत्रण और लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करता है। हाल में इस बारे में पीएलओएस ग्लोबल पब्लिक हेल्थ पत्रिका में अध्ययन प्रकाशित किया गया। इसमें पाया गया कि अत्यधिक स्क्रीन समय व्यक्ति की नींद को प्रभावित कर अवसाद के जोखिम को बढ़ा सकता है। टिसिंक ने कहा, उदाहरण के लिए, अनिद्रा का उपचार कभी-कभी अवसाद में भी सुधार करता है लेकिन क्यों? इस प्रश्न की आगे की जांच कर नए सुराग खोजने की उम्मीद करते हैं। शोध लेखकों ने लिखा, "छोटे कुल कार्टिकल सतह क्षेत्र, छोटे थैलेमिक वाल्यूम और कमजोर कार्यात्मक कनेक्टिविटी तीनों विकारों के गंभीर लक्षणों से जुड़े थे। टीम ने लिखा कि अनिद्रा, चिंता या अवसाद के लिए विशिष्ट लक्षण अक्सर एमिग्डाला हिप्पोकैम्पल मीडियल प्रीफ्रंटल सर्किट के कुछ हिस्सों में थे, जो इन विकारों के परस्पर संबंध को उजागर करते हैं और अनुसंधान और उपचार के लिए नए रास्ते सुझाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय

अमेरिकी विमानवाहक पोत पर उतर रहा विमान समुद्र में गिरा, पायलट सुरक्षित

दुबई, एपी : लाल सागर में अमेरिका के 'यूएसएस हैरी एस ट्रूमैन' विमानवाहक पोत पर उतर रहा 'एफ/ए-18' लड़ाकू विमान समुद्र में गिर गया। विमान के दोनों पायलट सुरक्षित हैं। इससे पहले 28 अप्रैल को भी एक अन्य एफ/ए-18 लड़ाकू विमान ट्रूमैन के हैंगर डेक से फिसलकर लाल सागर में गिर गया था।

एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि यह घटना मंगलवार को हुई। विमान में सवार दो पायलटों को बाद में एक हेलीकाप्टर द्वारा समुद्र से सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस घटना में उन्हें मामूली चोटें आईं। प्रतीत होता है कि घटना विमान के उतरते समय 'अरेस्टमेंट' उपकरण में किसी समस्या के कारण हुई। 'अरेस्टमेंट' उपकरण, गति को तुरंत रोकने के लिए डिजाइन की गई हुक प्रणाली है, जिनका उपयोग अक्सर विमान वाहक पोतों पर विमानों की गति को धीमा करने या ऊंचाई से गिरने से रोकने के लिए किया जाता है। यह स्पष्ट नहीं है कि सिस्टम का कौन सा हिस्सा विफल हुआ।

भूख से जूझते फलस्तीनियों पर इजरायल का हमला, 59 मरे

यरुशलम, एपी: भूख से व्याकुल फलस्तीनियों पर बुधवार को इजरायल सेना द्वारा किए गए हमले में 59 लोग मारे गए। हमले में दर्जनों अन्य घायल भी हुए हैं। इजरायल ने बाहरी दुनिया से गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति को दो महीने से रोक रखा है। इससे वहां पर खाने-पीने के सामान और चिकित्सा सामग्री की किल्लत पैदा हो गई है।

गाजा के मध्य में स्थित बुरेज के एक स्कूल भवन में शरण लिए सैकड़ों विस्थापित फलस्तीनियों पर इजरायल के हवाई हमले में 27 लोग मारे गए हैं जबकि बड़ी संख्या में घायल हुए हैं। ऐसे ही गाजा सिटी के एक स्कूल भवन पर बुधवार तड़के हुए हमले में 16 लोग मारे गए हैं। उल्लेखीय है कि इसी सप्ताह इजरायल सरकार ने पूरे गाजा पर कब्जा करने की योजना का एलान किया है, इसके लिए हमले तेज करने को इजरायली सेना ने बड़ी संख्या में रिजर्व सैनिकों को आमद दर्ज कराने के लिए कहा है। गाजा में कार्य कर रहीं स्वयंसेवी संस्थाओं ने खाद्य सामग्री और पेयजल की कमी से भुखमरी की आशंका जताई है। कहा है कि नवजात और छोटे बच्चे कुपोषण के शिकार हो रहे हैं, इससे उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता खत्म होने का खतरा पैदा हो गया है। महीनों से खानपान का अभाव झेल रहे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग और घायल लोगों को सबसे ज्यादा खतरा है। हाल के हफ्तों में इनकी मृत्यु दर भी बढ़ी है। ज्ञात हो इजरायली हमलों में अब तक 60 हजार से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

▶ बुरेज व गाजा सिटी में स्कूल में शरण लिए लोगों पर प्रहार

▶ स्वयंसेवी संगठनों ने गाजा में भुखमरी की आशंका जताई

गाजा सिटी में बुधवार को इजरायली हमले के बाद एक पीड़ित को ले जाते हुए फलिस्तीनी। रायटर

गाजा में हमास के कब्जे में 21 बंधक ही जीवित : ट्रंप

वाशिंगटन, एपी: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि गाजा पट्टी में हमास के कब्जे में मौजूद तीन और बंधकों की मौत हो गई है। यह माना जा रहा है कि अब केवल 21 बंधक ही जीवित बचे हैं।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास के आतंकियों ने इजरायल में बड़े पैमाने पर हमला किया था, जिसमें करीब 1200 लोग मारे गए थे। आतंकियों ने इस दौरान लगभग 250 लोगों को बंधक बना लिया था और अपने साथ गाजा लेकर चले गए थे। इस वर्ष जनवरी में इजरायल और हमास के बीच कुछ सप्ताह के लिए संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई को लेकर समझौता हुआ था, जिसके बाद फलस्तीनी कैदियों के बदले इजरायली बंधकों की रिहाई हुई थी। बाद में यह समझौता टूट गया था और कई बंधक अब भी हमास के कब्जे में मौजूद हैं। हमास की ओर से बंधक बनाए गए लोगों के बारे में पूछे जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'तीन और बंधकों की मौत हो चुकी है। आज की स्थिति के अनुसार, केवल 21 बंधक ही जीवित बचे हैं। अभी तक यह माना जा रहा था कि 24 बंधक जीवित हैं।' ट्रंप ने उन बंधकों की पहचान के बारे में विस्तार से नहीं बताया, जिनके बारे में माना जा रहा है कि वे अब मर चुके हैं। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि इन लोगों की मौत कैसे हुई। ज्ञात हो बंधकों को रिहा कराने के लिए इजरायल ने सारी ताकत झोंकी हैं।

▶ अमेरिकी राष्ट्रपति ने बताया, तीन और बंधकों की हो चुकी है मौत

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

भारत सरकार की नाराजगी के बाद बुद्ध से जुड़ी नीलामी स्थगित

हांगकांग, एपी : भारत सरकार की आपत्ति के बाद सोथबी ने बुद्ध के अवशेषों से जुड़े आभूषणों की नीलामी बुधवार को स्थगित कर दी। भारत ने नीलामी का विरोध करते हुए आक्शन हाउस से इसे रोकने की मांग की थी। लगभग 240-200 ईसा पूर्व के बुद्ध के ये रत्न 1898 में उत्तरी भारत में मिले थे। संस्कृति मंत्रालय ने बुधवार को फेसबुक पर कहा, यह बताते हुए खुशी हो रही है कि नीलामी स्थगित कर दी गई है। मंत्रालय ने मंगलवार को फेसबुक पोस्ट में कहा था कि उसने सोथबी को कानूनी नोटिस जारी कर नीलामी तत्काल रोकने की मांग की है। कहा था कि नीलामी भारतीय कानूनों, अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों का उल्लंघन है। फेसबुक पर सोमवार को पोस्ट किए गए सोथबी हांगकांग को लिखे पत्र में कहा गया है कि नीलामी में बौद्ध अवशेष शामिल हैं, जो भारत और वैश्विक बौद्ध समुदाय की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। अवशेषों को भारत सरकार को लौटाने तथा नीलामी घर और क्रिस पेप्पे से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की गई है।

आज का भविष्यफल – 08 मई, 2025 गुरुवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति :
वैशाख मास शुक्ल पक्ष एकादशी।
आज का राहुकाल : दोपहर 01 बजकर 30 मिनट से 03 बजे तक।
आज का दिशाशूल : दक्षिण
विशेष : मोहिनी एकादशी
आज की भद्रा : दोपहर 12 बजकर 30 मिनट तक।

कल 09 मई, 2025 का पंचांग

कल का दिशाशूल : पश्चिम
कल का पर्व एवं त्योहार : प्रदोष व्रत, परशुराम द्वादशी विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु वैशाख मास शुक्ल पक्ष की द्वादशी 14 घंटे 57 मिनट तक, तत्पश्चात त्रयोदशी हस्त नक्षत्र 24 घंटे 09 मिनट तक, तत्पश्चात चित्रा नक्षत्र वज्र योग 26 घंटे 58 मिनट तक, तत्पश्चात सिद्धि योग कन्या में चंद्रमा।

मेष : रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन में मतभेद हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृष : रिश्तों में निकटता आएगी। नेत्र या उदर विकार के प्रति सचेत रहें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन : महिला अधिकारी का सहयोग रहेगा। रिश्तों में निकटता आएगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी।

कर्क : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धर्म गुरु या पिता का सहयोग मिलेगा। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा।

सिंह : बहुप्रतीक्षित कार्य में व्यस्तता रहेगी। उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी। जीविका में प्रयास सार्थक होगा।

कन्या : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। उपहार में वृद्धि होगी, लेकिन उदर या नेत्र विकार के प्रति सचेत रहें।

तुला : जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। मांगलिक या सांस्कृतिक उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।

वृश्चिक : सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। शिक्षा में आशातीत सफलता मिलेगी।

मकर : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। रिश्तों में निकटता आएगी।

कुंभ : किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। आर्थिक प्रयास फलीभूत होगा।

मीन : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

वर्ग पहेली – 2976

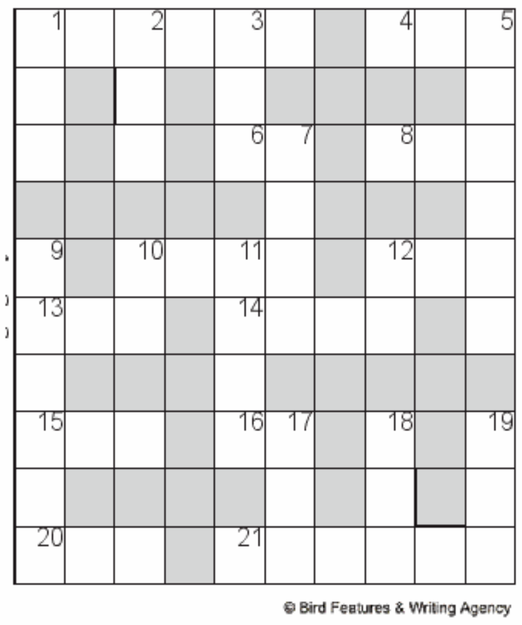

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1. खिदमत करना, सेवा करना (3,3)।
4. लाश, अर्थी (3)।
6. एक प्रकार का कीड़ा (2)।
8. सहायता (3)।
10. किसी सभा के सदस्य गण (4)। 12. वृक्ष, पेड़ (3)।
13. दया, कृपा (3)।
14. मनाने की क्रिया (4)।
15. पवित्र करनेवाला, अग्नि (3)। 16. इज्जत, प्रतिष्ठा, नासिका (2)।
20. योग्य, लायक (3)।
21. समय के अनुकूल (6)।

ऊपर से नीचे
1. भिड़ंत, टोकर (3)।
2. झगड़ा या संघर्ष करना (3)।
3. रस से भरा (3)।
5. एक प्रसिद्ध शायर और गीतकार (3,3)।
7. क्रय करना (4)।
9. खड़ाऊं; पांवड़ी (3,3)।
10. बराबर (2)।
11. बताना, परामर्श देना (4)।
12. एक फिल्म है दे दना ... (2)।
17. काटना, लेखनी (3)।
18. भीष्म पितामह के पिता (3)।
19. मान लेने वाला (3)।

कल का हल

प1	रि	व2	र्त	न	■	■	ब3	ह्म	ल4
त	■	त	■	■	■	■	■	■	प
न	■	न5	या6	प	न7	■	द8	ख	ल
■	■	■	च	■	म9	यू	र	■	पा
■	■	पा10	ना	■	■	■	वा	■	ना
अ11	■	व	■	■	■	स12	जा	■	■
ल	■	दा13	य	रा14	■	ला	■	■	■
का15	न	न	■	म16	नो	ह	र17	■	का18
लां	■	■	■	■	■	■	ह	■	स
बा19	द	ल	■	■	च20	र	म	रा	ना

जागरण सुडोकू – 2976

		3		6		8		9
4				8				3
7	8		4		3		5	
9			3			1		5
		1			2			
5	4							2
6			5		1		2	
	1			3		6		4
			6				3	

कल का हल

1	5	7	4	9	8	6	3	2
3	8	9	5	6	2	4	1	7
4	6	2	3	1	7	5	8	9
2	4	5	7	3	9	1	6	8
7	9	1	6	8	5	3	2	4
8	3	6	1	2	4	7	9	5
9	7	3	8	4	1	2	5	6
5	1	8	2	7	6	9	4	3
6	2	4	9	5	3	8	7	1

Join Our Paid Service - 2025

English

- The Hindu
- Indian Express
- Hindustan Times
- Business Line
- Business standard
- The Live Mint
- Times of India

Hindi

- दैनिक जागरण
- अमर उजाला
- दैनिक भास्कर
- हिंदुस्तान
- बिज़नेस स्टैण्डर्ड
- राजस्थान पत्रिका
- हरी भूमि

Get All Editions of These Premium Newspapers

Full Package Bonus

Full Package

1 Month = ~~149~~ ₹129

3 Month = ~~349~~ ₹229

6 Month = ~~549~~ ₹329

12 Month = ~~999~~ ₹549

Special Offer

The Hindu + Indian Exp Only

1 Month = ~~99~~ ₹69

3 Month = ~~199~~ ₹149

6 Month = ~~399~~ ₹249

12 Month = ~~499~~ ₹349

Special Offer

Order Now